रांची, मंगलवार । 21 जुलाई 2026 । वर्ष-27, अंक-169, पृष्ठ-12 । www.rastriyanaveenmail.com

आषाढ़ शुक्ल पक्ष 07, संवत 2083 । रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित । रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/00155

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

मूल्य 2 रु.

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 10

रांची	कांके
अधिक. 30.4⁰	अधिक. 29.0⁰
न्यून. 23.9⁰	न्यून. 23.0⁰

डॉ जितेंद्र सिंह ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा की 'राष्ट्रीय नवीन मेल' की खबर

नवीन मेल संवाददाता

नई दिल्ली/रांची। राष्ट्रीय नवीन मेल के लिए यह गर्व का क्षण है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान तथा प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ जितेंद्र सिंह ने अपने आधिकारिक डॉ. जितेंद्र सिंह का कार्यालय एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर राष्ट्रीय नवीन मेल में

Post
Office of Dr. Jitendra ...
@OfficeOfDrJS
Follow
Show translation
राष्ट्रीय नवीन मेल: स्वास्थ्य जागरुकता बीमारियों के बढ़ते खतरे को चुनौती बताते हुए डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कैंसर, मधुमेह के खिलाफ जन आंदोलन की जरूरत।
कैंसर, मधुमेह के खिलाफ जन आंदोलन की जरूरत

रांची से दिल्ली तक गूंजी अखबार की आवाज

20 जुलाई 2026 को रांची संस्करण के प्रथम पृष्ठ पर अपने कार्यक्रम से संबंधित समाचार "कैंसर, मधुमेह के खिलाफ जनआंदोलन की जरुरत" शीर्षक से प्रकाशित खबर की क्लिपिंग साझा की है। देश के वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री द्वारा अखबार की रिपोर्ट को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंच पर साझा किया जाना राष्ट्रीय नवीन मेल की विश्वसनीयता और बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रमाण माना जा रहा है।

डॉ जितेंद्र सिंह के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की गई इस क्लिपिंग ने राष्ट्रीय नवीन मेल को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है। रांची और डालटनगंज से प्रकाशित होने वाला यह समाचारपत्र अब दिल्ली सहित देशभर के नीति-निर्माताओं, जनप्रतिनिधियों और पाठकों तक अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। यह उपलब्धि अखबार की निष्पक्ष, तथ्यपरक और जनसरोकारों से जुड़ी पत्रकारिता का सम्मान भी है।

राष्ट्रीय नवीन मेल परिवार के लिए यह गौरवपूर्ण अवसर अपने पाठकों, संवाददाताओं और सहयोगियों के विश्वास का परिणाम है। राष्ट्रीय नवीन मेल कि यह उपलब्धि आगे भी जनहित के मुद्दों को पूरी जिम्मेदारी और विश्वसनीयता के साथ उठाने की प्रेरणा देगी। अखबार का प्रयास रहेगा कि वह अपनी सार्थक और प्रभावशाली पत्रकारिता के माध्यम से समाज और देश के महत्वपूर्ण विषयों को व्यापक मंच प्रदान करता रहे।

दृष्टिपात

एक्साइज ड्यूटी घटने का लाभ ठेकेदार को नहीं : हाईकोर्ट

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने एक्साइज ड्यूटी में कमी के बाद झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड द्वारा ठेकेदार के बिल से काटी गई राशि को सही ठहराते हुए जय बी इंटरप्राइजेज की याचिका खारिज कर दी। जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने कहा कि यदि कर बढ़ने पर अतिरिक्त वित्तीय भार जेबीवीएनएल वहन करता है, तो कर घटने पर उसका लाभ भी उसी को मिलेगा। ऐसी स्थिति में ठेकेदार उस राशि की वापसी का दावा नहीं कर सकता। मामला वर्ष 2009 में कतरास 10वीं एपीडीआरपी परियोजना से जुड़ा है। जय बी इंटरप्राइजेज को कार्यादेश दिया गया था, जिसमें सामग्री की कीमत सभी करों एवं एक्साइज ड्यूटी सहित तय थी।

झारखंड कैबिनेट की बैठक आज, कई प्रस्तावों पर लगेगी मुहर

रांची। झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित होगी। बैठक धुर्वा स्थित प्रोजेक्ट भवन के मंत्रिपरिषद् कक्ष में होगी, जिसमें विभिन्न विभागों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर निर्णय लिए जाने की संभावना है।मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। विभाग के अनुसार, बैठक में राज्यहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण एजेंडों पर चर्चा होगी और विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की समीक्षा की, कहा

झारखंड में इको टूरिज्म की असीम संभावनाएं, आगे बढ़ने की जरूरत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को झारखंड मंत्रालय में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में राज्य के वन संसाधनों के संरक्षण, विकास और वैज्ञानिक प्रबंधन को नई दिशा प्रदान किए जाने को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य गठन के बाद से अब तक के सभी वन क्षेत्रों का टेक्निकल एवं डिजिटल रिकॉर्ड एक माह के भीतर तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था विकसित हो, जिससे एक क्लिक पर पूरे राज्य के वन क्षेत्रों का अवलोकन कर उनके वास्तविक स्वरूप, संरचना और वर्तमान स्थिति की जानकारी उपलब्ध हो सके, इसके लिए वन क्षेत्रों के डिजिटल मैप की लेयरिंग सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य निर्माण के बाद वन क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। कहीं वनों का विस्तार हुआ है तो कहीं इको-टूरिज्म परियोजनाएं और गेस्ट हाउस विकसित हुए हैं। दूसरी ओर, वनों की कटाई, खनन क्षेत्रों के विस्तार तथा वन्यजीव अभयारण्यों एवं राष्ट्रीय उद्यानों की सीमाओं में भी बदलाव देखने को मिले हैं। ऐसे में वन क्षेत्रों का अद्यतन एवं वैज्ञानिक डिजिटल दस्तावेज तैयार करना समय की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि वनों की सुरक्षा और उनका सतत विकास राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए बड़े पैमाने पर पौधरोपण अभियान चलाने तथा सूखे एवं अनुपयोगी पेड़ों की वैज्ञानिक तरीके से कटाई की योजना तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक नए पौधे लगाए जा सकें और हरित आवरण में निरंतर वृद्धि हो। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निदेशित किया

शेष पेज 11 पर

वन क्षेत्रों का टेक्निकल एवं डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने का निर्देश

पर्यावरण संरक्षण : 'एक पेड़ लगाएं, 5 यूनिट बिजली पाएं'

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पर्यावरण संरक्षण को शहरी विकास से जोड़ते हुए कहा कि शहरों को बचाने के लिए भी पौधरोपण आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से शहरी क्षेत्रों में पौधरोपण बढ़ाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने को कहा। साथ ही राज्य सरकार द्वारा "पेड़ लगाओ, फ्री बिजली पाओ" योजना का प्रभावी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि अधिकाधिक नागरिक इस अभियान से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत एक पेड़ लगाने पर पांच यूनिट बिजली निशुल्क प्रदान किए जाने की योजना है।

वन पट्टा के लंबित मामलों का किया जाएगा शीघ्र निष्पादन

बैठक में मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों से जुड़े वन पट्टा के लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि पात्र लाभुकों को बिना अनावश्यक विलंब के वन पट्टों का वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें वन पट्टा का लाभ समय पर मिल सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वन विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं विभाग द्वारा संचालित सभी वन योजनाओं का समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि इनका लाभ स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो।

खूंटी में हादसा

बिजली तार की चपेट में आया रथ, दो स्कूली छात्रों की मौत

नवीन मेल संवाददाता

खूंटी। जिले के तोरपा थाना क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में दो स्कूली छात्रों की करंट लगने से मौत हो गई, जबकि सात अन्य छात्र घायल हो गए। हादसा कोटेगसेरा स्थित मौसीबाड़ी के समीप उस समय हुआ, जब लंच ब्रेक के दौरान कुछ छात्र वहां खड़े एक रथ को घुमाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान रथ का ऊपरी हिस्सा 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया, जिससे पूरा रथ करंट की चपेट में आ गया और वहां मौजूद नौ छात्र झुलस गए। मृतकों की पहचान चंदन कुमार (16 वर्ष), निवासी पेट्रोल पंप क्षेत्र, तोरपा तथा तारकेश्वर महतो (15 वर्ष), निवासी टुराटोली के रूप में हुई है। दोनों को गंभीर अवस्था में पहले तोरपा रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, खूंटी रेफर किया गया। सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

घायलों में अरमान आलम (16 वर्ष, तोरपा), सूजय लुहरा (17 वर्ष, सैयसेरा), नीलय एक्का, पंकज राम (16 वर्ष), रुपेश कुमार, गिरिराज यादव तथा कमलेश गोप शामिल हैं। सभी घायलों का इलाज तोरपा रेफरल अस्पताल में चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार सभी की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

शेष पेज 11 पर

बच्चों की मौत पर मुख्यमंत्री ने जताया दुख

रांची। खूंटी जिले के तोरपा में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में दो मासूम बच्चों की मौत पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने इस घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए दिवंगत बच्चों की आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य एवं शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

शेष पेज 11 पर

रांची के डीजे मर्डर केस में 10 दोषी करार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची के बहुचर्चित एक्सट्रीम बार के डीजे संदीप प्रमाणिक हत्याकांड मामले में अदालत ने मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह उर्फ विक्की समेत 10 आरोपियों को दोषी करार दिया है। रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायुक्त शैलेंद्र कुमार की अदालत ने सोमवार को यह फैसला सुनाया। अदालत अब इस मामले में दोषियों की सजा के बिंदुओं पर मंगलवार को सुनवाई करेगी। अदालत द्वारा दोषी ठहराए गए अन्य आरोपियों में मुख्य आरोपी के पिता अशोक कुमार सिंह, मोहम्मद शामिरुद्दीन, प्रतीक, मृत्युंजय कुमार, प्रकाश कुमार, दिवाकर उपाध्याय, आलोक दीवा, पंकज कुमार और सुमित कुमार शामिल हैं। यह सनसनीखेज वारदात 26 मई 2024 की देर रात घटी थी। बार बंद होने के वक्त चार से पांच युवक वहां पहुंचे थे, जहां किसी बात को लेकर उनका बार के कर्मचारियों के साथ तीखा विवाद और मारपीट हो गई।

मारपीट का बदला लेने के नीयत से मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह सेल सिटी स्थित अपने किराए के फ्लैट में गया और वहां से एक रायफल लेकर दोबारा बार पहुंचा। उसने बार के भीतर दाखिल होकर डीजे संदीप प्रमाणिक की छाती में बेहद करीब से अंधाधुंध गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। संदीप प्रमाणिक मूल रूप से पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल का रहने वाला था और एक्सट्रीम बार में बतौर डीजे काम करता था। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने बार के पार्किंग एरिया में भी कई राउंड फायरिंग की और अपनी कार से फरार हो गया। हत्या की यह पूरी वारदात बार में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी।

शेष पेज 11 पर

सजा पर कोर्ट आज सुनाएगी फैसला

गोड्डा में ओवरलोड ट्रैक्टर का कहर, हादसे में दो की हुई मौत

नवीन मेल संवाददाता

गोड्डा। जिला में मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत चकेसरी के पास गोड्डा नेशनल हाइवे पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गयी। मृतकों में चालक और मजदूर शामिल है।

जानकारी के मुताबिक छड़ लदा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में ट्रैक्टर पर सवार दो लोगों की दबकर मौके पर ही मौत हो गई। ट्रैक्टर गोड्डा से छड़ लोड करके ललमटिया की ओर जा रहा था। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद मुफस्सिल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और उनको ट्रैक्टर के नीचे से निकाला गया। मृतकों की पहचान ट्रैक्टर चालक सुनील महतो (40 वर्ष) निवासी खर्रा टोला नवडीहा और निवास बावरी (32 वर्ष) निवासी पांडुबथान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि निवास बावरी अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गए।

शेष पेज 11 पर

छात्रा से गैंगरेप में चालक और खलासी को 20 साल की कैद

नवीन मेल संवाददाता

रांची। इंटर की छात्रा से चलती पिकअप वैन में सामूहिक दुष्कर्म से जुड़े सात साल पुराने मामले में दोषी करार अभियुक्तों चालक दीपक महतो और खलासी छोटू उर्फ गुड्डू चौहान को न्यायायुक्त एके मिश्रा की अदालत ने 20-20 साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही दोनों पर 20-20 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। फैसले के दिन अभियुक्त छोटू उर्फ गुड्डू चौहान अदालत में उपस्थित नहीं हुआ। इस पर अदालत ने उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। साथ ही उसके जमानतदार को नोटिस जारी करने का आदेश दिया। अदालत ने दोनों को 14 जुलाई को दोषी ठहराया था।

घटना को अंजाम 10 जनवरी 2019 को दिया गया था। घटना को लेकर पीड़िता ने सदर थाना में बोलेरो पिकअप वैन के चालक और खलासी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

शेष पेज 11 पर

रांची पहली बार करेगी 135वें डूरंड कप-2026 की मेजबानी

मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन, टिकट मुफ्त

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची पहली बार एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट के 135वें एडिशन डूरंड कप-2026 की मेजबानी करने जा रही है। राज्य सरकार के पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग ने इसे झारखंड के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। 26 जुलाई से शुरू रहे मैच का शुभारंभ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। इसके लिए खेल निदेशालय ने व्यापक तैयारियां कर ली है । उक्त बातें खेल निदेशक छवि रंजन ने बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, मोरहाबादी में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में दी। इस अवसर पर इंडियन आर्मी के प्रतिनिधि मनोज कुमार झा भी मौजूद रहे।

- 26 जुलाई को मैच के साथ होगा प्रतियोगिता का आगाज
- राज्य सरकार ने की है फ्री टिकट की व्यवस्था

छवि रंजन ने कहा कि मैच देखने के लिए निःशुल्क टिकट की व्यवस्था की गई है । राज्य सरकार की तरफ़ मैच देखने के लिए निशुल्क टिकट की व्यवस्था की गई है । मैच देखने के लिए एक भी पैसे देने की ज़रूरत नहीं है। मैच के लिए 22 जुलाई से 16 अगस्त 2026 तक निःशुल्क टिकट वितरित किए जाएंगे। टिकट सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक मिलेंगे और एक व्यक्ति को अधिकतम चार टिकट दिए जाएंगे। स्टेडियम परिसर में गेट नंबर 11 से 13 के बीच 10 काउंटर तथा गेट नंबर 23 के पास दो अतिरिक्त काउंटर बनाए गए हैं। प्रशासन ने दर्शकों से अपील की है कि वे मैच शुरू होने से कम से कम एक घंटे पहले स्टेडियम पहुंचें। सुरक्षा जांच को देखते हुए देर से आने वाले दर्शकों को असुविधा हो सकती है।

शेष पेज 11 पर

बिरसा मुंडा स्टेडियम में सख्त सुरक्षा व्यवस्था

टूर्नामेंट के दौरान सुरक्षा को लेकर कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। दर्शकों को हथियार, पटाखे, बड़े बैग, बाहरी खाद्य सामग्री, शराब, तंबाकू उत्पाद, ड्रोन, पेशेवर कैमरे, लैपटॉप, बड़े पावर बैंक, हेलमेट, मेगाफोन, एयर हॉर्न, बड़े झंडे, लेजर पॉइंटर और एरोसोल स्प्रे जैसी वस्तुएं लाने की अनुमति नहीं होगी।

कांग्रेस विधायकों ने चुनाव आयोग को सौंपा ज्ञापन

एसआईआर में 15 दिन अतिरिक्त समय की मांग

- कांग्रेस का दावा- 1.13 करोड़ फॉर्म अब भी लंबित, लाखों पात्र मतदाता प्रक्रिया से बाहर होने की आशंका

नवीन मेल संवाददाता

जल्दबाजी से बढ़ सकती हैं डेटा त्रुटियां

कि अंतिम समय में जल्दबाजी करने से डेटा में त्रुटियां बढ़ सकती हैं। पहले से डिजिटाइज किए गए फॉर्म में भी कई कमियां सामने आई हैं। अतिरिक्त समय मिलने से बूथ स्तर के अधिकारियों को गलतियों को सुधारने और प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी तरीके से पूरा करने का अवसर मिलेगा।

रांची। झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू और कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने राज्य में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के तहत गणना फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 15 दिनों तक बढ़ाने की मांग की है। इस संबंध में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के माध्यम से चुनाव आयोग को एक आधिकारिक ज्ञापन सौंपा है।

कांग्रेस विधायकों ने कहा कि मतदाताओं, बूथ स्तर के एजेंटों, जनप्रतिनिधियों और फील्ड कर्मियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कई व्यावहारिक और व्यवस्थागत समस्याओं के कारण बड़ी संख्या में पात्र मतदाता अब तक गणना फॉर्म जमा नहीं कर पाए हैं।

ज्ञापन में कहा गया है कि झारखंड में कुल 2.64 करोड़ मतदाताओं में से अब तक केवल 82.08 प्रतिशत मतदाताओं की पैरेंटल मैपिंग हो पाई है।

करीब 47.41 लाख मतदाता अभी भी बिना मैपिंग के हैं, जिनमें अधिकांश अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या डुप्लीकेट (एएसडीडी) श्रेणी में शामिल हैं। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ दूरदराज इलाकों में भी कई मतदाता पलायन, रोजगार, बीमारी और अन्य कारणों से इस प्रक्रिया से वंचित रह गए हैं। पार्टी के अनुसार, 17 जुलाई 2026 तक राज्य में करीब 1.51 करोड़ गणना फॉर्म ही डिजिटाइज हो सके हैं, जबकि लगभग 1.13 करोड़ फॉर्म अब भी लंबित हैं। पांच विधानसभा क्षेत्रों में ही 14.39 लाख से अधिक फॉर्म का डिजिटाइजेशन बाकी है।

प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस प्रभारी के. राजू, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, मंत्री राधाकृष्ण किशोर, दीपिका पांडेय सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की, विधायक डॉ रामेश्वर उरांव, राजेश कच्छप, नमन विक्सल कोंगाड़ी, भूषण बाड़ा, महासचिव सूर्यकांत शुक्ला और लाल किशोर नाथ शाहदेव सहित अन्य नेता शामिल थे।

प्रसूता की मौत पर न्याय मांगने वाले भाजपा नेताओं का हो रहा दमन : प्रतुल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने प्रदेश मुख्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा

कि एक प्रसूता की कथित लापरवाही से हुई मौत के खिलाफ आवाज उठाने वाले भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने के लिए झारखंड सरकार पुलिस का घोर दुरुपयोग कर रही है। सरकार ने लोकतांत्रिक विरोध का जवाब देने के बजाय जामताड़ा भाजपा के जिला अध्यक्ष सुमित शरण एवं अन्य नेताओं के यहां घर पर पुलिस को भेज कर उनके परिजनों के साथ दुर्दांत अपराधी की तरह सलूक किया ।उन्होंने कहा कि जिस सरकार को रीना देवी नामक प्रसूता की मौत के मामले में जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए थी, वह न्याय की मांग करने वालों पर ही कार्रवाई करने में जुटी है।

भाजपा कानून से ऊपर नहीं, जांच पर भरोसा करे: ऋषीकेश सिंह

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश सचिव एवं प्रदेश प्रवक्ता ऋषीकेश सिंह ने भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव के बयान को तथ्यों से परे,

भ्रामक और राजनीतिक सहानुभूति बटोरने का प्रयास बताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा हर उस कार्रवाई को लोकतंत्र पर हमला बताने लगती है, जो कानून के दायरे में होती है। ऋषीकेश सिंह ने कहा कि यदि किसी कार्रवाई में विधिक प्रक्रिया का उल्लंघन हुआ है तो उसके लिए न्यायालय और सक्षम संस्थाएं मौजूद हैं। जांच पूरी होने से पहले पुलिस, प्रशासन और सरकार पर मनगढ़ंत आरोप लगाकर माहौल बिगाड़ना भाजपा की पुरानी राजनीतिक संस्कृति रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा को कानून पर नहीं, बल्कि राजनीतिक शोर मचाने पर अधिक भरोसा है। उन्होंने कहा कि भाजपा बार-बार फर्जी मुकदमों की बात करती है।

कल भाजपा युवा मोर्चा करेगा जेपीएससी कार्यालय का घेराव

- प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने युवाओं से बड़ी संख्या में आंदोलन में शामिल होने की अपील की

नवीन मेल संवाददाता

रांची। 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) में कथित

अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने झारखंड सरकार और झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के खिलाफ आंदोलन का ऐलान किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने घोषणा की कि भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेतृत्व में 22 जुलाई को सुबह 10 बजे जयपाल सिंह स्टेडियम (कचहरी के समीप), रांची में विशाल युवा एकत्रीकरण आयोजित किया जाएगा। इसके बाद हजारों कार्यकर्ता जेपीएससी कार्यालय का घेराव करेंगे। आदित्य साहू ने राज्य के युवाओं, प्रतियोगी परीक्षा अभ्यर्थियों और जागरूक नागरिकों से आंदोलन में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि यह लड़ाई केवल एक परीक्षा की नहीं, बल्कि झारखंड के युवाओं के भविष्य, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और न्याय की है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा के परिणाम जारी होने के बाद अभ्यर्थियों के बीच गंभीर सवाल उठे हैं। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को उपलब्ध कराई गई मार्कशीट पर संबंधित अधिकारियों के हस्ताक्षर नहीं हैं, जिससे परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता पर संदेह पैदा होता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सूचना के अधिकार के तहत ओएमआर उत्तर पुस्तिकाओं की प्रतियां मांगने के बावजूद अभ्यर्थियों को उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। साथ ही आयोग की वेबसाइट पर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं और परीक्षा परिणाम पर आयोग के सदस्यों के हस्ताक्षर भी नहीं हैं। भाजपा का आरोप है कि इससे पूरी प्रक्रिया संदेह के घेरे में आ गई है। आदित्य साहू ने कहा कि लाखों युवाओं ने वर्षों की मेहनत और तैयारी के बाद परीक्षा दी, लेकिन सरकार उनकी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार युवाओं के अधिकारों की रक्षा करने में विफल रही है और परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने में असफल साबित हुई है।

वन विभाग के अधिकारियों ने सीएम से की मुलाकात

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से झारखंड मंत्रालय में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के वरीय अधिकारियों ने मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने वन आधारित उत्पाद से बनी सामग्रियां भेंट की।

झारखंड में बोर्ड-निगम और 20 सूत्री समितियों में नियुक्ति प्रक्रिया शुरू

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने झारखंड में कांग्रेस कोटे के तहत विभिन्न राज्य बोर्डों, निगमों तथा 20 सूत्री कार्यक्रम समितियों में रिक्त पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस संबंध में झारखंड कांग्रेस के प्रभारी ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश को पत्र भेजकर नियुक्तियों के लिए एक समर्पित चयन समिति का तत्काल गठन करने का निर्देश दिया है। जारी निर्देश के अनुसार, चयन समिति के संयोजक झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश होंगे। समिति में कांग्रेस विधायक दल के नेता, विधायक दल के उपनेता, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सभी पूर्व अध्यक्ष तथा सभी पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष सदस्य के रूप में शामिल रहेंगे। कांग्रेस प्रभारी ने चयन समिति को नियुक्तियों के लिए स्पष्ट मानदंड और दिशा-निर्देश तैयार करने का दायित्व सौंपा है। समिति से कहा गया है कि नामों की अनुशंसा करते समय कांग्रेस पार्टी के प्रति लंबे समय से समर्पित सेवा, संगठनात्मक जिम्मेदारियों के निर्वहन और कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता को प्राथमिकता दी जाए।

दृष्टिपात

विजय नायक ने के. राजू से की मुलाकात अनुसूचित जाति आयोग के गठन की मांग

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने कांग्रेस कमेटी के प्रभारी के. राजू को स्टेट गेस्ट हाउस में अनुसूचित जाति आयोग के गठन करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि संविधान के अनुच्छेद 338 की भावना के अनुरूप झारखंड में अनुसूचित जाति आयोग का गठन किया जाए, ताकि अनुसूचित जाति समुदाय के संवैधानिक अधिकारों की प्रभावी रक्षा सुनिश्चित हो सके। नायक ने कहा कि आज भी एससी समुदाय के लोग सामाजिक भेदभाव, अत्याचार, शोषण और विकास की मुख्यधारा से जुड़े अनेक गंभीर मुद्दों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि आयोग को अनुसूचित जातियों के संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों की रक्षा, अत्याचारों की जांच, आरक्षण नीति एवं कल्याणकारी योजनाओं की निगरानी, सामाजिक-आर्थिक एवं शैक्षणिक उत्थान के लिए ठोस अनुशंसाएं करने और राज्य सरकार को समय-समय पर आवश्यक सलाह देने की व्यापक शक्तियां प्रदान की जाएं।

डॉ सूरज मंडल ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन सूचना आयुक्तों की नियुक्ति रद्द करने की मांग

रांची। अखिल भारतीय संपूर्ण क्रांति राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ सूरज मंडल ने हाल में हुई झारखंड सूचना आयुक्तों की नियुक्ति को रद्द करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि नियुक्ति प्रक्रिया में निर्धारित नियमों और योग्यताओं का पालन नहीं किया गया तथा आदिवासी, मूलवासी और पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया। डॉ सूरज मंडल और झारखंड मजदूर मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुबोध कुमार लकड़ा ने सोमवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मांग की कि भविष्य में होने वाली ऐसी नियुक्तियों में ओबीसी समेत सभी वर्गों को उनकी आबादी के अनुरूप प्रतिनिधित्व दिया जाए। डॉ मंडल ने कहा कि झारखंड गठन के बाद से ओबीसी वर्ग की उपेक्षा होती रही है। उन्होंने ओबीसी आरक्षण को 27 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत किए जाने का भी मुद्दा उठाया।

विकास कार्य के कारण कई ट्रेनें प्रभावित, दो पैसेंजर ट्रेनें रद्द

रांची। रांची रेल मंडल के अंतर्गत किता-सिल्ली रेलखंड पर विकास कार्य के लिए ब्लॉक लिया जाएगा। इसके कारण 21 जुलाई को कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रभावित ट्रेनों की जानकारी जारी की है। रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 13503/13504 बर्द्धमान-हटिया-बर्द्धमान मेमू एक्सप्रेस का 21 जुलाई 2026 से गोमो स्टेशन पर आंशिक समापन और प्रारंभ होगा। इस दौरान गोमो-हटिया-गोमो के बीच इस ट्रेन का परिचालन रद्द रहेगा। इसी तरह ट्रेन संख्या 18035/18036 खड़गपुर-हटिया-खड़गपुर एक्सप्रेस का परिचालन भी प्रभावित रहेगा। यह ट्रेन 21 जुलाई 2026 को आद्रा स्टेशन पर आंशिक रूप से समाप्त होगी और वहीं से प्रारंभ होगी। आद्रा-हटिया-आद्रा के बीच ट्रेन का परिचालन रद्द रहेगा। वहीं 63598/63597 आसनसोल-रांची-आसनसोल मेमू पैसेंजर का आंशिक समापन और प्रारंभ मूरी स्टेशन से किया जाएगा। इस ट्रेन का मूरी-रांची-मूरी के बीच परिचालन 21 जुलाई को रद्द रहेगा।

जेएसएससी परीक्षा को लेकर थी रेलवे की विशेष तैयारी

रांची। जेएसएससी परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों और यात्रियों की सुविधा को देखते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल ने विशेष इंतजाम किए। परीक्षा के दौरान संभावित अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मंडल की ओर से विभिन्न मार्गों पर परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया गया, जिससे हजारों परीक्षार्थियों को सुरक्षित और सुगम यात्रा की सुविधा मिली।

19 जुलाई 2026 को रांची मंडल द्वारा तीन परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया। इनमें रांची-पटना परीक्षा स्पेशल से करीब 400 यात्रियों ने, रांची-गढ़वा रोड परीक्षा स्पेशल से लगभग 1260 यात्रियों ने और रांची-दुमका परीक्षा स्पेशल से करीब 825 यात्रियों ने यात्रा की। रेलवे के अनुसार, रांची-गढ़वा रोड परीक्षा स्पेशल में यात्रियों की ऑक्यूपेंसी करीब 105 प्रतिशत और रांची-दुमका परीक्षा स्पेशल में लगभग 103 प्रतिशत दर्ज की गई। इससे स्पष्ट हुआ कि परीक्षा स्पेशल ट्रेनों की व्यवस्था अभ्यर्थियों और यात्रियों के लिए काफी उपयोगी साबित हुई।

वैश्विक तनाव से पेट्रोलियम बाजार पर असर की आशंका

एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा करेगा चैंबर

- झारखंड चैंबर की बैठक में पीएनजी विस्तार और एलपीजी उपभोक्ताओं की समस्याओं पर हुई चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के पेट्रोलियम एवं एक्सप्लोसिव उप समिति की बैठक चैंबर भवन में आयोजित की गई। बैठक में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के वैश्विक ऊर्जा बाजार पर संभावित प्रभावों तथा भारत में पेट्रोलियम उत्पादों, एलपीजी और प्राकृतिक गैस की उपलब्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था पर चर्चा की गई।

बैठक में सदस्यों ने आशंका जताई कि यदि अंतरराष्ट्रीय तनाव लंबे समय तक जारी रहता है तो कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता बढ़ सकती है। इसका सीधा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर पड़ सकता है।

इससे पेट्रोलियम उत्पादों की लागत, परिवहन खर्च और आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना व्यक्त की गई। बैठक में एलपीजी उपभोक्ताओं की समस्याओं को भी उठाया गया। सदस्यों ने बताया कि दूसरी बार एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग के लिए 25 दिनों की अनिवार्य अवधि पूरी होने के बाद भी डीएसी नंबर जारी होने में करीब 15 दिन का अतिरिक्त समय लग जाता है। इस कारण उपभोक्ताओं को लगभग 40 दिनों तक इंतजार करना पड़ता है। चैंबर ने जिला प्रशासन से इस व्यवस्था की समीक्षा करने की मांग की। बैठक में कहा गया कि वर्तमान में झारखंड में पेट्रोलियम उत्पादों, एलपीजी और प्राकृतिक गैस की उपलब्धता सामान्य है। हालांकि, वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए लगातार निगरानी बनाए रखना जरूरी है, ताकि भविष्य में किसी भी चुनौती का समय पर समाधान किया जा सके।

पारिवारिक विवाद में देवर और ननद को अग्रिम जमानत

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने गिरिडीह के सरिया थाना कांड संख्या 44/2026 में नामजद महिला के देवर और ननद को अग्रिम जमानत दे दी। जस्टिस संजय द्विवेदी की अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा प्रतीत होता है। अदालत को बताया गया कि आंगन में चहारदीवारी निर्माण के दौरान दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि महिला की मर्यादा भंग करने का आरोप निराधार है और चिकित्सीय जांच में लगी चोटें भी साधारण पाई गई हैं। राज्य की ओर से जमानत का विरोध किया गया। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद हाईकोर्ट ने मामले की परिस्थितियों और चोटों की प्रकृति को देखते हुए याचिकाकर्ताओं को राहत दी। अदालत ने निर्देश दिया कि दोनों आरोपी दो सप्ताह के भीतर निचली अदालत में आत्मसमर्पण करें।

एसआईआर पर कांग्रेस पूरी तरह सतर्क

किसी पात्र मतदाता का नाम नहीं हटने देंगे : के. राजू

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के स्थायी आमंत्रित सदस्य एवं झारखंड प्रभारी के. राजू ने कहा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस पूरी तरह गंभीर है और किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से बिना उचित कारण हटने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अन्य राज्यों की तरह झारखंड में भी मतदाता सूची से नाम हटाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन कांग्रेस का हर कार्यकर्ता इस प्रक्रिया पर नजर बनाए हुए है।सोमवार को मोरहाबादी स्थित राजकीय अतिथिशाला में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया एवं सोशल मीडिया विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए के. राजू ने कहा कि कांग्रेस पिछले कई महीनों से एसआईआर अभियान पर लगातार काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि झारखंड में कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसने 21 हजार से अधिक बूथ लेवल एजेंट नियुक्त किए हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास लोकतंत्र को मजबूत करने का रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने ही मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की थी।

जामताड़ा घटना पर भाजपा की बयानबाजी हताशा का परिणाम: लाल किशोर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा के प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव के बयानों को सिरे से खारिज करते

हुए इसे भाजपा की हताशा और अनर्गल बयानबाजी करार दिया है। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि राज्य सरकार में कानून का राज है, और कानून से ऊपर कोई नहीं है चाहे वह कोई आम नागरिक हो या किसी राजनीतिक दल का नेता। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि जामताड़ा में हुई घटना बेहद संवेदनशील थी। एक प्रसूता की मौत अत्यंत दुखद है और सरकार उसके प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। लेकिन इस दुखद घटना की आड़ लेकर भाजपा के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अस्पताल परिसर में जमकर तांडव मचाया, तोड़फोड़ की और वहां मौजूद डॉक्टरों तथा स्वास्थ्यकर्मियों के साथ बदसलूकी की। अस्पताल जैसी जगह पर अराजकता फैलाना, इलाज व्यवस्था को बाधित करना और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना कोई लोकतांत्रिक विरोध नहीं है, बल्कि यह सीधे-सीधे कानून का उल्लंघन है। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि जामताड़ा पुलिस किसी के इशारे पर नहीं, बल्कि कानून के दायरे में रहकर कार्रवाई कर रही है। जिन लोगों ने अस्पताल में उपद्रव मचाया है, पुलिस उनके खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई कर रही है। इसे दमन या तानाशाही का नाम देना भाजपा की पुरानी आदत है।लेकिन डीजीपी और प्रशासनिक अधिकारियों पर अनर्गल टिप्पणी करके भाजपा अपनी संवैधानिक मर्यादा भूल रही है। राज्य के अधिकारी निष्पक्षता से अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा नेताओं को नसीहत देते हुए कहा कि भाजपा को हर संवेदनशील और दुखद घटना पर राजनीति की रोटी सेकने की आदत छोड़ देनी चाहिए।

कार्यक्रम | नाबार्ड के 45वें स्थापना दिवस समारोह में बोले चैंबर अध्यक्ष

झारखंड के जीआई उत्पादों को बाजार दिलाएग चैंबर

नवीन मेल संवाददाता

उत्पादों का व्यापक उपयोग हो रहा

उन्होंने बांस आधारित उद्योगों की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि वियतनाम में बांस से बने फैब्रिक और अन्य उत्पादों का व्यापक उपयोग हो रहा है। झारखंड में भी बांस आधारित उद्योगों के विकास की अपार संभावनाएं हैं, जिससे स्थानीय कारीगरों और उद्योगों को आर्थिक लाभ मिल सकता है। कार्यक्रम में झारक्राफ्ट की प्रबंध निदेशक गरिमा सिंह, भारतीय रिजर्व बैंक की क्षेत्रीय निदेशक रक्षा मिश्रा, नाबार्ड झारखंड की मुख्य महाप्रबंधक दीपमाला घोष, एसएलबीसी के महाप्रबंधक गुरु

रांची। नाबार्ड के 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर झारखंड के जीआई उत्पादों को बढ़ावा देने को लेकर आयोजित कार्यक्रम में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने नाबार्ड को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए ग्रामीण विकास, स्वयं सहायता समूहों, किसान उत्पादक संगठनों और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने में संस्था की भूमिका की सराहना की।

आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि झारखंड की पहचान केवल खनिज संपदा तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां की समृद्ध संस्कृति, पारंपरिक शिल्प और जनजातीय विरासत भी इसकी बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि भागलपुरी साड़ी एवं फैब्रिक्स, कुचाई सिल्क, केसरिया कलाकंद, डोकरा शिल्प, जनजातीय आभूषण और बांस शिल्प सहित राज्य के 11 उत्पादों को जीआई टैग मिलना गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि झारखंड चैंबर राज्य के जीआई उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने के लिए हरसंभव सहयोग करेगा। इसके लिए उत्पादों की बेहतर पैकेजिंग, ब्रांडिंग और प्रभावी मार्केटिंग पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

चैंबर अध्यक्ष ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म और ई-कॉमर्स के माध्यम से स्थानीय कारीगरों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ा जा सकता है, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। उन्होंने नाबार्ड, झारक्राफ्ट और उद्योग विभाग को बाजार उपलब्ध कराने, ग्रामीण उद्यमियों को मार्गदर्शन देने और जीआई उत्पादों को कॉरपोरेट गिफ्टिंग एवं रिटेल बाजार में बढ़ावा देने में सहयोग का भरोसा दिलाया।

दृष्टिपात

रक्तदान और रक्त विकारों के मुद्दे पर कांग्रेस प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

रांची। "लहू बोलेगा" रक्तदान संगठन, रांची एवं झारखंड थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया, हीमोफीलिया और अप्लास्टिक एनीमिया पीड़ित एसोसिएशन के छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू को तीन सूत्री ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने रक्तदान व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा रक्त विकारों से पीड़ित मरीजों की समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। ज्ञापन में बताया गया कि 9 दिसंबर 2025 को झारखंड विधानसभा में रक्तदान व्यवस्था और रक्त विकारों से जुड़े मुद्दों पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने एक माह के भीतर समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन आठ माह बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ज्ञापन पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने कहा कि यह मामला उनके संज्ञान में है। इस अवसर पर कांग्रेस के मीडिया संयोजक राकेश सिन्हा, प्रमुख प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ. एम. तौसीफ सहित संगठन के प्रतिनिधि एवं रक्तदाता उपस्थित थे।

कलकत्ता पब्लिक स्कूल में कैरियर फेयर आयोजित

रांची। ओरमांझी स्थित कलकत्ता पब्लिक स्कूल के सभागार में एक वृहद कैरियर फेयर आयोजित की गई, जिसमें स्कूल के 11वीं व 12 वीं कक्षा के 200 से अधिक संख्या में छात्र सम्मिलित हुए। कैरियर फेयर में सम्मिलित सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय, कलिंगा यूनिवर्सिटी, अलायंस यूनिवर्सिटी, पिम्परी चिंचवाड यूनिवर्सिटी पूणे, एसआरएम अपोलो, एमआईटी-डब्ल्यूपीयू सहित अन्यान्य संस्थानों के कैरियर काउन्सिलर ने 12 वीं वर्ग के बाद विभिन्न संवर्गो के विभिन्न पाठ्यक्रम के संबंध में बच्चों को जानकारी दी गई। विज्ञान, मानविकी, वाणिज्य तीनों संकाय के छात्रों के लिए हजारों कैरियर विकल्प हैं जिनमें फैशन टैक्नोलोजी, डिजायनिंग, इंटीरियर-डिजाइनिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स, क्लैट, एमबीए, बीबीए विभिनन प्रकार के अभियंत्रण, चिकित्सा, सी०ए०, सी०एस०, कम्प्यूअर; गेमिंग इंडस्ट्री, हॉस्पिटल मैनेजमेंट, सहित विभिन्न कोर्स के संबंध में विस्तारपूर्वक समझाया गया।

संवाददाता के रूप में बनाइए शानदार करियर

1994 से डाल्टनगंज और 1999 से रांची से लगातार प्रकाशित दैनिक राष्ट्रीय नवीन मेल को दोनों संस्करणों के लिए मुख्यालय जिला और प्रखंड स्तर पर समाचारों की समझ रखने वाले जुझारू पत्रकारों और ट्रेनी युवा पत्रकारों की आवश्यकता है। पूर्ण विवरण, आधार कार्ड, अनुभव और फोटो के साथ इमेल करें। संपूर्ण पत्राचार पूर्णत: गोपनीय रहेगा। समय पर उचित सम्मानजनक पारिश्रमिक और विज्ञापनों के लिए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

प्रधान संपादक

hr.rnmail@gmail.com

आज कल

नीली बत्ती वाले वीआइपी

रांची। पीएम मोदी ने लाल पीली नीली बत्ती लगी गाड़ियों पर रोक लगा दी थी ताकि वीआइपी कल्चर पर रोक लग सके। झारखंड में फिर से कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पीली बत्ती के बजाय नीली बत्ती लगाने लगे हैं। आज रांची एयरपोर्ट पर दो तीन ऐसी ही गाड़ियां उत्सुकता के केंद्र में थी।

सद्‍गुरु कृपा अपना घर आश्रम को समर्पित किया गया सेवा वाहन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पुंदाग स्थित सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम (सत्य प्रेम सभागार) में निवासरत निराश्रितजनों की सेवा को और अधिक सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। आश्रम को मनीष कुमार साहु (निदेशक, बाबा एग्रो फूड लिमिटेड) के सौजन्य से प्रदत्त मारुति सुजुकी ईको सेवा वाहन का लोकार्पण एवं उद्घाटन संत शिरोमणि श्री श्री 108 स्वामी श्री सदानंद जी महाराज द्वारा श्रीफल फोड़कर एवं वैदिक मंगलकामनाओं के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर आश्रम परिसर में श्रद्धा, सेवा और भक्ति का अनुपम वातावरण देखने को मिला। संत शिरोमणि स्वामी सदानंद जी महाराज ने सेवा वाहन का शुभारंभ करते हुए कहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है। जो व्यक्ति समाज के निराश्रित, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए अपना तन, मन और धन समर्पित करता है, वह वास्तव में प्रभु की आराधना करता है। उन्होंने कहा कि यह सेवा वाहन आश्रम के सेवा कार्यों को नई गति प्रदान करेगा तथा जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुंचाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। गुरुदेव ने इस पुनीत सेवा कार्य के लिए मनीष कुमार साहु एवं उनकी धर्मपत्नी राखी साहु को विशेष आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सेवा भाव की सराहना की। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि इस अवसर पर-ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, विजय अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, निर्मल छावनिका, शिवभगवान अग्रवाल, पंकज पोद्दार, रंजीत गाड़ोदिया, मनीष साहू, सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

रांची में आज भारी बारिश की संभावना, येलो अलर्ट जारी

नवीन मेल संवाददाता

रांची का अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 23.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज

रांची। झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के पांच जिलों में मंगलवार को भारी बारिश की संभावना है। इसे देखते हुए भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची केंद्र ने येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार रांची, खूंटी, गुमला, लोहरदगा और सिमडेगा जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। इन जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने तथा वज्रपात की भी संभावना जताई गई है।

राज्य में मानसून की सक्रियता बढ़ने से वर्षा की कमी में लगातार सुधार हो रहा है। एक जून से 20 जुलाई तक झारखंड में सामान्य से 33 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। इससे एक दिन पहले यानी रविवार तक यह कमी 37 प्रतिशत थी। लगातार हो रही बारिश के कारण वर्षा घाटे में कमी आने लगी है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 139.2 मिलीमीटर वर्षा हजारीबाग स्थित डीवीसी क्षेत्र में दर्ज की गई। इसके अलावा कई अन्य जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश रिकॉर्ड की गई। तापमान की बात करें, तो पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य का सर्वाधिक तापमान पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में 34.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान 22.1 डिग्री सेल्सियस लातेहार में रिकॉर्ड किया गया। सोमवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से ही बादल छाए रहे। बीच-बीच में धूप निकलने के कारण लोगों को हल्की गर्मी और उमस का भी एहसास हुआ, हालांकि मौसम अपेक्षाकृत सुहावना बना रहा। सोमवार को रांची का अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 23.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 34.0 डिग्री और न्यूनतम 27.0 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 30.7 डिग्री और न्यूनतम 25.6 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 31.2 डिग्री और न्यूनतम 25.1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री और न्यूनतम 24.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले 24 घंटे के दौरान दक्षिणी और मध्य झारखंड के कई हिस्सों में मानसूनी गतिविधियां बनी रहेंगी।

डूरंड कप की तैयारी तेज, मोरहाबादी में सरकारी जमीन से हटाया अतिक्रमण

- पार्किंग स्थल विकसित करने के निर्देश
- आयोजन तक क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त रखने के दिए निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। डूरंड कप फुटबॉल प्रतियोगिता के सफल, स्वच्छ और सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर रांची नगर निगम ने सोमवार को मोराबादी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। होटल पार्क प्राइम से टीओपी, अंतु चौक होते हुए मोराबादी तक मुख्य सड़क किनारे सरकारी भूमि पर लंबे समय से किए गए अवैध कब्जों को हटाकर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

अभियान के दौरान अपर नगर आयुक्त स्वयं मौके पर मौजूद रहे और पूरी कार्रवाई का निरीक्षण किया। नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम ने अवैध होर्डिंग, विज्ञापन बोर्ड, ठेला-खोमचा तथा अन्य अस्थायी संरचनाओं को हटाया। इसके अलावा एक निजी अवैध कब्जे को भी हटाया गया। सरकारी भूमि पर बिछाई गई अवैध टाइल्स को तोड़ा गया और झाड़ियों की सफाई कर पूरे क्षेत्र को व्यवस्थित किया गया।

अपर नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण या अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निगरानी करने और दोबारा अतिक्रमण की कोशिश होने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

अपर नगर आयुक्त ने कहा कि डूरंड कप जैसे प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय सीमा के भीतर आवश्यक तैयारियां पूरी करें। उन्होंने कहा कि रांची नगर निगम शहर को स्वच्छ, सुरक्षित, सुव्यवस्थित और नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से ऐसे अभियान आगे भी जारी रखेगा। अभियान के दौरान सहायक नगर आयुक्त, नगर प्रबंधक तथा नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम के अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

डूरंड कप के लिए बनेगा अस्थाई पार्किंग स्थल

निगम ने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, मोराबादी में डूरंडकप के दौरान बड़ी संख्या में दर्शकों और खिलाड़ियों के आने की संभावना को देखते हुए अतिरिक्त पार्किंग स्थलों का चयन किया जा रहा है। इसी क्रम में होटल पार्क प्राइम से वेंडिंग जोन-2 मोड़ तक अतिक्रमण मुक्त कराई गई सरकारी भूमि को अस्थायी पार्किंग स्थल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं।

पेड़ों की छंटाई समय पर होगी

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि डूरंड कप के आयोजन तक पूरे मोराबादी क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त रखा जाए। साथ ही सड़क किनारे लगे पेड़ों की समय पर छंटाई और शाखाओं की कटाई सुनिश्चित की जाए, ताकि यातायात, प्रकाश व्यवस्था और खिलाड़ियों एवं दर्शकों की आवाजाही में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

हरमू चौक के पास अवैध होर्डिंग्स और अस्थायी निर्माण हटाए गए

- दोबारा कब्जा करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

फुटपाथ और सरकारी भूमि को कराया गया अतिक्रमण मुक्त

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने और यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के उद्देश्य से रांची नगर निगम ने सोमवार को हरमू चौक के समीप विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान के दौरान निगम की इंफोर्समेंट टीम ने फुटपाथ पर अवैध रूप से लगाए गए पांच होर्डिंग्स को हटाया और सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त कराया।

नगर निगम की टीम ने सड़क, फुटपाथ और सरकारी भूमि पर किए गए अवैध अस्थायी निर्माण, दुकानें तथा ढाबों को भी हटाया। अधिकारियों ने कहा कि इन अतिक्रमणों के कारण आम लोगों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी, जिसे अभियान चलाकर दूर किया गया।

अभियान के दौरान संबंधित लोगों को भविष्य में दोबारा अतिक्रमण नहीं करने की सख्त चेतावनी दी गई। नगर निगम ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक भूमि, सड़क और फुटपाथ पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या निर्माण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि दोबारा अतिक्रमण किया गया तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रांची नगर निगम ने शहरवासियों से सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। निगम ने कहा कि सड़क, फुटपाथ और सरकारी भूमि पर अतिक्रमण नहीं होने से यातायात सुगम रहेगा, पैदल चलने वालों को सुरक्षित आवागमन मिलेगा और शहर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने में मदद मिलेगी। नगर निगम ने यह भी कहा कि शहर में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

27वां सावन महोत्सव आज से, महिला उद्यमियों को मिलेगा कारोबार का बड़ा मंच

- 21 से 23 जुलाई तक महाराजा अग्रसेन भवन में लगेगा 3 दिवसीय मेला
- 100 स्टॉल पर देशभर के हस्तशिल्प, राखियां, परिधान और घरेलू उत्पाद होंगे उपलब्ध

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अग्रवाल सभा महिला समिति, रांची की ओर से आयोजित 27वें सावन महोत्सव का शुभारंभ 21 जुलाई से महाराजा अग्रसेन भवन में होगा। तीन दिवसीय यह महोत्सव 23 जुलाई तक चलेगा। महिला उद्यमियों को स्वरोजगार, विपणन और आत्मनिर्भरता का मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित इस मेले में इस वर्ष 100 स्टॉल लगाए जा रहे हैं, जिनका आवंटन पहले ही पूरा हो चुका है।

समिति ने बताया कि पिछले 26 वर्षों से लगातार आयोजित हो रहा यह महोत्सव महिलाओं को अपने हस्तनिर्मित उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री का अवसर उपलब्ध कराता है। इसके माध्यम से महिलाओं में उद्यमिता, प्रबंधन क्षमता, आत्मविश्वास और आर्थिक स्वावलंबन को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाता है।

महोत्सव में रांची, जमशेदपुर, धनबाद, कोलकाता, बनारस, जयपुर और दिल्ली सहित विभिन्न शहरों से महिला उद्यमी भाग लेंगी। यहां कोलकाता की डिजाइनर राखियां, बनारसी और जयपुरी परिधान, हस्तशिल्प, इमिटेशन ज्वेलरी, संगमरमर के सजावटी उत्पाद, किचन आइटम, बेडशीट, टेबल कवर, भगवान की पोशाक, बंदनवार, घरेलू खाद्य सामग्री, चॉकलेट, मफिन और सावन-रक्षाबंधन से जुड़ी आकर्षक वस्तुएं उपलब्ध रहेंगी।

आयोजकों के अनुसार, मेले का उद्देश्य केवल उत्पादों की बिक्री तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को एक-दूसरे से सीखने, नए व्यावसायिक संपर्क बनाने और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने का मंच भी उपलब्ध कराना है। महोत्सव से होने वाली बचत का उपयोग ग्रामीण महिलाओं के विकास एवं कल्याण संबंधी कार्यों में भी किया जाता है। महोत्सव का उद्घाटन 21 जुलाई को सुबह 11 बजे झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह करेंगी। मेला प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक खुला रहेगा। प्रवेश शुल्क 10 रुपये रखा गया है।

अग्रवाल सभा के अध्यक्ष मनोज चौधरी, मंत्री निर्मल बुधिया, महिला समिति की संयोजक रूपा अग्रवाल, अलका सारावगी, सावन महोत्सव की संयोजक अनुसूया नेवरटिया तथा सह-संयोजक मधु सार्राफ और रीना सुरेका ने शहरवासियों से महोत्सव में पहुंचकर महिला उद्यमियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की।

प्रतियोगिता

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में 'प्रतिध्वनि 4.0' का भव्य समापन

युवा प्रतिभाओं ने बिखेरा अपनी रचनात्मकता का रंग

- राष्ट्रीय अंतर-विद्यालयी कला महोत्सव में विजेताओं को ट्रॉफी, पदक और प्रमाण-पत्र देकर किया गया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय चौथे राष्ट्रीय अंतर-विद्यालयी अंतरविषयी कला महोत्सव 'प्रतिध्वनि 4.0' का समापन हुआ। देश के विभिन्न विद्यालयों से आए विद्यार्थियों ने साहित्य, प्रदर्शन कला, आलोचनात्मक चिंतन और रचनात्मक अभिव्यक्ति से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विद्यालय के नॉलेज रिसोर्स क्यूरेटर मुखर्जी पी. के मार्गदर्शन में आयोजित इस महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों को अंतर्विषयी शिक्षा, सहयोगात्मक अधिगम और रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए राष्ट्रीय स्तर का मंच उपलब्ध कराना था। तीन दिनों तक चले इस आयोजन में प्रतिभागियों ने न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि विभिन्न राज्यों से आए विद्यार्थियों के साथ विचारों का आदान-प्रदान कर नए अनुभव भी प्राप्त किए।

समापन समारोह में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित अतिथियों और दर्शकों का मन मोह लिया। इसके बाद विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों एवं विजेता टीमों को ट्रॉफी, पदक तथा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

विद्यालय की प्राचार्या मनीषा शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को उनकी उत्साहपूर्ण सहभागिता और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए कहा कि 'प्रतिध्वनि' केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि कल्पनाशीलता, संवाद, सहयोग और अंतर्विषयी शिक्षा का उत्सव है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच, रचनात्मक अभिव्यक्ति और एक-दूसरे से सीखने की भावना को मजबूत करते हैं। प्राचार्या ने सहभागी विद्यालयों, संसाधन विशेषज्ञों, निर्णायक मंडल, शिक्षकों, स्वयंसेवकों और आयोजन समिति के सदस्यों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि सभी के संयुक्त प्रयास से 'प्रतिध्वनि 4.0' का आयोजन सफल और यादगार बना। धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ। इस आयोजन के माध्यम से सरला बिरला पब्लिक स्कूल ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर विद्यार्थियों में रचनात्मकता, नवाचार, आलोचनात्मक चिंतन, सहयोगात्मक अधिगम और समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया।

बीएयू पशुपतिनाथ मंदिर में महाआरती

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के पशुपतिनाथ मंदिर में प्रत्येक सोमवार की भांति भगवान शिव की महाआरती श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुई। सायंकाल आयोजित इस विशेष आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' और 'ॐ नमः शिवाय' के जयघोष से भक्तिमय हो उठा। मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सुनील कुमार पांडेय ने मंत्रों और रुद्राष्टकम के वाचन के साथ अनुष्ठान संपन्न कराया। बीस जुलाई की महाआरती के लाभार्थी रूपलाल रविदास एवं परिवार ने भगवान शिव का दुग्धाभिषेक, जलाभिषेक कर और बेलपत्र एवं भोग अर्पित कर सुख-समृद्धि एवं विश्व कल्याण की प्रार्थना की। अनुष्ठान में उनके परिवार से सावित्री देवी, प्रवीण कुमार, प्रताप कुमार, प्रशांत कुमार, विशाल कुमार भी उपस्थित थे।महाआरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष डॉ एके श्रीवास्तव ने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आस्था, एकता और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा मिलता है। पूरे आयोजन में उत्साहपूर्ण भक्तिमय वातावरण बना रहा। इस अवसर पर डॉ एके चक्रवर्ती, डॉ अरविन्द कुमार सिंह, डॉ सुशील कुमार पांडेय, डॉ शैलेंद्र कुमार रजक, रीना गोस्वामी, अभिषेक रंजन, देव्यांश पाण्डेय, यशोहरि पाण्डेय, इन्द्रनाथ मुंडा सहित बहुत से श्रद्धालु उपस्थित थे।

लापुंग प्रखंड के शाहेदा गांव का स्कूल भवन जर्जर

टूटा हुआ छज्जा दुर्घटनाओं को कर रहा आमंत्रित : राजेन्द्र सिंह

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। लापुंग प्रखंड के देवगांव पंचायत अन्तर्गत राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय शाहेदा अपनी दुर्दशा के कारण बदहाली के कगार पर खड़ा हो गया है। 1954 ई में स्थापित विद्यालय तक पहुंचने का रास्ता 72 वर्षों के बाद भी नहीं बन पाया है। जबकि गांव शाहेदा से विद्यालय की दूरी केवल 500 मीटर बताई जा रही है। वहीं दूसरी ओर पहली कक्षा से आठवीं कक्षा तक चलने वाले मध्य विद्यालय मात्र दो कमरे में ही संचालित हो रहे हैं। इसके पूर्व पुराना भवन खंडहर हो गया है। विद्यालय में 81 बच्चे नामांकित हैं। प्रधानाध्यापक सहित दो सरकारी एवं दो सहायक अध्यापक विद्यालय में कार्यरत हैं। आठ अलग-अलग कक्षाओं का संचालन दो कमरों में कर पाना भी दुष्कर साबित हो रहा है। भवन की स्थिति में बदहाल हो गया है। भवन के छज्जे गिर रहे हैं और टपकती छत इसकी पहचान बन चुकी है। विद्यालय भवन का छत ही नहीं बल्कि फर्श भी टूटी फूटी हुई है। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सनातन स्वांसी, समाजसेवी राजेन्द्र सिंह, पूर्व पंचायत समिति सदस्य विश्वनाथ उरांव सहित गांव के ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय के नए भवन के निर्माण के साथ साथ वर्तमान भवन की मरम्मति की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गांव वालों के बार-बार कहने के बावजूद विभाग की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

ऑफिस गली से दिनदहाड़े एक ग्लैमर मोटरसाइकिल की चोरी, मामला दर्ज

ठाकुरगांव । ठाकुरगांव बाजारटांड स्थित पोस्ट ऑफिस गली से सोमवार को दिनदहाड़े एक ग्लैमर मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, चोरी हुई बाइक ग्लैमर जेएच01सीआर4592 प्रमोद साहू की है। प्रमोद साहू बाजार आए थे और पोस्ट ऑफिस गली के पास अपनी बाइक खड़ी की थी। जब वे वापस लौटे तो वहां से उनकी बाइक गायब मिली। काफी खोजबीन के बावजूद बाइक का कोई सुराग नहीं मिलने पर उन्होंने ठाकुरगांव थाना पहुंचकर अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित आवेदन दिया और वाहन की बरामदगी तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

बारिश से गिरा कच्चा मकान, विधवा हुई बेघर

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली पंचायत अंतर्गत बोदा गांव निवासी स्व. करम सिंह बारला उर्फ राणा की पत्नी सरियन बारला का कच्चा मकान रविवार रात बारिश के कारण भरभरा कर गिर गया। हादसे में सरियन बारला और उनकी तीन वर्षीय बेटी बेघर हो गई हैं। जानकारी के अनुसार पति की मृत्यु के बाद सरियन बारला किसी तरह अपनी छोटी बेटी के साथ जीवन-यापन कर रही थीं। रविवार को लगातार बारिश के कारण घर में पानी घुस गया था। सामान खराब न हो इसलिए उन्होंने घर का सामान निकालकर अपनी सास के घर में रख दिया था, देर रात अचानक पूरा मकान गिर गया। घटना के बाद सरियन बारला बच्ची के साथ अपनी सास के घर में शरण लिए हुए हैं। घटना की सूचना मिलने पर पंचायत की मुखिया लक्ष्मी कोया एवं मुखिया प्रतिनिधि पूर्व मुखिया सुनील कच्छप और पंचायत के विधायक प्रतिनिधि रशीद मीर ने प्रभावित परिवार के घर का दौरा कर नुकसान का जायजा लिया और प्रशासन से पीड़िता को शीघ्र मुआवजा और आवासीय सहायता दिलाने का आश्वासन दिया है।

दृष्टिपात

भाजपा बिजुपाड़ा मंडल का प्रवास कार्यक्रम संपन्न, गंगोत्री कुजूर ने लिया जायजा

चान्हो। भाजपा बिजुपाड़ा मंडल का मंडल प्रवास कार्यक्रम सोमवार को चान्हो प्रखंड के चामा, चोरेया, तरंगा और शक्ति गांवों में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दूसरे दिन मंडल अध्यक्ष हेमंत शाही एवं प्रभारी व पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर ने विशेष गहन पुनरीक्षण - SIR अभियान का जायजा लिया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को डिजिटल कार्य और SIR प्रक्रिया को लेकर विस्तृत प्रशिक्षण भी दिया गया। नेताओं ने बूथ स्तर पर मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा की और कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर पात्र मतदाताओं के फॉर्म भरवाने के निर्देश दिए। नेताओं ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य है कि एक भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और सभी का नाम मतदाता सूची में जुड़ जाए। कार्यकर्ताओं को डिजिटल माध्यमों के उपयोग और पार्टी के संगठनात्मक कार्यों को और मजबूत करने पर भी जोर दिया गया।

अभाविप की प्रदेश स्तरीय सदस्यता कार्यशाला संपन्न

रांची। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद - एबीवीपी, झारखंड प्रदेश द्वारा सोमवार को मांडर के ब्राम्बे स्थित जोहार भवन में प्रदेश स्तरीय सदस्यता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य आगामी सदस्यता अभियान को प्रभावी, सुव्यवस्थित और व्यापक बनाना था। कार्यशाला में सदस्यता अभियान की कार्ययोजना, संगठन की कार्यपद्धति, विद्यार्थियों तक पहुंच बढ़ाने की रणनीति और सदस्यता विस्तार के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं को प्रत्येक महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय तक अभियान पहुंचाने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद केवल छात्र संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ कार्य करने वाला विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। सदस्यता अभियान का लक्ष्य अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को संगठन से जोड़कर शिक्षा, समाज और राष्ट्रहित के विषयों में उनकी सकारात्मक भागीदारी सुनिश्चित करना है। कार्यशाला में प्रदेश एवं विभिन्न जिलों से आए सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आगामी सदस्यता अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।
कार्यक्रम के व्यवस्था समन्वयक उत्कर्ष तिवारी ने कहा कि मांडर में पहली बार प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम समाज के सभी दानदाताओं एवं शुभचिंतकों के सहयोग से संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद सदैव छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण के माध्यम से राष्ट्रपुनिर्माण के लिए कार्य करती रहेगी। कार्यशाला के अंत में सभी कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक जनसंपर्क कर अधिक से अधिक विद्यार्थियों को परिषद से जोड़ने का आह्वान किया गया।

नीरजा सहाय डीएवी के छात्र ने नीट 2026 में लहराया सफलता का परचम

पिठोरिया। नीरजा सहाय डीएवी पब्लिक स्कूल, कांके, रांची के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि विद्यालय के मेधावी छात्र शशांक शेखर सिंह ने नीट 2026 परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। शशांक ने इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक– 10182 तथा कैटेगरी रैंक– 4222 प्राप्त कर अपनी प्रतिभा, कठिन परिश्रम एवं लगन का उत्कृष्ट परिचय दिया है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि विद्यालय और समूचे रांची शहर को भी गौरवान्वित किया है।विद्यालय की प्राचार्या किरण यादव, समस्त शिक्षकगण एवं विद्यालय परिवार ने शशांक शेखर सिंह को इस शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं ।उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि उनके सतत परिश्रम, अनुशासन, दृढ़ संकल्प तथा शिक्षकों एवं अभिभावकों के मार्गदर्शन का प्रतिफल है। विद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि शशांक भविष्य में चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करते हुए समाज और राष्ट्र का गौरव बढ़ाएंगे। विद्यालय ने उनके उज्ज्वल एवं सफल भविष्य के लिए मंगलकामनाएं प्रेषित की हैं।

रेलवे भूमि पर कथित अतिक्रमण की शिकायत, कार्रवाई की मांग

मुरी। रेलवे की भूमि पर कथित अतिक्रमण और रेलवे मार्ग को अवरुद्ध किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में एक महिला ने रेलवे के ओसी (रेल थाना मुरी) को लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।आवेदन में चितरपुर पटेल नगर निवासी सुनीता देवी ने आरोप लगाया है कि 19 जुलाई को मोहम्मद रफीक (पिता– मोहम्मद गुलाम) द्वारा रेलवे भूमि पर कथित रूप से अतिक्रमण किया जा रहा है। शिकायत के अनुसार, उक्त व्यक्ति ने रेलवे के आवागमन मार्ग को जेसीबी से बंद कर दिया तथा विरोध करने पर गाली-गलौज और धमकी भी दी। पीड़िता ने रेलवे प्रशासन से मामले की जांच कर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने तथा रेलवे भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने की मांग की है।

पिठोरिया बिजली सब-स्टेशन डकैती कांड का फरार आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

पिठोरिया। पिठोरिया थाना क्षेत्र के कोल्हेया-कनादू स्थित बिजली सब-स्टेशन डकैती कांड के फरार आरोपी दिनेश लोहार (38 वर्ष) को पिठोरिया पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थाना प्रभारी सतीश कुमार पांडे ने बताया कि यह गिरफ्तारी पिठोरिया थाना कांड संख्या 27/26 के तहत 24 मार्च 2026 को दर्ज मामले में की गई। आरोपी मूल रूप से चकला अमवा ताड़, महुवा टोली, थाना चंदवा, जिला लातेहार का रहने वाला है, और डोरंडा के खुशबू टोली में रह रहा था। गुप्त सूचना और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने उसे पकड़ा। आरोपी पर (बीएनएस) की धारा 310 के तहत प्राथमिकी दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया। पुलिस ने बताया कि इस गिरफ्तारी से मामले की जांच को नई दिशा मिली है। डकैती कांड में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश के लिए छापेमारी जारी है।

हाई स्कूल दोलैचा में वित्तीय समावेशन शिविर का आयोजन

लापुंग। झारखंड ग्रामीण बैंक, ककरिया शाखा के तत्वावधान में स्थापना अनुमति प्राप्त हाई स्कूल दोलैचा में री-केवाईसी एवं वित्तीय समावेशन शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर शिविर के दौरान शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों के बीच बैंकिंग सेवाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। वित्तीय समावेशन के अंतर्गत नया बचत खाता खोलने, किसान क्रेडिट कार्ड हेतु नए आवेदन स्वीकार करने तथा विभिन्न बैंकिंग योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही पूर्व से खाताधारकों का री-केवाईसी) कार्य भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान शाखा प्रबंधक प्रिय नारायण झा ने कहा कि झारखंड ग्रामीण बैंक ककरिया शाखा सभी ग्राहकों खासकर स्कूली छात्र-छात्राओं और शिक्षक शिक्षिकाओं के लिए बैंकिंग सेवा प्रदान करने तथा उनकी आय बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर रहती है। वहीं वित्तीय समावेशन प्रबंधक अंचिता चाकी ने कहा कि झारखंड ग्रामीण बैंक की वित्तिय सेवाएं सभी ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। इस मौके पर आयोजित शिविर का उपस्थित सभी शिक्षकों, ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों ने लाभ उठाया और झारखंड ग्रामीण बैंक के प्रति विश्वास जताया। कार्यक्रम में झारखंड ग्रामीण बैंक, ककरिया शाखा के शाखा प्रबंधक प्रिय नारायण झा, क्षेत्रीय कार्यालय, रांची से पधारीं वित्तीय समावेशन प्रबंधक अंचिता चाकी, एफएलसी काउंसलर नूपुर तथा अन्य बैंक कर्मी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की पहुँच बढ़ाना, वित्तीय साक्षरता को प्रोत्साहित करना तथा अधिक से अधिक लोगों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ना था।

पिपरवार क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक में विकास पर मंथन

महाप्रबंधक ने दिए गुणवत्तापूर्ण कार्य निष्पादन करने के निर्देश

- **महाप्रबंधक ने कहा- सीसीएल कर्मचारियों और स्थानीय लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए भी प्रतिबद्ध है**

नवीन मेल संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के संगम विहार क्लब के सभाकक्ष में सोमवार को क्षेत्रीय सलाहकार समिति (आरएसी) की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक सुजीत कुमार ने की, जबकि संचालन एसओपी नागेश कुमार गोपाल एवं कार्मिक प्रबंधक रवि बाड़ा ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में क्षेत्र के विकास कार्यों, उत्पादन, सुरक्षा व्यवस्था, आधारभूत सुविधाओं, पर्यावरण संरक्षण तथा श्रमिकों एवं स्थानीय ग्रामीणों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक सुजीत कुमार ने कहा कि सीसीएल केवल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि कर्मचारियों और स्थानीय लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि क्षेत्र में संचालित सभी विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने सड़क, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं से संबंधित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया, ताकि कर्मचारियों एवं क्षेत्रवासियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। महाप्रबंधक ने परियोजनाओं में सुरक्षा मानकों के कड़ाई से अनुपालन की आवश्यकता बताते हुए कहा कि खनन कार्यों के दौरान सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक के दौरान श्रमिक प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं, कार्यस्थल की सुविधाओं, आवासीय क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति, सड़क मरम्मत, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, बिजली व्यवस्था तथा अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रबंधन के समक्ष रखा। प्रतिनिधियों ने क्षेत्र के समग्र विकास और कर्मचारियों के हितों को प्राथमिकता देने की मांग की। प्रबंधन ने सभी सुझावों और मांगों पर सकारात्मक पहल करने तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का भरोसा दिया। बैठक में अशोका वेस्ट परियोजना पदाधिकारी विमल कुमार, सीएचपी परियोजना पदाधिकारी पी.के. सिंह, बचरा परियोजना पदाधिकारी पंकज कुमार चौधरी, अशोका प्रबंधक दिलीप कुमार आनंद, अरुण महतो, ज्योति कुशवाहा, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. सयान मैती सहित कई विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। वहीं श्रमिक प्रतिनिधियों में रविन्द्रनाथ सिंह, भीम सिंह यादव, अतुल अंजन सहित अन्य प्रतिनिधियों ने भी भाग लेकर कर्मचारियों एवं क्षेत्रीय विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

करकट्टा गांव में आषाढ़ी पूजा कर अच्छी बारिश व फसल की कामना

नवीन मेल संवाददाता

खलारी। प्रकृति, कृषि और लोक आस्था के अद्भुत संगम का प्रतीक आषाढ़ी पूजा सोमवार को खलारी प्रखंड के करकट्टा गांव में पारंपरिक जनजातीय एवं सदान रीति-रिवाजों के साथ श्रद्धा और उत्साहपूर्वक संपन्न हुई। ग्रामीणों ने ग्राम देवी एवं प्राकृतिक शक्तियों की आराधना कर समय पर अच्छी मानसूनी वर्षा, धान की भरपूर पैदावार तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। परंपरा के अनुसार इस पूजा के बाद ही गांव में धान के बिचड़े बोने और मौसम के नए फलों के सेवन की शुरुआत की जाएगी। करकट्टा देवी मंडप में आयोजित पूजा समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में खलारी डीएसपी रामनारायण चौधरी, अंचल अधिकारी प्रणव अंबष्ट, थाना प्रभारी, मैकलुस्कीगंज धनंजय बैठा तथा जिप सदस्य सरस्वती देवी उपस्थित थी। गांव के पुजारी गणेश पाहन ने पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई। इस दौरान ग्राम देवताओं एवं प्राकृतिक शक्तियों का जलाभिषेक किया गया तथा परंपरा के अनुसार बकरे की बलि अर्पित कर अच्छी फसल की प्रार्थना की गई। ग्रामीणों ने बताया कि आषाढ़ी पूजा का ग्रामीण जीवन में विशेष महत्व है। यह पर्व कृषि कार्यों की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इस अनुष्ठान के बाद ही धान की खेती का कार्य प्रारंभ किया जाता है और मौसम के पहले नए फलों का सेवन भी इसी पूजा के उपरांत किया जाता है। पूजा के बाद ग्रामीणों ने एक-दूसरे को आषाढ़ी पर्व की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में गणेश पाहन, अनिल पासवान, चितरंजन सिंह, किशुन मुंडा, हरिप्रसाद गुप्ता, प्रमोद सिंह, अवधप्रसाद गुप्ता, महेंद्र चौहान, राजकुमार गंझू, छोटू राम, शंभू दास, शिवानी यादव, चंदा देवी, प्रीतम साहू, रत्न राम, अनिल गंझू, निखिल चौहान, सतेंद्र खरवार, गुड्डू सिंह, प्रेम केशरी सहित मंदिर समिति के सदस्य व ग्रामीण उपस्थित थे।

अवैध कोयला बरामदगी मामला न्यायालय पहुंचा

खलारी। खलारी के करकट्टा जंगल क्षेत्र में अवैध कोयला खनन और बरामदगी से जुड़े मामले में कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाते हुए रांची न्यायालय में परिवाद दर्ज कराया गया है। सीआईएसएफ इकाई सीसीएल एनके एवं पिपरवार द्वारा चलाए गए बड़े अवैध कोयला विरोधी अभियान के बाद यह मामला अब न्यायालय पहुंच गया है। सीआईएसएफ द्वारा जारी प्रेस विज्ञपित में बताया गया कि 20 जुलाई 2026 को रांची न्यायालय में 'केंद्र बनाम अज्ञात' शीर्षक से परिवाद दायर किया गया। मामला केस संख्या 0055400/2026 के रूप में पंजीकृत हुआ है। इसकी सुनवाई के लिए प्रकरण को माननीय न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, रांची की अदालत को आवंटित किया गया है। उल्लेखनीय है कि सीआईएसएफ इकाई सीसीएल एनके एवं पिपरवार के कमांडेंट अमित कुमार के नेतृत्व में विश्वसनीय गुप्त सूचना के आधार पर करकट्टा जंगल क्षेत्र में व्यापक सर्च एवं काम्बिंग अभियान चलाया गया था। अभियान के दौरान अवैध कोयला खनन के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा करते हुए भारी मात्रा में अवैध कोयला बरामद किया।

विश्व भारती जनसेवा संस्थान का राजभवन के समक्ष अनिश्चितकालीन सत्याग्रह 9 अगस्त से

सिल्ली। विश्व भारती जनसेवा संस्थान के प्रमुख लोग,राष्ट्रीय अध्यक्ष जनार्दन मिश्रा राष्ट्रीय सचिव नागेंद्र कुमार कुशवाहा पिछले 1-2 साल से सहारा इंडिया में फंसे 13 करोड़ निवेशकों का 3 लाख करोड़ रुपया वापस दिलाने के लिए आंदोलन कर रहें हैं। पहले झारखंड के डीजीपी से बैठक की गई। डीजीपी ने सहारा की लीगल टीम को 15 दिन का अल्टीमेटम दिया था कि निवेशकों के 400 करोड़ रुपये 15 दिन में वापस करें, वरना गिरफ्तारी होगी।2 अप्रैल 2025 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन की बात कहे,चाहे सुप्रीम कोर्ट में याचिका डालने की और अब 9 अगस्त से रांची स्थित राजभवन के समक्ष अनिश्चितकालीन अनशन/सत्याग्रह करने की तैयारी में है। सहारा कार्यकर्त्ता मनोज कोईरी ने यह जानकारी देते हुए बताया की इस सत्याग्रह में अधिक से अधिक संख्या में सहारा निवेशकों को शामिल होने का अपील किया ताकि अनशन को मजबूती मिल सके।

पहाड़सिंह गांव में 25 केवीए ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन किया गया

सिल्ली। सोमवार के दिन सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के पंचायत बरवादाग के गांव पहाड़सिंह में 25 केवीए के बिजली ट्रांसफॉर्मर का सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो के द्वारा विधिवध पूजा अर्चना कर उद्घघाटन किया गया ।वहीं इस गांव के संतोष अहीर ने बताया कि पिछले कई दिनों से 25 केवीए का बिजली ट्रांसफॉर्मर खराब था जिससे बिजली उपभोक्ता एवं इस क्षेत्रों के लोगों को अंधेरे में रहना पड़ रहा था परंतु कार्तिक चन्द्र महतो के प्रयास से ट्रांसफॉर्मर मंगवाया गया ।अब गांव पहाड़सिंह के ग्रामीणों को बिजली मिल गयी है एवं अंधेरे से रोशनी मिल गई है ।इस मौके पर सिल्ली प्रखंड कांग्रेस महासचिव शमशेर आलम,सोशल मीडिया प्रखंड प्रभारी मोहताब अंसारी, सोनाराम मुंडा,शिवनाथ अहीर,ग्रामीण योगेंद्र अहीर,जितवाहन लोहरा,रूपेश अहीर,नितेश अहीर,देबू लोहरा,सुदर्शन लोहरा साथ ही बिजली मिस्त्री गंगाधर महतो,जयप्रकाश महतो,सुफल बेदिया इत्यादि ग्रामीण उपस्थित हुए।

कड़ी निगरानी

अवैध खनन व कोयला परिवहन के खिलाफ सीआईएसएफ ने की कार्रवाई, 11 टन कोयला जब्त

ड्रोन निगरानी से अवैध खनन पर शिकंजा

- **निरीक्षण के समय मौके पर कोई वाहन नहीं मिला, लेकिन भारी वाहनों के टायरों के ताजा निशान पाए गए**

नवीन मेल संवाददाता

पिपरवार। कोयला क्षेत्रों में अवैध खनन एवं कोयला परिवहन के खिलाफ सीआईएसएफ का अभियान लगातार तेज होता जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को सीआईएसएफ यूनिट सीसीएल एनके एवं पिपरवार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पिपरवार क्षेत्र से 11.580 टन कोयला बरामद किया। बरामद कोयले को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम (एमएमडीआर एक्ट) के तहत सीसीएल प्रबंधन को सौंप दिया गया। जानकारी के अनुसार, सोमवार प्रातः सीआईएसएफ की 'डी' कंपनी नियमित क्षेत्र निरीक्षण पर थी। इसी दौरान पिपरवार चेक पोस्ट से हॉपर जाने वाले मार्ग के समीप बड़ी मात्रा में लावारिस कोयला पड़ा मिला। यह स्थान अशोक परियोजना से राजधर रेलवे साइडिंग एवं सीएचपी जाने वाले परिवहन मार्ग के निकट स्थित है, जहां रात्रि के समय कभी-कभी कोयला परिवहन में लगे वाहनों का ठहराव होता है। निरीक्षण के समय मौके पर कोई वाहन नहीं मिला, लेकिन भारी वाहनों के टायरों के ताजा निशान पाए गए। इसके बाद सीआईएसएफ ने तत्काल कोल रेड अभियान चलाकर पूरे क्षेत्र को अपने कब्जे में लेते हुए वहां पड़े कोयले को जब्त कर लिया। बरामद कोयले का विधिवत वजन कराने पर उसका शुद्ध वजन 11.580 टन पाया गया। इसकी अनुमानित कीमत 11,174.70 रुपये आंकी गई है। आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद जब्त कोयले को एमएमडीआर अधिनियम के प्रावधानों के तहत सीसीएल प्रबंधन को सुपुर्द कर दिया गया। यह कार्रवाई उप समादेष्टा (डिप्टी कमांडेंट) दिनेश कुमार एवं सहायक समादेष्टा (असिस्टेंट कमांडेंट) हर्ष लवानिया के संयुक्त नेतृत्व में संपन्न हुई। अभियान में निरीक्षक एल.एस. मिंज, उप निरीक्षक अनिल कुमार राय, सहायक उप निरीक्षक किशन दास तथा 'डी' कंपनी के अन्य सीआईएसएफ जवानों ने सक्रिय भूमिका निभाई। सीआईएसएफ यूनिट सीसीएल एनके एवं पिपरवार के समादेष्टा अमित कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा एमएमडीआर अधिनियम के तहत सीआईएसएफ को दिए गए अधिकारों के बाद अवैध खनन एवं कोयला परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई और अधिक प्रभावी हुई है। उन्होंने बताया कि पूरे कोलफील्ड क्षेत्र की निगरानी आधुनिक तकनीकों, विशेष रूप से ड्रोन सर्विलांस के माध्यम से की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र के चप्पे-चप्पे पर सीआईएसएफ की पैनी नजर है तथा अवैध खनन और कोयला चोरी में संलिप्त लोगों के विरुद्ध भविष्य में भी कठोर एवं निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी।

विधायक रोशन लाल चौधरी की पहल से पहुंचा शव

पुदुचेरी से 48 घंटे में गांव पहुंचा प्रवासी मजदूर का पार्थिव शरीर, शोक का माहौल

नवीन मेल संवाददाता

भुरकुंडा। पतरातु प्रखंड अंतर्गत लबगा पंचायत के ग्राम किन्नी निवासी प्रवासी मजदूर विकास लिंडा पिता- स्व बिरसा उरांव का पुदुचेरी के उलेन्दुरपेट में कार्य के दौरान आकस्मिक निधन हो गया। इस दुखद घटना के बाद आर्थिक और अन्य व्यवस्थागत कठिनाइयों के कारण परिजन उनका पार्थिव शरीर गांव लाने में असमर्थ थे।
मामले की जानकारी मिलते ही बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने तत्काल पहल करते हुए श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के सचिव जितेंद्र कुमार सिंह तथा रामगढ़ के श्रम अधीक्षक अनिल रंजन से संपर्क कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। विधायक के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम यह रहा कि महज 48 घंटे के भीतर दिवंगत विकास लिंडा का पार्थिव शरीर हवाई मार्ग से रांची लाया गया। इसके बाद सड़क मार्ग से उनके पैतृक गांव किन्नी पहुंचाया गया, जहां परिजनों और ग्रामीणों ने नम आंखों से अंतिम विदाई दी। पार्थिव शरीर के गांव पहुंचने पर शोकाकुल परिवार ने राहत की सांस ली और विधायक रोशन लाल चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया। परिजनों ने कहा कि समय पर मिली सहायता के कारण वे अपने प्रियजन का अंतिम संस्कार गांव में पूरे रीति-रिवाज के साथ कर सके। स्थानीय ग्रामीणों ने भी विधायक की संवेदनशीलता, तत्परता और मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में उन्होंने परिवार का हरसंभव सहयोग किया।

ऐपवा का प्रतिवाद दिवस आज, शहर में मार्च निकाला जाएगा

रामगढ़। ऑल इंडिया प्रोग्रेसिव विमेंस एसोसिएशन के राष्ट्रीय आह्वान पर 21 जुलाई को मोदी सरकार के खिलाफ राष्ट्रव्यापी प्रतिवाद दिवस मनाया जाएगा। यह कार्यक्रम महिला आरक्षण कानून में लगाई गई जनगणना और परिसीमन की शर्तों को हटाकर इसे तुरंत लागू करने की मांग को लेकर किया जा रहा है। ऐपवा की रामगढ़ जिला सचिव नी ता बेदिया ने कार्यक्रम की जानकारी दी है। बताया कि केंद्र की मोदी सरकार ने महिला आरक्षण बिल को कानून तो बना दिया है। लेकिन इसे जनगणना और परिसीमन की भूलभुलैया में फंसाकर ठंडे बस्ते में डाल दिया है। सरकार की इसी महिला विरोधी नीति के खिलाफ 21 जुलाई को रामगढ़ जिला कमेटी के नेतृत्व में एक विरोध मार्च निकाला जाएगा। जो झंडा बैनर के साथ शहर में मार्च करते हुए सुभाष चौक पर सभा करेगी। जिला सचिव के अनुसार शहर मा र्च में जिले भर से बडी संख्या में महिलाएं शामिल होंगी।

राजा राम मोहन राय के दस्तावेजों के संरक्षण करने वाले को किया जाएगा सम्मानित

- उच्च न्यायालय, झारखंड के म्यूजियम में संवर्धित किए जाएंगे राजा राम मोहन राय के ऐतिहासिक रिकॉर्ड्स

रामगढ़। महान समाज सुधारक और भारतीय पुनर्जागरण के अग्रदूत स्वर्गीय राजा राम मोहन राय द्वारा वर्ष 1805–1806 में रामगढ़ में दीवान/सरिस्तेदार के तौर पर कार्य किया गया था। इस दौरान उनके द्वारा हस्ताक्षरित एवं उनके कार्यकाल से जुड़े रिकॉर्ड व दस्तावेज अत्यधिक ऐतिहासिक, अर्काइवल और सांस्कृतिक महत्व रखते हैं। उच्च न्यायालय, झारखंड अपने म्यूजियम में शैक्षणिक, शोध तथा धरोहर के उद्देश्य से ऐसे बहुमूल्य एवं ऐतिहासिक रिकॉड्र्स को सहेजकर प्रदर्शित करने के लिए उत्सुक है। जिला प्रशासन की आम नागरिकों से अपील : रामगढ़ जिला प्रशासन ने जिले के सभी आम नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके पास राजा राम मोहन राय के हस्ताक्षर वाले दस्तावेज, उनके दीवान कार्यकाल से जुड़े रिकॉड्र्स अथवा किसी भी प्रकार के अन्य ऐतिहासिक महत्व के दस्तावेज उपलब्ध हों या उनके संबंध में कोई जानकारी हो, तो वे यथाशीघ्र इसकी सूचना जिला खेल कार्यालय, समाहरणालय भवन द्वितीय तल, कमरा सं०-303, छत्तरमाण्डू, रामगढ़) में उपलब्ध कराएं। ऐतिहासिक महत्व के इन दस्तावेजों की जानकारी अथवा प्रति उपलब्ध कराने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को जिला प्रशासन, रामगढ़ द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

साइबर ठगी के आरोप में नागपुर पुलिस ने किया युवक को गिरफ्तार

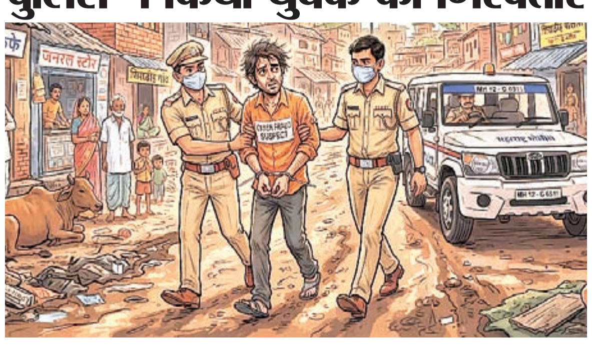

बरकट्ठा। हजारीबाग जिला अंतर्गत गोरहर थाना क्षेत्र में साइबर अपराध बढ़ता जा रहा है, जिससे राज्य की छवि पर इसका असर पड़ रहा है। पुलिस प्रशासन की कथित विफलता के बीच दूसरे राज्यों की पुलिस अब खुद झारखंड पहुंचकर कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में महाराष्ट्र के नागपुर से आई पुलिस ने स्थानीय गोरहर थाना पुलिस के सहयोग से एक बड़ी कार्रवाई की है। ग्राम शिलाडीह में छापेमारी की और साइबर ठगी के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। नागपुर के गणेशपेठ थाने में दर्ज कांड संख्या 141/26 के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने गोरहर थाना क्षेत्र के शिलाडीह निवासी राहुल पांडेय पिता रंजीत कार्तिक पांडेय को साइबर ठगी के आरोप में दबोचा। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस आरोपी राहुल को अपने साथ नागपुर ले गई । प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस ठगी के मामले में गिरफ्तार आरोपी राहुल का भाई राज पांडेय भी संलिप्त है। हालांकि, छापेमारी के दौरान वह मौके से फरार होने में कामयाब रहा। पुलिस अब फरार चल रहे आरोपी राज पांडेय की गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी कर रही है।

खिलाड़ियों को प्रतिभा निखार का मिलेगा अवसर : विधायक

रामगढ़ विस क्षेत्र के विद्यालयों में बनेंगे मल्टी स्पोर्ट्स कोर्ट

- विधायक ने कहा- आने वाले समय में क्षेत्र के विद्यालयों में खेल संरचना को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रयास किए जाएंगे

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए स्थानीय विधायक ममता देवी के प्रयास से विभिन्न विद्यालयों में मल्टी स्पोर्ट कोर्ट निर्माण की निविदा जारी कर दी गई है, जिन विद्यालयों में मल्टी स्पोर्ट कोर्ट का निर्माण किया जाएगा, उनमें कस्तूरबा आवासीय विद्यालय रामगढ़, उत्क्रमित उच्च विद्यालय डिमरा (गोला), कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय गोला, एस.एस. उच्च विद्यालय गोला, उत्क्रमित उच्च विद्यालय, चटाक (दुलमी), झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय दुलमी तथा राजबल्लभ उच्च विद्यालय सांडी (चितरपुर) शामिल हैं।
मल्टी स्पोर्ट कोर्ट के निर्माण से विद्यालयों में बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, मिनी टेनिस सहित अन्य खेलों के अभ्यास की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे छात्र-छात्राओं को विद्यालय परिसर में ही नियमित खेल प्रशिक्षण एवं अभ्यास का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी प्रतिभा को निखारने और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का बेहतर मंच प्राप्त होगा। इस अवसर पर विधायक ममता देवी ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी समान महत्व दे रही है। विद्यालयों में आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध होने से ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं को अपनी खेल प्रतिभा विकसित करने का सुनहरा अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य है कि रामगढ़ विधानसभा के बच्चे शिक्षा के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करें और राज्य तथा देश का नाम रोशन करें। विधायक ने कहा कि आने वाले समय में क्षेत्र के विद्यालयों में खेल अवसंरचना को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे, ताकि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त हो सके। इस संबंध में जानकारी दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सह कांग्रेस जिला प्रवक्ता एवं मीडिया चेयरमैन सुधीर मंगलेश ने दी।

डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स क्लस्टर-4 प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

नवीन मेल संवाददाता

बरही । डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स 2026 के अंतर्गत क्लस्टर–4 की दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ सोमवार को डीएवी पब्लिक स्कूल, बरही में हुआ। जिसका उद्घाटन प्राचार्य पुष्प कुमार झा की अगुवाई में डीएवी रजरप्पा के प्राचार्य डॉ. आर.के. साहू, डीएवी आरा कुजू के प्राचार्य आलोक कुमार तथा डीएवी तापीन के प्राचार्य रविंद्र कुमार पात्रा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रतियोगिता में डीएवी बरही, डीएवी कोडरमा, डीएवी बरकाकाना, डीएवी रजरप्पा, डीएवी केदला, डीएवी तापीन तथा डीएवी आरा कुजू की टीमों ने भाग लिया। जिनका स्वागत मेजबान बरही डीएवी ने गर्मजोशी से किया। अतिथियों ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला और निष्पक्ष खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया। प्रतियोगिता के पहले दिन अंडर-17 बालिका खो-खो वर्ग में डीएवी बरही विजेता तथा डीएवी केदला उपविजेता, अंडर-19 बालिका खो-खो वर्ग में डीएवी रजरप्पा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि डीएवी बरही उपविजेता रहा। वहीं शतरंज प्रतियोगिता के अंडर-17 वर्ग में डीएवी बरही तथा अंडर-19 वर्ग में डीएवी रजरप्पा ने शीर्ष स्थान हासिल किया। अपने संबोधन में मेजबान प्राचार्य श्री झा ने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने भी खिलाड़ियों से जुनून के साथ खेलने, ईमानदारी से प्रतिस्पर्धा करने और सम्मान के साथ विजय प्राप्त करने का आह्वान किया।

बिजली बिल में गड़बड़ी को लेकर एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट मीटर के खिलाफ ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, कार्यालय पर प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

भुरकुंडा। स्मार्ट मीटर लगाने के बाद लगातार आ रहे अत्यधिक बिजली बिलों से परेशान महुआ टोला, लपनगा पंचायत के दर्जनों ग्रामीणों ने सोमवार को भुरकुंडा स्थित बिजली विभाग कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए स्मार्ट मीटर व्यवस्था का विरोध किया। प्रदर्शन के बाद विभाग के एसडीओ रोहितास कुमार को ज्ञापन सौंपकर गलत बिजली बिलों में अविलंब सुधार की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद सामान्य बिजली खपत के बावजूद हजारों रुपये के बिल भेजे जा रहे हैं। कई उपभोक्ताओं को पहले शून्य (जीरो) बिल मिला, जबकि अगले ही महीने 10 हजार से लेकर 40 हजार रुपये तक का बिजली बिल थमा दिया गया। इससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि बिजली बिल की गड़बड़ी के कारण ग्रामीण उपभोक्ता मानसिक रूप से परेशान हैं और उनका रोजमर्रा का जीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने विभाग से मांग की कि सभी गलत बिलों की जांच कर उन्हें तत्काल संशोधित किया जाए तथा स्मार्ट मीटर में तकनीकी खामियों को दूर किया जाए।
ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि दो माह के भीतर बिजली बिलों में सुधार नहीं किया गया और स्मार्ट मीटर की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो सभी ग्रामीण सामूहिक रूप से स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने मीटर लगाने के लिए बाध्य होंगे। साथ ही बिजली विभाग कार्यालय के समक्ष चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विभाग और प्रशासन की होगी।
प्रदर्शन में शामिल ग्रामीणों ने कहा कि राज्य सरकार 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की बात करती है, लेकिन स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं को कई गुना अधिक बिल भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।
प्रदर्शन में राकेश महतो, जुगेश पटेल, आशिक अंसारी, जाहिर अंसारी, मेराज अंसारी, तबरेंज अंसारी, अरुण वैद्य, विकास पटेल, दिनेश महतो समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

वर्षा के अभाव में जुलाई माह में भी सूखा पड़ा है पलानी झरना

पतरातू। वर्षा के अभाव में जुलाई माह में भी पलानी झरना सूखा पड़ा हुआ है। पर्यटक इस झरना से झर झर पानी गिरने का दृश्य देखने के लिए तरस गए हैं। चारों ओर जंगल और पहाड़ियों की गोद में बसे पलानी गांव का वाटरफॉल इस वर्ष आषाढ़ में भी सूखा हुआ है। साथ ही अपनी खूबसूरती को छुपा लिया है। क्योंकि सैलानियों को खूब भाने वाला यह झरना। जिसे इसकी खूबसूरती को निहारने के लिए प्रतिदिन यहां पहुंचते रहते थे। यही वाटर फॉल अब सैलानियों के लिए वीरान हो गया है। चारों ओर जंगल और पहाड़ियों की गोद में पलानी गांव का यह वाटरफॉल अपनी खूबसूरती को छुपा नहीं पाती थी। इसकी खूबसूरती को निहारने के लिए प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में सैलानी यहां पहुंचते थे। साथ ही यहां पहुंच कर सैलानी घंटों इसकी खूबसूरती को निहारते रहते थे। साथ ही फोटो और सेल्फी खींचवाने से मन को मना नहीं कर पाते थे। वहीं वाटरफॉल से गिरते ठंडे पानी में नहाने से बाज नहीं आते थे। वहीं इस दृश्य को देखने के लिए सिर्फ पतरातू क्षेत्र से ही नहीं बल्कि रांची, रामगढ़ आदि से भी पर्यटक पहुंचते ही रहते थे।

पशु सेवा — गंभीर घायल नंदी का दो घंटे चले रेस्क्यू के बाद गौशाला में कराया गया उपचार

बरसात में लापरवाही से हो रही मूक पशुओं की मौत : महापौर

- महापौर ने बताया कि सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग एंबुलेंस सेवा (1033) को सूचना देकर सहायता मांगी गई, लेकिन आवश्यक व्यवस्था उपलब्ध नहीं हो सकी

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। लगातार हो रही बारिश के बीच मवेशियों को खुले में छोड़ने की लापरवाही उनके लिए जानलेवा साबित हो रही है। रविवार देर रात एनएच-20 स्थित सिंघानी ओवरब्रिज के समीप इंटर साइंस कॉलेज जाने वाले मार्ग पर सड़क पर बैठे मवेशी एक अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। हादसे में दो गायों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक नंदी गंभीर रूप से घायल हो गया। सोमवार सुबह विद्यालय जा रहे बच्चों की नजर घटना पर पड़ी, जिसके बाद इसकी जानकारी महापौर अरविंद कुमार राणा को दी गई। महापौर ने बताया कि सुबह करीब नौ बजे राष्ट्रीय राजमार्ग एंबुलेंस सेवा (1033) को सूचना देकर सहायता मांगी गई, लेकिन आवश्यक व्यवस्था उपलब्ध नहीं हो सकी। इसके बाद नगर निगम की ओर से हेड जमादार को जेसीबी और ट्रैक्टर के साथ मौके पर भेजा गया। मृत दोनों गायों को सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार के लिए डंपिंग यार्ड भेजा गया, जबकि गंभीर रूप से घायल नंदी को उपचार के लिए हजारीबाग गौशाला पहुंचाया गया। महापौर ने बताया कि घायल नंदी के दोनों पैर और जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। चिकित्सकों ने उसकी स्थिति चिंताजनक बताई है। उनके आग्रह पर पशु चिकित्सक डॉ. रंजीत बारिश के बीच मौके पर पहुंचे और घायल नंदी को दर्द से राहत देने के लिए आवश्यक दवाएं एवं इंजेक्शन दिए। रेस्क्यू अभियान में समाजसेवी विकास कृष्ण गहलोत, छठ पूजा फल वितरण समिति के अभिषेक कुमार, जबरा के स्थानीय लोग तथा बजरंग दल के गोविंद कुमार यादव सहित कई लोगों ने सहयोग किया। लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद घायल नंदी को सुरक्षित निकालकर गौशाला पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि रात के समय सूखी जगह की तलाश में मवेशी सड़कों पर बैठ जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। साथ ही वाहन चालकों से भी वर्षा और अंधेरे के दौरान धीमी गति एवं सतर्कता के साथ वाहन चलाने की अपील करते हुए कहा कि थोड़ी-सी सावधानी कई बेजुबान पशुओं और लोगों की जान बचा सकती है।

दृष्टिपात

बीस फीट ऊंचा भगवा झंडा के साथ हिन्दू राष्ट्रसंघ मनाएगा स्थापना दिवस

हजारीबाग। बुढ़वा महादेव के प्रांगण मे प्रदेश अध्यक्ष शशि भुषण केशरी की अध्यक्षता में हिन्दू राष्ट्रसंघ की एक बैठक की गयी। जय श्री राम की उद्घोषणा के साथ शशि भुषण केशरी ने कहा कि आगामी 5 अगस्त को हिन्दू राष्ट्रसंघ अपनी छठवी स्थापना दिवस मनाएगा। कार्यक्रम की शुरुवात दिन 11:00 बजे बुढ़वा महादेव मंदिर परिसर मे बेल वृक्ष का वृक्षारोपण करते हुए किया जायेगा। तत्पश्चात सिलवार पहाड़ के लिए प्रस्थान किया जाएगा और हिन्दू राष्ट्रसंघ के द्वारा 20 फिट का भगवा झंडा फहराया जायेगा। इसके बाद संघ के द्वारा भोग प्रसाद एवं खिचड़ी का वितरण किया जाएगा। श्री केसरी ने स्थापना दिवस के इस कार्यक्रम मे अधिक से अधिक संख्या मे लोगो को आने का अपील करते हुए हिन्दू राष्ट्र संघ के प्रति अपना श्रद्धा और साथ निभाते हुए मजबूती प्रदान करने का आह्वान किया है। इस बैठक मे हिन्दू राष्ट्र संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी केंद्र के नए भवन निर्माण में चल रहे विवाद का जायजा लेने पहुंचे एसडीओ

बरकट्ठा। बाजार टांड़ बरकट्ठा में वर्ष 2020-2021 में स्वीकृत आंगनबाड़ी केंद्र के नए भवन निर्माण को लेकर चल रहे विवाद और रुके हुए कार्य की जांच सोमवार को की गई। हजारीबाग उपायुक्त कार्यालय के निर्देश पर बरही अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) जोहन टुडू ने बरकट्ठा स्थित प्रस्तावित निर्माण स्थल का दौरा कर मामले की पूरी जानकारी ली। जानकारी के अनुसार बाजार टांड़ आंगनबाड़ी केंद्र कोड संख्या 103 के निर्माण कार्य के लिए अभिकर्ता को दो लाख रुपये का अग्रिम भुगतान भी किया जा चुका है। हालांकि, अंजू देवी पिता बोधा लाल के द्वारा विवाद उत्पन्न किये जाने के बाद से निर्माण कार्य लंबे समय से अवरुद्ध पड़ा हुआ है। इसी मामले की जमीनी सच्चाई का जायजा लेने के लिए एसडीओ जोहन टुडू ने सोमवार को खुद स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ बीपीओ उज्जवल किशोर, जेई इमरान अंसारी, यासीर हुसैन, अमित दुबे, बीएफटी दिलीप कुमार दास समेत कई अन्य लोग मौजूद थे।

एसपी के निर्देश पर चलाया गया छापेमारी अभियान, 17 अपराधी गिरफ्तार

हजारीबाग/बरही । पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के निर्देश पर हजारीबाग पुलिस ने 18 एवं 19 जुलाई की रात्रि जिलेभर में विशेष समकालीन छापामारी अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य विभिन्न मामलों में फरार चल रहे अपराधियों, वारंटियों एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करना था। अभियान का संचालन जिले के सभी पुलिस उपाधीक्षकों एवं पुलिस निरीक्षकों के नेतृत्व में किया गया। इसके लिए विभिन्न थाना क्षेत्रों में कुल 28 टीमों का गठन किया गया था, जिनमें 91 पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से कुल 17 अपराधियों एवं वारंटियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले में अपराध नियंत्रण एवं फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे। साथ ही आम लोगों से अपील की गई है कि यदि उनके क्षेत्र में कोई अपराधी गिरफ्तारी के डर से छिपा हुआ है या फरार चल रहा है, तो इसकी सूचना तत्काल नजदीकी थाना को दें। सूचना का सत्यापन कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पटेलनगर पंचायत में भाजपा बूथ कमेटी अध्यक्षों की बैठक, संगठन मजबूती पर जोर

भुरकुंडा। पटेलनगर स्थित गायत्री शक्तिपीठ प्रांगण में सोमवार को भाजपा पटेलनगर पंचायत बूथ कमेटी अध्यक्षों की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता शक्ति केंद्र प्रभारी कन्हैया सिंह यादव और संचालन बूथ संयोजक उत्तम कुमार ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा के रामगढ़ जिलाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह बाबला ने कहा कि यह बेहद विडंबना की बात है कि पंचायत के कई बूथ अध्यक्षों द्वारा मन की बात कार्यक्रम से संबंधित सरल ऐप पर कोई गतिविधि दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने सभी बूथ अध्यक्षों को संगठन के तीन प्रमुख उद्देश्यों असर मैपिंग, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सक्रियता तथा मन की बात कार्यक्रम को नियमित रूप से सुनने और उसकी रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बूथ संयोजक उत्तम कुमार ने कहा कि बूथ कमेटियों का गठन होने के बावजूद कई स्थानों पर कमेटियों का विस्तार नहीं हो सका है। उन्होंने सभी बूथ अध्यक्षों से जल्द से जल्द सक्रिय सदस्यों की सूची तैयार कर संगठन को उपलब्ध कराने की अपील की।

मारपीट मामले में आठ लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज

बरही। बरही थाना क्षेत्र के जरहीया गांव में मारपीट, गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में आठ लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामला प्रार्थी यमुना गोप की लिखित शिकायत पर दर्ज हुआ है। प्राथमिकी के अनुसार, 17 जुलाई 2026 को हुई घटना में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि गांव के कुछ लोगों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट की तथा धमकी दी। घटना के बाद उन्होंने बरही थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई। मामले में कविता देवी, विकास यादव, नितेश कुमार यादव, महेश्वरी देवी, लखन यादव, विक्रम यादव, किरण देवी एवं राजेश यादव को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर कांड दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्राथमिकी दर्ज कर जांच पड़ताल में जुट गई है । पुलिस ने मामले में निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया है।

कचरे का अंबार बना मुसीबत, बदबू और गंदे पानी से लोग बेहाल

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा नगर परिषद क्षेत्र के घनी आबादी वाले गुलजार गली स्थित कचरा ट्रांसपोर्टिंग सेंटर में कचरे का अंबार लगने से स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गई है। लगातार हो रही बारिश के कारण कचरे से उठ रही दुर्गंध और उससे निकलने वाला गंदा पानी आसपास के खेतों में फैल रहा है, जिससे ग्रामीणों के साथ किसान भी प्रभावित हो रहे हैं।बताया गया कि नगर परिषद शहर का कचरा यहां एकत्र कर टापुडेगा स्थित डंपिंग यार्ड भेजती थी। लेकिन डंपिंग यार्ड में कचरा प्रबंधन नहीं होने और दुर्गंध से परेशान टापूडेगा के ग्रामीणों के विरोध के बाद कचरे से लदी गाड़ियों को वापस लौटना पड़ रहा है। इसके चलते ट्रांसपोर्टिंग सेंटर में कचरा लगातार जमा होता जा रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि बदबू के कारण सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। वहीं गंदे पानी से खेती भी प्रभावित हो रही है। कचरा स्थल के समीप साप्ताहिक बाजार, कई संस्थान और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्टेडियम होने से बड़ी संख्या में लोगों और खिलाड़ियों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है।समस्या से नाराज स्थानीय ग्रामीण एकजुट होकर जनप्रतिनिधियों के साथ मौके पर पहुंचे और प्रशासन से समाधान की मांग की। सूचना मिलने पर उपायुक्त कंचन सिंह ने स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने नगर परिषद को टापूडेगा डंपिंग यार्ड की समस्या का डेढ़ माह के भीतर स्थायी समाधान करने का निर्देश दिया। तब तक ट्रांसपोर्टिंग सेंटर की घेराबंदी करने तथा कचरे पर नियमित रूप से ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

बानो में जयपाल सिंह मुंडा हॉकी खेल मैदान का होगा सौंदर्यीकरण

बानो। क्षेत्र के युवाओं के लिए अच्छी खबर है। बानो के पाहन टोली स्थित जयपाल सिंह मुंडा हॉकी खेल मैदान का जल्द ही सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इस संबंध में तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया के निर्देश पर सोमवार को विधायक प्रतिनिधियों, झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड कमेटी के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी समिति के सदस्यों ने मैदान का स्थलीय निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान बताया गया कि मैदान में झारखंड के महान आदिवासी नेता एवं हॉकी के जादूगर जयपाल सिंह मुंडा की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। साथ ही खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित करते हुए पूरे मैदान का सौंदर्यीकरण कराया जाएगा।स्थानीय लोगों और खेल प्रेमियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों को बेहतर माहौल मिलेगा और नई पीढ़ी जयपाल सिंह मुंडा के योगदान से प्रेरित होगी।,

दो दिवसीय वीएलई प्रशिक्षण शुरू

कोलेबिरा। ग्राम पंचायत विकास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और पंचायत स्तर पर योजनाओं के बेहतर निर्माण के उद्देश्य से कोलेबिरा प्रखंड सभागार में दो दिवसीय वीएलई प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसमें कोलेबिरा, बानो, जलडेगा और पाकरटांड़ प्रखंड के सभी वीएलई भाग ले रहे हैं।प्रशिक्षण का उद्घाटन अंचलाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी अनूप कच्छप ने किया। उन्होंने कहा कि पंचायतों के विकास में वीएलई की भूमिका महत्वपूर्ण है और यह प्रशिक्षण योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में सहायक होगा। मास्टर ट्रेनर चंदन कुमार, जिला परियोजना प्रबंधक ने जीपीडीपी की प्रक्रिया, ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने, निर्णय पोर्टल पर डेटा प्रविष्टि तथा तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी।

सुरक्षा ड्यूटी छोड़ वाहन चलाने वाले अंगरक्षकों पर होगी कार्रवाई : एसपी

नवीन मेल संवाददाता

- यदि वाहन चलाने के दौरान कोई दुर्घटना या अप्रिय घटना होती है तो उसकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी संबंधित अंगरक्षक की होगी
- अंगरक्षक वाहन चलाते हुए पाया जाता है तो उसके विरुद्ध विभागीय नियमों के तहत कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सिमडेगा। पुलिस अधीक्षक ने न्यायिक दंडाधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों एवं अन्य विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा में तैनात अंगरक्षकों को स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि वे किसी भी परिस्थिति में वाहन चालक का कार्य नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अंगरक्षकों की प्रतिनियुक्ति केवल सुरक्षा प्रदान करने के लिए की जाती है, न कि वाहन चलाने या अन्य कार्यों के लिए। एसपी ने कहा कि यह देखा जा रहा है कि कुछ अंगरक्षक अपने मूल दायित्व का पालन करने के बजाय संबंधित अधिकारियों के वाहन चला रहे हैं। इससे सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित होने के साथ किसी भी अप्रिय घटना की आशंका बढ़ जाती है। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए इस पर तत्काल रोक लगाने का निर्देश दिया गया है।जारी आदेश में सभी संबंधित पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया है कि वे इस आदेश का अक्षरशः पालन करें। यदि भविष्य में कोई अंगरक्षक वाहन चलाते हुए पाया जाता है तो उसके विरुद्ध विभागीय नियमों के तहत कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, यदि वाहन चलाने के दौरान कोई दुर्घटना या अप्रिय घटना होती है तो उसकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी संबंधित अंगरक्षक की होगी। पुलिस अधीक्षक ने सभी अंगरक्षकों से सुरक्षा संबंधी दायित्वों का पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने की अपील की है, ताकि वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी, सतर्क और मजबूत बनी रहे।

कुरडेग के भलमण्डा गांव में लगा नया ट्रांसफार्मर, ग्रामीणों में खुशी

नवीन मेल संवाददाता

कुरडेग। प्रखण्ड के गड़ियाजोर पंचायत के भलमण्डा गाँव में जिप उपाध्यक्ष सोनी पैंकरा के पहल से सोमवार को नया 25 के वी ए का ट्रांसफार्मर लगाया गया । गाँव में ट्रांसफार्मर कुछ दिन पहले खराब हो गया था । ग्रामीणों ने जिप उपाध्यक्ष को सुचना दी थी कि गांव के ट्रांसफार्मर खराब हो जाने से बरसात के दिनो में बिजली की भारी समस्या हो रही है । जिप उपाध्यक्ष ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बिजली विभाग के अधिकारी से बात कर नया ट्रांसफार्मर लगाने को लेकर पहल की । विभागीय अधिकारी बिजली समस्या को गंभीरता से लेते हुए 25 के वी ए का नया ट्रांसफार्मर सोमवार को लगवा दिया । जिससे ग्रामीणों को बिजली समस्या से निजात मिल गई । ग्रालीणों ने जिप उपाध्यक्ष का दिल से आभार व्यक्त किया । मौके पर त्रिलोचन यादव , जगरनाथ, बैजू, माहेश्वर , नकुल, जयमति देवी , ममता देवी , रामवति देवी सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे ।

कुपोषण से सुपोषण की ओर, अनुग्रह टोपनो की रही प्रेरणादायक यात्रा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिले के बानो प्रखंड अंतर्गत बांकी पंचायत के नोमिल महुआटोली गांव के निवासी अनुग्रह टोपनो की कहानी यह साबित करती है कि समय पर पहचान, नियमित निगरानी और सामुदायिक सहयोग से कुपोषण जैसी गंभीर समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। अनुग्रह का जन्म 16 नवंबर 2022 को 2.6 किलोग्राम वजन के साथ हुआ था। प्रारंभिक छह माह तक उनका विकास सामान्य रहा, लेकिन बाद में नियमित वृद्धि निगरानी के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र ने पाया कि उनका वजन और लंबाई अपेक्षित गति से नहीं बढ़ रही है।आंगनवाड़ी सेविका ने परिवार को पूरक आहार, संतुलित भोजन और बेहतर देखभाल के लिए लगातार परामर्श दिया। हालांकि, माता के रोजगार के कारण बच्चे की देखभाल बड़े भाई-बहनों के जिम्मे थी, जिससे पोषण संबंधी सलाहों का पालन पूरी तरह नहीं हो सका। परिणामस्वरूप बच्चा बार-बार बीमार पड़ने लगा और कुपोषण की स्थिति में पहुंच गया।पारिवारिक परिस्थितियों के कारण मेडिकल ट्रीटमेंट सेंटर जाना संभव नहीं था। ऐसे में सामुदायिक स्तर पर संचालित गंभीर कुपोषण उपचार केंद्र में उनका नामांकन कराया गया। प्रवेश के समय उनका वजन 8.4 किलोग्राम और लंबाई 88.5 सेंटीमीटर थी। 15 दिनों तक नियमित उपचार, पौष्टिक पूरक आहार, स्वास्थ्य परीक्षण, टेक-होम राशन , मेडिसिन किट तथा अभिभावकों को पोषण संबंधी परामर्श प्रदान किया गया। साथ ही हर पंद्रह दिन पर वजन और लंबाई की समीक्षा की गई।जिला प्रशासन सिमडेगा के सक्रिय नेतृत्व, नियमित मॉनिटरिंग और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सतत मेहनत से अनुग्रह के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

आज लगेगा मलेरिया जांच शिविर

बानो। प्रखंड के पांगुर एवं नवागांव स्वास्थ्य उपकेंद्र में 21 जुलाई को मलेरिया जांच शिविर आयोजित किया जाएगा। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मनोरंजन कुमार ने क्षेत्र के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर मलेरिया की जांच कराने की अपील की है।उन्होंने कहा कि समय पर जांच से मलेरिया की शीघ्र पहचान और उपचार संभव है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सकता है।

, उन्होंने बुखार, ठंड लगना, सिरदर्द या मलेरिया जैसे लक्षण होने पर बिना देर किए शिविर में पहुंचकर जांच कराने की सलाह दी। साथ ही लोगों से मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाने तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियान में सहयोग करने का आग्रह किया।

सिमडेगा पुलिस का विशेष वाहन जांच अभियान जारी

10 दिनों में जिलेभर में हुई सघन चेकिंग

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिले में विधि-व्यवस्था सुदृढ़ रखने, अपराध नियंत्रण और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सिमडेगा पुलिस लगातार एंटी क्राइम वाहन जांच अभियान चला रही है। इसी क्रम में 10 जुलाई से 20 जुलाई 2026 तक जिले के सभी थाना एवं ओपी क्षेत्रों में विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान प्रमुख चौक-चौराहों पर दोपहिया और चारपहिया वाहनों के दस्तावेजों की जांच के साथ संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों पर विशेष नजर रखी गई। पुलिस ने हेलमेट, सीट बेल्ट के उपयोग और यातायात नियमों के पालन के प्रति लोगों को जागरूक भी किया।पुलिस के अनुसार अभियान का उद्देश्य अपराधियों की गतिविधियों पर अंकुश लगाना, अवैध हथियार, मादक पदार्थों एवं अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी रोकना तथा जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना है।

सिमडेगा पुलिस ने नागरिकों से आवश्यक दस्तावेज साथ रखने, यातायात नियमों का पालन करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

पाहन टोली में 25 केवीए ट्रांसफार्मर का हुआ उद्घाटन

बानो। बानो प्रखंड की सिम्हातु पंचायत अंतर्गत गटिबांदू पाहन टोली में लंबे समय से बिजली संकट से जूझ रहे ग्रामीणों को राहत मिली है। तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया की पहल पर गांव में नया 25 केवीए ट्रांसफार्मर लगाया गया, जिसका उद्घाटन मुखिया लोरेंस बागे, उप मुखिया हेरमन सुरिन, झामुमो सोय पंचायत अध्यक्ष संदीप समद एवं ग्रामीणों ने फीता काटकर किया।ग्रामीणों ने बताया कि पुराना ट्रांसफार्मर करीब एक माह से खराब था, जिससे बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित थी। विधायक प्रतिनिधि (विद्युत विभाग) तनवीर हुसैन को आवेदन दिए जाने के बाद विधायक के निर्देश पर विद्युत विभाग से समन्वय स्थापित कर नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया।

आत्मनिर्भर पल्सेस योजना के तहत 93 किसानों के बीच उड़द बीज का वितरण

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा प्रखंड की कोचेडेगा पंचायत में कृषि विभाग द्वारा आत्मनिर्भर पल्सेस योजना के तहत 93 किसानों के बीच 100 प्रतिशत अनुदान पर उड़द बीज का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को प्रोत्साहित करना, दलहन उत्पादन बढ़ाना तथा आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करना है।बीज वितरण के दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों ने किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज के सही उपयोग, वैज्ञानिक तरीके से बुआई, फसल प्रबंधन तथा बेहतर उत्पादन के लिए आवश्यक तकनीकी जानकारी दी। किसानों को समय पर बुआई, संतुलित उर्वरक प्रयोग और फसल की नियमित देखभाल के बारे में भी जागरूक किया गया, ताकि उन्हें अधिक उपज प्राप्त हो सके।इस अवसर पर किसानों ने कृषि विभाग की पहल की सराहना करते हुए कहा कि अनुदान पर गुणवत्तापूर्ण बीज मिलने से खेती की लागत कम होगी और फसल उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।कार्यक्रम में पंचायत के मुखिया, वार्ड सदस्य, प्रखंड कृषि पदाधिकारी कृषि मित्र सहित कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

जल संरक्षण संरचनाओं का चेन्नई के तीन छात्रों ने किया अध्ययन

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। चेन्नई स्थित एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के तीन छात्र-अशिष कुमार, अक्षत आनंद एवं प्रियांशु राज ने झारखंड राज्य, सिमडेगा जिला अंतर्गत कोलेबिरा प्रखंड के ऐड़ेगा एवं लचरागढ़ पंचायत क्षेत्र में मुस्कान विकास संस्था के सहयोग से जल संरक्षण एवं वर्षा जल प्रबंधन पर अध्ययन एवं अनुसंधान यात्रा की।इस अनुसंधान एवं अध्ययन यात्रा के दौरान छात्रों ने तालाब, चेक डैम, टीसीपी बंड तथा अर्दन चेक डैम जैसी विभिन्न जल संरक्षण संरचनाओं का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। उन्होंने इन संरचनाओं की निर्माण प्रक्रिया, कार्यप्रणाली, वर्षा जल संचयन की तकनीक तथा भूजल स्तर को बनाए रखने और किसानों को द्वितीय फसल के लिए जल उपलब्ध कराने में इनकी भूमिका का विस्तार से अध्ययन किया।छात्रों ने स्थानीय स्तर पर अपनाई जा रही जल संरक्षण तकनीकों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समन्वय को समझते हुए जाना कि प्रभावी जल प्रबंधन से जल संकट का समाधान संभव है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से संचालित जल संरक्षण कार्यों की भी सराहना की। मुस्कान विकास संस्था के प्रतिनिधियों ने छात्रों को क्षेत्र में किए गए जल संरक्षण कार्यों की जानकारी देते हुए उनके सामाजिक, पर्यावरणीय एवं कृषि संबंधी सकारात्मक प्रभावों से अवगत कराया।

इस अवसर पर संस्था के बालूलाल सिंह, मैनन हेरेंज, सुरेश सिंह एवं पुष्पा देवी उपस्थित रहे।यह अध्ययन यात्रा छात्रों के लिए तकनीकी एवं व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का महत्वपूर्ण अवसर साबित हुई। साथ ही, इससे उनमें जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति जागरूकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी नई मजबूती मिली।

सिमडेगा में लर्निंग व ड्राइविंग लाइसेंस शिविर, 65 अभ्यर्थी हुए सफल

सिमडेगा। उपायुक्त कंचन सिंह एवं परिवहन विभाग के निर्देश पर परिवहन विभाग, सिमडेगा द्वारा सदर प्रखंड में लर्निंग लाइसेंस एवं ड्राइविंग लाइसेंस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 83 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया। इनमें 65 अभ्यर्थी लर्निंग लाइसेंस परीक्षा में सफल होकर लाइसेंस प्राप्त करने में सफल रहे, जबकि 18 अभ्यर्थी परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सके।शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों को परिवहन विभाग की सेवाएं उनके निकट उपलब्ध कराना तथा सुरक्षित और नियमसम्मत वाहन संचालन के प्रति जागरूक करना था। हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने तथा नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने की सलाह दी गई। साथ ही वैध ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखने के लिए प्रेरित किया गया।

बैंक ऑफ बड़ौदा का 119वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया गया

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। बैंक ऑफ बड़ौदा की सिमडेगा शाखा में शुक्रवार को बैंक का 119वां स्थापना दिवस उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शाखा परिसर में केक काटकर स्थापना दिवस की खुशियां मनाई गईं तथा ग्राहकों के बीच मिठाइयों का वितरण किया गया। राजकीय उर्दू मध्य विद्यालय,भट्ठीटोली में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अलावा विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच खेल सामग्री एवं पाठ्य सामग्री का वितरण कर उन्हें शिक्षा और खेल के प्रति प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक आशीष कुमार ने बच्चों एवं शिक्षकों को बैंक ऑफ बड़ौदा की विभिन्न बैंकिंग योजनाओं,बचत की आदत और वित्तीय साक्षरता की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि बैंक वित्तीय सेवाओं के साथ-साथ समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी निरंतर निर्वहन कर रहा है।विद्यालय के प्राचार्य मो.साजिद ने बैंक ऑफ बड़ौदा की इस सराहनीय पहल के लिए शाखा प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को खेल एवं पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना तथा पौधरोपण जैसे कार्यक्रम आयोजित करना शिक्षा के साथ सामाजिक सरोकारों को भी मजबूत करता है।

एसआईआर की समय-सीमा 15 दिन बढ़ाने की मांग

- कांग्रेस ने सीईओ को सौंपा ज्ञापन
- सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा भी रहे शामिल

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 को लेकर कांग्रेस ने गणना प्रपत्र जमा करने की निर्धारित समय-सीमा में 15 दिनों की बढ़ोतरी करने की मांग की है। झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू के नेतृत्व में कांग्रेस कोटे के मंत्री एवं विधायको ने राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार से मुलाकात कर एसआईआर से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और चिंताओं से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल में सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा भी प्रमुख रूप से शामिल हुए। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राज्य में अभी भी करीब एक करोड़ 18 लाख मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म का डिजिटलीकरण शेष है। ऐसे में 29 जुलाई की निर्धारित समय सीमा तक महज 10 दिनों में शेष कार्य पूरा करना काफी चुनौतीपूर्ण है। वर्तमान में मानसून और धान रोपनी का समय होने के कारण बड़ी संख्या में ग्रामीण खेती-किसानी के कार्यों में व्यस्त हैं। वहीं राज्य के कई दुर्गम और सुदूरवर्ती क्षेत्रों में घर-घर पहुंचने में भी बीएलओ एवं संबंधित कर्मियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोकतंत्र में प्रत्येक पात्र नागरिक को अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अधिकार है और इसे सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से गणना प्रपत्र जमा करने की अवधि में 15 दिनों का विस्तार करने के साथ प्रत्येक मतदान केंद्र और पंचायत स्तर पर विशेष सुविधा शिविर आयोजित करने की मांग की। साथ ही एसआईआर को लेकर व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाने का भी आग्रह किया गया। ताकि अधिक से अधिक मतदाता समय रहते आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर सकें।

गोवा गए गिरदा निवासी युवक की ट्रेन में हार्ट अटैक से मौत

नवीन मेल संवाददाता

बानो। बानो प्रखंड के गिरदा गांव निवासी 30 वर्षीय सुरेंद्र महतो, पिता स्वर्गीय छटन महतो, रोजगार की तलाश में करीब एक सप्ताह पहले गोवा गए थे। परिजनों के अनुसार, वहां पहुंचने के बाद उनकी मानसिक स्थिति बिगड़ गई, जिसके बाद उनका छोटा भाई उन्हें वापस घर लेकर लौट रहा था।18 जुलाई 2026 को सुबह करीब 11 बजे कर्नाटक सीमा के पास ट्रेन से लौटने के दौरान सुरेंद्र महतो को अचानक सीने में तेज दर्द उठा और हार्ट अटैक आने से उनकी मौत हो गई। घटना के बाद रेलवे पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पोस्टमार्टम के बाद एम्बुलेंस से शव को झारखंड के सिमडेगा जिले के बानो प्रखंड स्थित गिरदा गांव लाया गया। 19 जुलाई की सुबह करीब 4 बजे शव गांव पहुंचा। परिजनों ने बताया कि शव को घर तक लाने के लिए उन्हें 24 हजार रुपये एम्बुलेंस शुल्क अपनी जेब से देना पड़ा। इस असामयिक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और पूरे गांव में शोक का माहौल है।घटना ने प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा और सहायता व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि दूसरे राज्यों में किसी प्रवासी श्रमिक की मृत्यु होने पर सरकार को निःशुल्क शव परिवहन, तत्काल आर्थिक सहायता और उचित मुआवजा उपलब्ध कराना चाहिए।

पाकुड़ सदर अस्पताल की बदहाली

मरीजों तक नहीं पहुंच रहा ऑक्सीजन प्लांट का लाभ, बाहर से खरीद रहे हैं सिलेंडर

● झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के सभी सदर अस्पतालों में 'लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट' लगाने का फैसला किया था

नवीन मेल संवाददाता

पाकुड़। झारखंड राज्य के अंतिम छोर पर बसे पाकुड़ जिले के लोगों को स्वस्थ और सुखी झारखंड का बेहतर अनुभव कराने में सरकार नाकाम साबित हो रही है। सिस्टम से जुड़े लोगों की लापरवाही और ठेकेदार की मनमानी का आलम यह है कि सदर अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले लोगों को न तो बहाल ऑक्सीजन प्लांट सेवा का लाभ मिल पा रहा है और न ही लिक्विड ऑक्सीजन का। मरीजों की जिंदगी बचाने के लिए डॉक्टरों को ऑक्सीजन सिलेंडर का सहारा लेना पड़ रहा है। कोरोना संक्रमण के दौरान करोड़ों रुपये खर्च कर सदर अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट लगाया गया और चालू किया गया, लेकिन वह मरीजों को अपनी सेवा नहीं दे पा रहा है, क्योंकि कई कलपुर्जे खराब हो गए हैं। ऑक्सीजन प्लांट की बदहाली के कारण जिला स्वास्थ्य समिति को बाजार से ऑक्सीजन सिलेंडर खरीदने पड़ रहे हैं, ताकि ऑक्सीजन की कमी के कारण किसी मरीज की जान खतरे में न पड़े। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के सभी सदर अस्पतालों में 'लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट' लगाने का फैसला किया था। सरकार के इस फैसले के तहत, पाकुड़ सदर अस्पताल में भी एक लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट लगाया जाना था। लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट लगाने वाली कंपनी के ठेकेदार गैस टैंक समेत कई पार्ट्स तो ले आया, लेकिन उन्हें अभी तक इंस्टॉल और चालू नहीं किया गया। जिसके चलते प्लांट के पार्ट्स और टैंकर अस्पताल में सिर्फ शोपीस बनकर रहा गया है। इस मामले में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दुर्गा मरांडी ने कहा कि संथाल परगना में स्वास्थ्य विभाग चरमरा गया है। उन्होंने कहा कि दुख इस बात की है कि जिस संथाल परगना प्रमंडल से मुख्यमंत्री, ग्रामीण विकास मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष और स्वास्थ्य मंत्री आते हैं, उस प्रमंडल की स्थिति सबसे खराब है। वहीं, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ मनीष कुमार ने कहा कि कोरोना काल के समय लगाए गए ऑक्सीजन प्लांट ठीक ठाक है, लेकिन कुछ लोग इसे सरकारी संपत्ति समझकर तोड़ देते हैं, जिसके कारण ऑक्सीजन पाइपलाइन सभी बेड तक नहीं पहुंच पाती है। इसके चलते ऑक्सीजन सिलेंडर रखना पड़ता है।

दुष्कर्म के आरोपित को जूतों-चप्पलों की माला पहनाकर लोगों ने पीटा

पूर्वी सिंहभूम। सीतारामडेरा थाना अंतर्गत देवनगर बस्ती में सोमवार को सात वर्षीय मासूम के साथ दुष्कर्म की सनसनीखेज घटना सामने आई। मौके पर मौजूद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने एक 26 वर्षीय युवक, गोगाई कर्मकार को देखते ही धर दबोचा और उसे जूतों व चप्पलों की माला पहनाकर जमकर पिटाई की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ग्रामीणों का क्रोध इतना भड़क गया कि उन्होंने आरोपी को पकड़कर सार्वजनिक स्थान पर बुरी तरह से पीटा। पिटाई के दौरान कई लोगों ने आरोपी पर लगे आरोपों की नारेबाजी की और उसे भीड़ से छुड़ाने की कोशिशें की गईं। इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बन गया और लोग लामबंद होकर सुरक्षा की मांग करने लगे। पीड़िता के परिजनों ने प्रारंभिक तौर पर घटना की जानकारी दी है कि बच्ची अकेली थी तभी आरोपित ने उसे पकड़कर दुष्कर्म की वारदात अंजाम दिया। परिजन और ग्रामीण घटना की भयावहता से उत्तेजित थे।

सब जूनियर राज्य स्तरीय बालक खो-खो प्रतियोगिता का समापन

रामगढ़ की टीम ने हजारीबाग को 7 अंकों से हराकर खिताब जीता

नवीन मेल संवाददाता

भुरकुंडा। सौंदा बस्ती स्टेडियम, पारटांड़ में आयोजित तीन दिवसीय 20वीं सब जूनियर राज्य स्तरीय बालक खो-खो प्रतियोगिता का सोमवार को भव्य समापन हुआ। रोमांचक फाइनल मुकाबले में मेजबान रामगढ़ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हजारीबाग को 7 अंक से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। वहीं हजारीबाग उपविजेता रहा। प्रतियोगिता में कोडरमा ने तीसरा और देवघर ने चौथा स्थान हासिल किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि बड़कागांव विधायक रौशन लाल चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि गजानंद प्रसाद ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। फाइनल मुकाबले के बाद विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। फाइनल से पहले खेले गए पहले सेमीफाइनल में रामगढ़ ने देवघर को 8 अंक से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में हजारीबाग ने कोडरमा को 6 अंक से पराजित कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। इसके बाद हुए फाइनल में रामगढ़ ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए हजारीबाग को 7 अंक से शिकस्त देकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में झारखंड राज्य खो-खो संघ के महासचिव संतोष प्रसाद, रामगढ़ जिला खो-खो संघ के सचिव नवीन कुमार ठाकुर, आयोजन समिति के अध्यक्ष बालेश्वर मुंडा, सचिव राहुल कुमार तथा कोषाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन को सफल बनाने में कवि मुंडा, सुजय कालिंदी, प्रणव कुमार एवं कृष मुंडा सहित संघ के सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

बारिश से किसानों के चेहरे पर खुशियां, बाजार हाट में जल जमाव से लोग परेशान

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र में रविवार की रात से रुक-रुककर हो रही बारिश से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, वहीं दूसरी तरफ किसानों के चेहरों पर खुशियां लौट आई हैं। समय पर बारिश न होने के कारण सूखे की आशंका से चिंतित किसानों को इस मानसूनी बारिश से बड़ी राहत मिली है। लंबे समय से मानसूनी बारिश की बेरुखी झेल रहे क्षेत्र के किसानों की सांसे अटक रही थीं। धान की बिचड़े और बुआई का काम पिछड़ रहा था, जिससे किसान काफी परेशान थे। इस झमाझम बारिश से धान की खेती और अन्य कृषि कार्यों को गति मिलने की पूरी उम्मीद है, जिससे किसानों में कृषि कार्य को लेकर उत्साह है। एक तरफ जहां बारिश किसानों के लिए वरदान साबित हुई है, वहीं दूसरी तरफ बरकट्ठा व ग्रामीण इलाकों में लचर व्यवस्था के कारण आम लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। बारिश के चलते बरकट्ठा बाजार रोड की स्थिति बेहद खराब हो गई है। सोमवार को साप्ताहिक हाट (बाजार) होने के कारण यहाँ दूर-दराज से सैकड़ों दुकानदार आते हैं वहीं हजारों की संख्या में लोग खरीदारी करने पहुंचते हैं। सड़क पर जलजमाव और कीचड़ होने के कारण खरीदारों, दुकानदारों और राहगीरों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के पानी का निकासी न होने के कारण सीधे सड़कों पर पानी जमा हो रहा है, जिससे कीचड़ का साम्राज्य फैल गया है और पैदल चलना भी दूभर हो गया है। क्षेत्रवासियों और राहगीरों ने प्रशासन तथा निर्माण एजेंसी से मांग की है कि जलजमाव की समस्या से निजात दिलाने के लिए त्वरित कदम उठाए जाएं तथा अधूरे पड़े सड़क व नाली निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा किया जाये।

समाज के लिए ऐसी सेवा एक प्रेरणायक उदाहरण है : एसपी

हजारीबाग यूथ विंग ने ट्रैफिक जवानों को भेंट किए रेनकोट

● सेवा और संवेदनशीलता से जुड़े इस कार्यक्रम में पहले चरण में 60 से अधिक ट्रैफिक पुलिस जवानों को समर्पित किए गए

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग यूथ विंग हजारीबाग की धरती पर एक ऐसी सामाजिक संस्था बनकर उभर रही हैं जिसने अपने निस्वार्थ, मानवीय और जनकल्याणकारी कार्यों के बल पर बेहद कम समय में समाज के बीच विशिष्ट पहचान और सम्मानजनक स्थान अर्जित किया है। सेवा, संवेदना और सामाजिक सरोकार को अपना मूल उद्देश्य बनाकर यह संस्था निरंतर जनभावनाओं के अनुरूप कार्य कर रही है। इसी क्रम में शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए धूप, बारिश और विपरीत परिस्थितियों में भी लगातार ड्यूटी पर तैनात फ्रंटलाइन पुलिस वॉरियर्स ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के सम्मान एवं सुरक्षा के उद्देश्य से हजारीबाग यूथ विंग द्वारा सोमवार को सीसीआर प्रांगण में रेनकोट समर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा और संवेदनशीलता से जुड़े इस कार्यक्रम में पहले चरण में 60 से अधिक ट्रैफिक पुलिस जवानों को रेनकोट समर्पित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक अमन कुमार रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में हेडक्वार्टर डीएसपी ज्ञान रंजन, सदर एसडीपीओ रूपक कुमार सिंह, सीसीआर डीएसपी मो. अरमानुल हक, सार्जेंट मेजर कुमार देवब्रत तथा ट्रैफिक थाना प्रभारी अनूप कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत एवं सम्मान के साथ हुई। मंच संचालन सेजल सिंह,खुशी कुमारी एवं वर्षा डे ने संयुक्त रूप से किया, जबकि स्वागत भाषण संस्था के सचिव रितेश खण्डेलवाल ने दिया। इसके बाद सभी ट्रैफिक पुलिस जवानों को कतारबद्ध तरीके से रेनकोट समर्पित किए गए। लगभग 45 मिनट तक चले इस गरिमामयी कार्यक्रम में सेवा, सम्मान और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। उपस्थित लोगों की तालियों की गूंज ने ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक जवानों का उत्साह बढ़ाया, वहीं रेनकोट प्राप्त करने वाले जवानों के चेहरों पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी। मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने हजारीबाग यूथ विंग की सराहना करते हुए कहा कि ट्रैफिक पुलिस कर्मी हर मौसम में नागरिकों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करते हैं। ऐसे फ्रंटलाइन पुलिस वॉरियर्स के सम्मान और सुविधा के लिए किया गया यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। उविशिष्ट अतिथियों ने भी ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के समर्पण, अनुशासन और कठिन परिस्थितियों में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए हजारीबाग यूथ विंग के इस सेवा अभियान को अनुकरणीय बताया।

9 से 13 सितंबर को आबू रोड में होगा राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन

बरही। ब्रह्माकुमारी प्रजापिता विश्व विद्यालय, बरही शाखा की संचालिका बीके रीना बहन ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया विंग द्वारा 9 से 13 सितंबर 2026 तक दिव्य शक्ति अनुभूति हॉल, मानसरोवर कैम्पस, आबू रोड (राजस्थान) में राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन–2026 का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष सम्मेलन का विषय "श्रेष्ठ विश्व के निर्माण हेतु सशक्त मीडिया" रखा गया है। उन्होंने बताया कि पांच दिवसीय इस महासम्मेलन में देशभर से लगभग 1,500 मीडियाकर्मी एवं 300 ब्रह्माकुमारी सेवाधारी भाग लेंगे। सम्मेलन में प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, समाचार एजेंसियां, डिजिटल एवं सोशल मीडिया, जनसंपर्क, कॉर्पोरेट संचार, फिल्म एवं क्रिएटिव मीडिया, मीडिया शिक्षा एवं अनुसंधान तथा सरकारी एवं संस्थागत मीडिया से जुड़े पत्रकारों और संचार विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाएगा। बीके रीना बहन ने बताया कि सम्मेलन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है। मीडिया प्रतिनिधियों के साथ उनके जीवनसाथी भी सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं, लेकिन प्रत्येक के लिए अलग-अलग पंजीकरण कराना होगा। बिना पंजीकरण किसी को भी सम्मेलन में प्रवेश नहीं मिलेगा।उन्होंने क्षेत्र के पत्रकारों एवं मीडिया कर्मियों से इस राष्ट्रीय आयोजन में सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील करते हुए कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य सकारात्मक, मूल्यनिष्ठ और समाजोपयोगी मीडिया को बढ़ावा देना तथा बेहतर विश्व निर्माण में मीडिया की भूमिका पर सार्थक विमर्श करना है।

सीपीआई (एम) का वांगचुक की रिहाई की मांग को लेकर विरोध मार्च

भुरकुंडा । सीपीआई(एम) की केंद्रीय समिति के आह्वान पर सोमवार को रामगढ़ जिला कमेटी के बैनर तले भुरकुंडा में अखिल भारतीय विरोध दिवस मनाया गया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, सामाजिक कार्यकर्ता एवं पर्यावरणविद सोनम वांगचुक की रिहाई और आंदोलनरत छात्रों पर पुलिस कार्रवाई तत्काल रोकने की मांग को लेकर विरोध जुलूस निकाला। पार्टी कार्यालय से शुरू हुआ विरोध मार्च भुरकुंडा थाना के समीप पहुंचकर सभा में परिवर्तित हो गया। जुलूस के दौरान कार्यकर्ताओं ने सीपीआई एम जिंदाबाद, धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो, सोनम वांगचुक को रिहा करो जैसे नारे लगाए। सभा की अध्यक्षता जिला सचिव कॉमरेड आरपी सिंह चंदेल ने की। उन्होंने कहा कि छात्रों के आंदोलन को दबाने के लिए पुलिस कार्रवाई लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जबरन हिरासत में लेकर उनकी भूख हड़ताल समाप्त कराने का प्रयास लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। सभा को जिला कमेटी सदस्य किरण कुमार एवं राजू विश्वकर्मा ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने केंद्र सरकार से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, सोनम वांगचुक की तत्काल रिहाई और छात्रों के आंदोलन पर पुलिस कार्रवाई बंद करने की मांग की। विरोध जुलूस का नेतृत्व कॉमरेड आरपी सिंह चंदेल ने किया। मौके पर किरण कुमार, राजू विश्वकर्मा, रामेश्वर उरांव, अशोक सिंह, दिगंबर रजक, परमेश्वर उरांव, बाबूलाल उरांव, जगदीश पासवान, कृष्णा गिरी, बलराज राम सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता शामिल थे।

अस्पताल कैंपस से मिला दो अज्ञात लोगों का शव चिंता का विषय

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। आधुनिक युग में जहां पाश्चात्य संस्कृति हावी है वही समाज में मानवीय वेदना, संवेदना और इंसानियत के भाव का भी आभाव दिखता है। हजारीबाग जिसे अमन-चैन और सौहार्दपूर्ण वातावरण के लिए जाना जाता रहा है लेकिन कुछ ऐसी घटनाएं घटती है जो इस सामाजिक सौहार्द के लिए भविष्य में चिंता का सबब बन जाती है। ताजा उदाहरण है हजारीबाग शहर और आसपास के विभिन्न थाना क्षेत्रों से बीते एक सप्ताह के दौरान 7 शव लावारिश अवस्था में बरामद हुए। इन घटनाओं ने पूरे हजारीबाग को झकझोर कर रख दिया है। सबसे अधिक चिंतनीय बात यह है कि इनमें से 5 शव अब भी अज्ञात है और उनके पहचान के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में मोर्चुरी पर रखा गया है। अबतक इनकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिसिया जाँच के साथ ये समाज के सामने एक अत्यंत ही गंभीर और ज्वलंत सामाजिक प्रश्न खड़े करता है कि आखिर इन शवों का पहचान हो पाएगा भी या नहीं? या कई लावारिश शवों की तरह ही इनका भी अंतिम संस्कार हो जाएगा और ये काल के गाल में हमेशा के लिए लुप्त हो जाएंगे ।

ऐसे इन सभी शवों को पुलिस की मौजूदगी में मुक्तिधाम सेवा संस्थान के सचिव सह वार्ड पार्षद प्रतिनिधि नीरज कुमार ने बड़े मशक्कत के बाद सम्मानपूर्वक उठाकर फिलवक्त पहचान के लिए रखवाया है। अब सवाल यह उठता है कि इनका अंतिम संस्कार करके क्या हम अपने सामाजिक दायित्व से मुक्त हो सकते हैं? या फिर हमें उन कारणों की तलाश भी करनी चाहिए।

प्रसूता की मौत पर न्याय मांगने वाले भाजपा नेताओं के खिलाफ दमन : प्रतुल

नवीन मेल संवाददाता

जामताड़ा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने प्रदेश मुख्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि एक प्रसूता की कथित लापरवाही से हुई मौत के खिलाफ आवाज उठाने वाले भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने के लिए झारखंड सरकार पुलिस का घोर दुरुपयोग कर रही है। सरकार ने लोकतांत्रिक विरोध का जवाब देने के बजाय जामताड़ा भाजपा के जिला अध्यक्ष सुमित शरण एवं अन्य नेताओं के यहां घर पर पुलिस को भेज कर उनके परिजनों के साथ दुर्दांत अपराधी की तरह सलूक किया।उन्होंने कहा कि जिस सरकार को रीना देवी नामक प्रसूता की मौत के मामले में जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए थी, वह न्याय की मांग करने वालों पर ही कार्रवाई करने में जुटी है। यह बताता है कि झारखंड सरकार जनता के सवालों का जवाब देने के बजाय सवाल उठाने वालों को चुप कराना चाहती है। उन्होंने कहा कि सुमित शरण और अन्य भाजपा के नेताओं का यही गुनाह था कि वह जनता की आवाज को बुलंद कर रहे थे। जामताड़ा पुलिस ने जिस तरीके से सुमित शरण जी के घर पर छापेमारी की और परिजनों से बदसलूकी की वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।जामताड़ा की पुलिस मंत्री इरफान अंसारी के इशारों पर नाच रही है जो कतई उचित नहीं है। नियम कानून का पालन सबको करना चाहिए। जामताड़ा पुलिस इरफान पुलिस ना बने। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता प्रतुल ने कहा कि सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पहलू है कि प्रदेश अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू जी के द्वारा इस मसले पर डीजीपी से संपर्क किया गया । डीजीपी के द्वारा उनका फोन नहीं उठाना और मैसेज का जवाब नहीं देना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। सांसद का अपना प्रोटोकॉल होता है।प्रतुल ने कहा कि अफसरों को कानून और संविधान के दायरे में काम करना चाहिए सरकार का टूल किट बनकर नहीं रह जाना चाहिए। सरकारी आती जाती रहती है। आज उनकी है,तो कल हमारी भी हो सकती है। प्रतुल शाह देव ने कहा कि पुलिस को जिला अध्यक्ष समेत तमाम नेताओं को बीएनएस के द्वारा 35(3) के तहत नोटिस देकर बुलाना चाहिए था। लेकिन जिस तरीके से पुलिस ने रेड किया गया वह साफ दिख रहा है कि ये सरकार विपक्ष को डराने की कोशिश कर रही है।

108 एंबुलेंस लापरवाही मामला में थाना प्रभारी पहुंचे मृतक के घर

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले में 108 एंबुलेंस सेवा में कथित लापरवाही से हुई मरीज की मौत के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। सोमवार को पटमदा थाना प्रभारी विष्णुचरण भोगता जांच के सिलसिले में जोड़सा गांव स्थित मृतक संतोष कुंभकार के घर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और घटना से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की। पूछताछ के दौरान परिजनों ने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया था तथा अंतिम संस्कार गांव के श्मशान घाट में कर दिया गया था। इसके बाद थाना प्रभारी श्मशान घाट पहुंचे और वहां से राख के नमूने एकत्र किए।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़

ई० अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना
ई–निविदा सं० :*RDSD/RAMGARH/09/2026-27*
1.कार्य की विस्तृत विवरणी :–DMFT मद अन्तर्गत।

क्र	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखण्ड	पंचाययत/ग्राम	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि (रू०)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू०)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	RDSD/RGH/09/ 2026-27, GR No. 01	गोला	चोकाद	चोकाद पंचायत चक्रवाली सार्वजनिक स्थल में पेवर ब्लॉक का निर्माण।	373200	8000	750	03 (तीन माह)
2	RDSD/RGH/09/ 2026-27, GR No. 02	गोला	सरगडीह	सरगडीह पंचायत के ग्राम डीमरा में P.W.D रोड़ से स्वर्ण रेखा नदी तक पी०सी०सी० पथ निर्माण।	9752100	196000	10000	03 (तीन माह)

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– दिनांक 27.07.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक 27.07.2026 से 03.08.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 05.08..2026 अपराह्न 02:00 बजे।
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़।
7. ई निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० :– 7488152930
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है। तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संबंधित संवेदक की होगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट ***Jharkhandtenders.gov.in*** एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,रामगढ़

PR 385377 (Rural Development)26-27*D

विशेष मांग देवघर के विकास को मिलेगी नई रफ्तार, केंद्रीय मंत्री से मिले मेयर रवि राउत, कहा

देवघर को राष्ट्रीय स्तर के धार्मिक पर्यटन केंद्र बनाने में सहयोग करें

● मेयर रवि राउत ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि देवघर देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक बाबा बैद्यनाथ धाम की नगरी है

नवीन मेल संवाददाता

देवघर। बाबा नगरी देवघर के समग्र विकास को लेकर नगर निगम ने केंद्र सरकार के समक्ष बड़ी मांग रखी है। नई दिल्ली में देवघर के मेयर रवि राउत ने केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर शहर के लिए विशेष वित्तीय पैकेज की मांग की। इस दौरान उन्होंने बाबा बैद्यनाथ धाम की पहचान माने जाने वाले शिवलिंग का आकर्षक फोटो फ्रेम केंद्रीय मंत्री को भेंट किया और देवघर की प्रमुख समस्याओं से विस्तार से अवगत कराया। इस मुलाकात के दौरान मेयर ने शहर में लगातार बनी रहने वाली पेयजल संकट, जलापूर्ति व्यवस्था, सीवरेज, जलजमाव, ट्रैफिक प्रबंधन, कचरा निस्तारण और शहर के सौंदर्यीकरण जैसे अहम मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। साथ ही केंद्र प्रायोजित योजनाओं की लंबित राशि जल्द जारी करने का भी आग्रह किया, ताकि विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके। देवघर मेयर रवि राउत ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि देवघर देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक बाबा बैद्यनाथ धाम की नगरी है। जहां प्रतिदिन हजारों और श्रावणी मेले के दौरान लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में शहर के बुनियादी ढांचे को राष्ट्रीय स्तर के धार्मिक पर्यटन केंद्र के अनुरूप विकसित करने के लिए केंद्र सरकार के विशेष सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने देवघर के लिए विशेष पैकेज उपलब्ध कराने की मांग करते हुए कहा कि इससे शहर की आधारभूत सुविधाओं और सौंदर्यीकरण को नई पहचान मिलेगी। मेयर ने केंद्रीय मंत्री को श्रावणी मेला-2026 की तैयारियों की भी जानकारी दी और बताया कि नगर निगम श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य कर रहा है। बता दें कि ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ मेयर के 11 सदस्यीय उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की। जिसमें देवघर के मेयर रवि राउत मुख्य रूप से शामिल रहे। अब शहरवासियों की नजर इस बात पर है कि इस मुलाकात के बाद देवघर को केंद्र सरकार से विकास की कौन-सी नई सौगात मिलती है।

राष्ट्रीय नवीन मेल

एसआइआर करते सरकारी गुरूजी व चमकते प्राइवेट स्कूल

इंडिया
सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

झारखंड में विद्यालय स्तर की निजी शिक्षा व्यवस्था ने एक बड़े उद्योग का रूप ले लिया है और बड़े व्यावसायिक घराने तक भारी भरकम पूंजी लगाकर स्कूल खोल रहे हैं जबकि कभी बड़े सरकारी अधिकारी से लेकर सफल नागरिक देने वाले सरकारी विद्यालय करोड़ों खर्च कर भी परिणाम नहीं देने के कारण हाशिए पर चले गए हैं। यूनेस्को की रिपोर्ट में भारत की विद्यालयी शिक्षा पर चिंता व्यक्त की है तो यह हमारे लिए आत्म मंथन का समय है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पूरे देश में एक लाख स्कूल केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। पूरे देश में 11.16 लाख शिक्षकों के पद रिक्त हैं, जिसमें 69 प्रतिशत पद ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की दशा और दिशा को समझने के लिए ये आंकड़े पर्याप्त हैं।भारत जैसे असमान विकास और ग्रामीण बहुलता वाले देश में सरकारी स्कूल की विशेष महत्ता है, क्योंकि निजी स्कूल अपने विस्तार में सीमित और स्वरूप में अर्थ-केंद्रित होते हैं। लेकिन विडंबना देखिए कि जहां सरकारी स्कूल उपेक्षा के शिकार हैं, वहीं निजी स्कूल के प्रति आकर्षण बढ़ता जा रहा है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि सरकारी स्कूल हमारे उद्देश्यों के अनुरूप सफल नहीं हो पाए हैं, लेकिन इसके लिए केवल सरकारी स्कूलों को उत्तरदायी ठहराना उचित नहीं होगा, अपितु इसके लिए हमारा सोच, हमारा घरेलू और सामाजिक परिवेश भी जिम्मेदार है, जिसमें निजी स्कूल में पढ़ने वाले को एक सामाजिक प्रतिष्ठा की दृष्टि से तथा सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले को अपेक्षाकृत तिरष्कृत दृष्टि से देखा जाता है, भले ही उसमें पढ़ने वाले बच्चे कितने भी प्रतिभाशाली क्यों न हों। उपभोक्तावाद के इस युग में प्रतिभा से ज्यादा 'मार्केटिंग' और प्रतिष्ठा महत्व रखती है, जिसमें सरकारी स्कूल पिछड़ जाते हैं। समय-समय पर इस अंतराल को कम करने की कोशिश की जाती है, लेकिन दुर्भाग्यवश वे सफल नहीं हो पाते। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अगस्त 2015 में अपने एक निर्णय में यह आदेश दिया था कि उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव अगले छह माह में योजना तैयार करें कि कैसे सरकारी कर्मचारियों और लोक सेवकों के बच्चे केवल सरकारी स्कूलों में पढ़ेंगे। देश के अभिजात्य वर्ग ने इसे अपने 'स्टेटस' पर एक प्रहार माना और यह आदेश महज एक कागजी पत्र बनकर रह गया।निजी स्कूलों की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ रही है और कुछ लोगों की दृष्टि में वे 'सफलता के नए प्रतिमान' गढ़ रहे हैं। लेकिन यह भी सच है कि हमारे सारे निजी संस्थान मिलकर भी प्रतिभाशाली विचारक, विज्ञानी आदि पैदा नहीं कर सकते। हमें याद रखना चाहिए कि भारतीय परिवेश से दूर निजी विद्यालय नौकरी और व्यवसाय के लिए फिट अभ्यर्थी दे सकते हैं पर जमीनी सच्चाईयों से अवगत नहीं करा सकते जिस कारण उन्हें योग्य नागरिक नहीं कहा जा सकता । कुछ दिनों पूर्व के सीबीएसई बोर्ड के नतीजों से पता चला है कि दिल्ली सरकार के स्कूलों, केंद्रीय विद्यालय संगठन और जवाहर नवोदय विद्यालयों ने पिछले बार की तुलना में 10वीं और 12वीं दोनों बोड्र्स में शानदार प्रदर्शन किया है। शिक्षाविदों का मानना है कि सरकारी स्कूलों की सफलता आश्चर्यजनक नहीं है क्योंकि वे अपने छात्रों का समर्थन करने के लिए अतिरिक्त प्रयास कर रहे हैं।सरकारी स्कूलों में चाहे कम प्रतिभाशाली छात्र हों या फिर ज्यादा, सब पर ध्यान दिया जाता है। स्कूलों की तरफ से कमजोर छात्रों को स्कूल के बाद अतिरिक्त कक्षाएं भी लगाई जाती हैं। जिसके चलते एक्स्ट्रा क्लासेज की भी जरूरत नहीं पड़ती है। संयम भारद्वाज, नियंत्रक, परीक्षा, सीबीएसई, कहते हैं, "केवीएस और जेएनवी में अच्छे शिक्षकों की भर्ती एक कड़ी चयन प्रक्रिया के माध्यम से की जाती है। इसके विपरीत पैरवी और राजनीतिक बाध्यता के कारण बहाल शिक्षक गुणवत्ता नहीं दे पाते जबकि राज्य सरकारों के विद्यालय के शिक्षकों को जनगणना, पशुगणना, वोटर लिस्ट से लेकर एसआइआर बनाने से लेकर गंगा सफाई अभियान, हाथ धुलाई अभियान, पौधरोपण अभियान,विश्व योगा अभियान,अग्निपथ योजना प्रसार अभियान,स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड प्रचार प्रसार रिपोर्ट भेजने के कार्यों में लगा दिया जाता है, पाठ्य पुस्तकें समय पर छपकर नहीं आतीं जैसे कारणों से पढ़ाई का माहौल और समय नहीं बचता और परिणाम निराशाजनक होते हैं। 2023 से पीएमश्री आदर्श विद्यालय की बात नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सभी राज्यों से यह गारंटी लेने की बात कही गई थी, जिनमें शिक्षकों को किसी भी गैर-शैक्षणिक कार्य में न लगाया जाए शामिल था पर यह मात्र घोषणा बनकर रह गई । एसआइआर या जनसंख्या जैसे कार्यों के लिए अलग से नियुक्ति होनी चाहिए।

विचार प्रवाह केवल आप स्वयं ही अपने लिए उत्तरदायी हैं। अंतिम निर्णय के दिन अन्य कोई भी व्यक्ति आपके कर्मों के लिये उत्तरदायी नहीं होगा। इस संसार में - उस क्षेत्र में जहाँ आप अपने पूर्व कर्मानुसार स्थित हैं- आपके कार्य को पूर्ण करने वाला केवल एक व्यक्ति है आप स्वयं। आपके कार्य को "सफलता" की संज्ञा तभी दी जा सकती है जब किसी-न-किसी रूप में उससे जन-मानस की सेवा होती हो। - **स्वामी विवेकानंद जी**

आधुनिकता की अंधी दौड़ में सड़ती हमारी जड़ें

आज की बात
अशोक 'प्रवृद्ध'

> सनातन संस्कृति का मूल केंद्र त्याग और अपरिग्रह रहा है, किंतु आज धर्म और आध्यात्मिकता का स्वरूप विकृत होकर विशुद्ध व्यावसायिकता में बदल चुका है। ईश्वर के प्रति अगाध श्रद्धा का स्थान अब धार्मिक पर्यटन और सोशल मीडिया रील्स ने ले लिया है

सभ्यताएं केवल ईंट, पत्थरों और कंक्रीट के गगनचुंबी अट्टालिकाओं से निर्मित नहीं होतीं। उनका वास्तविक प्राणतत्व उनकी संस्कृति, नैतिक मूल्य, जीवनदर्शन और वे शाश्वत परंपराएं हैं जो पीढ़ीदरपीढ़ी समाज को जीवंत और अनुशासित रखती हैं। भारतीय वांग्मय में संस्कृति को चित्त की शुद्धिऔर सामूहिक अभ्युदयका साधन माना गया है। किंतु वर्तमान इक्कीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में, वैश्वीकरण और अनियंत्रित उपभोक्तावाद की आंधी ने हमारी उस अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर को इस सीमा तक झकझोर दिया है कि आज समाज में चारों ओर सांस्कृतिक अवक्षय का विद्रूप प्रदर्शनअत्यंत नग्न और भयावह रूप में दिखाई दे रहा है। यह अवक्षय किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने हमारे धर्म, भाषा, पारिवारिक संबंधों, कला और मानवीय संवेदनाओं को अपनी चपेट में ले लिया है। सनातन संस्कृति का मूल केंद्र त्याग और अपरिग्रह रहा है, किंतु आज धर्म और आध्यात्मिकता का स्वरूप विकृत होकर विशुद्ध व्यावसायिकता में बदल चुका है। ईश्वर के प्रति अगाध श्रद्धा का स्थान अब धार्मिक पर्यटनऔर सोशल मीडिया रील्स ने ले लिया है। गर्भगृहों की शांति और शुचिता पर आधुनिक तकनीकों और कैमरों का अनियंत्रित आक्रमण इसका सबसे बड़ा विद्रूप है। जैसा कि हाल के वर्षों में देखा गया है, मंदिरों में चढ़ावे और प्राचीन मूर्तियों की चोरी की बाढ़ आ गई है। जब समाज ईश्वर के विग्रह को साक्षात् चैतन्य न मानकर केवल एक मूल्यवान धातुया धनार्जन का साधन समझने लगे, तो वह सांस्कृतिक मृत्यु का कालखंड होता है। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति की संवाहिका होती है। संस्कृत निष्ठ हिंदी और क्षेत्रीय बोलियों की कोख से उपजे संस्कार आज दम तोड़ रहे हैं। आधुनिक दिखने की होड़ में युवा पीढ़ी न तो पूर्णतः अंग्रेजी सीख पा रही है और न ही अपनी मातृभाषा के प्रति गौरव का अनुभव करती है। हिंग्लिश के नाम पर जो भाषाई खिचड़ी परोसी जा रही है, उसने हमारे साहित्य और लोक-संस्कृति के रस को सुखा दिया है। भाषा बदलने से विचार बदलते हैं। जब प्रणाम और चरणस्पर्श का स्थान यांत्रिक हाय-बायले लेता है, तो रिश्तों की ऊष्मा और बड़ों के प्रति आदर का भाव स्वतः ही विलीन हो जाता है। वसुधैव कुटुम्बकम् और संयुक्त परिवार की अवधारणा भारतीय समाज की रीढ़ थी। आज उपभोक्तावादी संस्कृति ने मनुष्य को अत्यधिक आत्मकेंद्रित बना दिया है। माता-पिता को देवतुल्य मानने वाली संस्कृति में वृद्धाश्रमों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि समाज के माथे पर कलंक है। यह इस बात का जीवंत प्रमाण है कि हमारी चेतना कितनी संवेदनहीन हो चुकी है। विवाह जैसे पवित्र और सात जन्मों के अटूट बंधन को आज एक अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) की तरह देखा जाने लगा है। सहनशीलता के अभाव और त्वरित आत्म-संतुष्टि की चाह ने पारिवारिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर दिया है। सांस्कृतिक अवक्षय का सबसे घिनौना और विद्रूप प्रदर्शन आज डिजिटल पटल (इंटरनेट और सोशल मीडिया) पर दिखाई देता है। कला, संगीत और सिनेमा, जो कभी समाज को दिशा दिखाते थे, आज केवल व्यूजऔर लाइकबटोरने के सस्ते साधन बन गए हैं। रील्स और शॉर्ट्स के इस युग में सरेराह फूहड़ता का प्रदर्शन करने को स्वतंत्रता और आधुनिकता का नाम दिया जा रहा है। ज्ञान और गंभीर चिंतन का स्थान 15 सेकंड के सतही और भ्रामक वीडियोज ने ले लिया है। युवा पीढ़ी वैचारिक रूप से खोखली और मानसिक रूप से अवसादग्रस्त हो रही है। इस सांस्कृतिक अंधकार से निकलने का एकमात्र मार्ग अपनी जड़ों की ओर लौटना है। इसके लिए मूल्य आधारित शिक्षा, सामूहिक उत्तरदायित्व, स्वाभिमान का जागरण जैसे आवश्यक कदम अनिवार्य रूप से उठाये जाने की सख्त जरूरत है।

शिक्षा प्रणाली में केवल व्यावसायिक कौशल नहीं, बल्कि नैतिक, चारित्रिक और सांस्कृतिक मूल्यों का समावेश अनिवार्य रूप से किया जाए। बौद्धिक वर्ग, अभिभावकों और सामाजिक संस्थाओं को आगे आकर फूहड़ता का बहिष्कार करना होगा और अपनी गौरवशाली परंपराओं को आधुनिक संदर्भों में प्रासंगिक बनाकर युवा पीढ़ी के सम्मुख प्रस्तुत करना होगा। जब तक हम अपनी भाषा, भेष और भोजन पर गर्व करना नहीं सीखेंगे, तब तक हम पश्चिम के इस मानसिक उपनिवेशवाद से मुक्त नहीं हो सकते। सांस्कृतिक अवक्षय का यह विद्रूप प्रदर्शन वास्तव में हमारी सामूहिक अकर्मण्यता और आत्मविस्मृति का परिणाम है। यदि हम अब भी नहीं जागे, तो हम एक ऐसी यांत्रिक और संवेदनहीन सभ्यता में बदल जाएंगे जिसके पास शरीर तो होगा, किंतु उसकी आत्मा मर चुकी होगी। शाश्वत सत्य यही है कि जो समाज अपनी संस्कृति को सुरक्षित नहीं रख पाता, इतिहास के पन्नों से उसका अस्तित्व ही मिट जाता है। अपनी अस्मिता की रक्षा हेतु सांस्कृतिक पुनर्जागरण का यह शंखनाद आज समय की सबसे बड़ी पुकार है।

उल्लेखनीय है कि सांस्कृतिक अवक्षय और देवालयों में बढ़ती चौर्यवृत्तियों का यह विद्रूप परिदृश्य वास्तव में किसी सभ्यता के ढहते हुए कंगूरों का चेतावनीगीत है। पाश्चात्य अंधानुकरण, अनियंत्रित अर्थ-लिप्सा और अभूतपूर्व भौतिकवादी आकांक्षाओं ने मानव को अपनी ही जड़ों को काटने वाले कुल्हाड़े में परिवर्तित कर दिया है। जब समाज अपने आराध्य की संपदा में केवल धातु और अपनी गौरवशाली संस्कृति में केवल पुरातनता देखने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि संकट केवल व्यवस्था का नहीं, अपितु अंतःकरण की चेतना का है। किंतु, सनातन का इतिहास साक्षी है कि विकृतियों के घने अंधकार के पश्चात ही सुधार का अरुणोदय होता है। यह अवक्षय अंतिम सत्य नहीं है; यह केवल एक संक्रमण काल है जो जनमानस को आत्मअवलोकन और पुनर्जागरण के लिए विवश कर रहा है। इस सांस्कृतिक अंधकूप से निकलने का मार्ग किसी बाहरी चमत्कार से नहीं, वरन सामूहिक आत्मबोध से प्रशस्त होगा। राज्य सरकारों को देवालयों को मात्र राजस्व संग्रहण का साधन समझना बंद कर, उनकी आध्यात्मिक शुचिता और अभेद्य सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। समाज को अपनी भाषा, पारिवारिक मर्यादाओं और नैतिक मूल्यों को आधुनिकता की वेदी पर बलि चढ़ाने से रोकना होगा। नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाना केवल माता-पिता का नहीं, अपितु संपूर्ण सामाजिक परिवेश का दायित्व है।"धर्मो रक्षति रक्षितः" का शाश्वत सत्य आज भी उतना ही अकाट्य है जितना सतयुग में था। यदि हम अपनी संस्कृति, अपने देवस्थानों और अपनी नैतिक संप्रभुता की रक्षा के लिए सन्नद्ध नहीं होंगे, तो आने वाला इतिहास हमें कभी क्षमा नहीं करेगा। भौतिक समृद्धि आवश्यक है, परंतु वह जब तक नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों के अंकुश में न हो, तब तक वह केवल विनाश को आमंत्रण देती है। अतः समय की पुकार है कि हम आधुनिकता और परंपरा के मध्य एक ऐसा सुदृढ़ सेतु निर्मित करें जहां तकनीक हमारी सुरक्षा करे और संस्कार हमारी चेतना को आलोकित करें। भारतीय संस्कृति की अमरता इसी समन्वय में निहित है, और यही इस देश की शाश्वत नियति भी है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

चलता फिरता लोटा

अलग बात
कुमार कृष्णन

भारतीय लोकतंत्र में यदि कोई बर्तन सबसे अधिक सफल हुआ है, तो वह लोटा है। लोटा इसलिए नहीं कि उसमें पानी रखा जाता है, बल्कि इसलिए कि वह किसी भी दिशा में लुढ़क सकता है। उसकी कोई स्थायी दिशा नहीं होती, केवल अवसर की ढलान होती है। राजनीति में भी एक पूरी बिरादरी है-लोटा किस्म के लोग। इनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनके विचार मौसम विभाग की भविष्यवाणी से भी तेज बदलते हैं। सुबह जिस नेता को लोकतंत्र का सबसे बड़ा खतरा बताते हैं, शाम तक उसी के साथ सेल्फी डालकर लिखते हैं-दूरदर्शी नेतृत्व के साथ सार्थक चर्चा। लोटा कभी किसी विचारधारा का नहीं होता। वह केवल गुरुत्वाकर्षण का होता है। राजनीति में उसका गुरुत्वाकर्षण सत्ता होती है। जहां सत्ता झुकी, लोटा वहीं लुढ़क गया। इन लोगों की स्मृति भी अद्भुत होती है। सत्ता बदलते ही इन्हें अपना पुराना भाषण याद नहीं रहता। कल तक जो कहते थे कि "यह सरकार देश बर्बाद कर देगी", आज उसी सरकार की

उपलब्धियों पर 25 मिनट का व्याख्यान दे देते हैं। और चेहरे पर शिकन तक नहीं आती। लोटा किस्म के लोग कभी इस्तीफा नहीं देते, वे केवल "वैचारिक पुनर्जन्म" लेते हैं। हर दल में जाने के बाद कहते हैं-"मैं तो शुरू से इसी विचारधारा से प्रभावित था।" सुनने वाले भी मुस्कुरा देते हैं, क्योंकि उन्हें पिछली बार का यही बयान याद होता है।

सोशल मीडिया ने तो इनका जीवन और आसान कर दिया है। पुरानी पोस्ट डिलीट करो, नई डीपी लगाओ और लिख दो-देशहित में बड़ा फैसला। मानो देश का हित इनके पार्टी बदलने की तारीख का इंतजार कर रहा था। ऐसे लोग हर संस्था में मिल जाएंगे। राजनीति में, साहित्य में, पत्रकारिता में, समाजसेवा में, यहां तक कि मोहल्ले की समिति में भी। इनका सिद्धांत बहुत सरल है-जहां लाभ, वहीं प्रभाव। इनकी निष्ठा व्यक्ति से नहीं, पद से होती है। कुर्सी खाली होते ही सम्मान भी खाली हो जाता है। जिस व्यक्ति के लिए कल तक फूलों की माला लेकर खड़े थे, आज उसके फोन तक नहीं उठाते। लोटे की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह कभी टूटता नहीं, केवल चमक बदलता है। पीतल का हो तो पीतल का, स्टील का हो तो स्टील का। राजनीति में भी यही नियम है। पार्टी बदलिए, विचार बदलिए, नारे बदलिए, लेकिन चेहरा वही रखिए-"जनसेवक" का। समस्या लोटे से नहीं है। वह तो बर्तन है, अपना स्वभाव निभाता है। समस्या तब शुरू होती है जब समाज चरित्र को नहीं, लुढ़कने की कला को सफलता मानने लगता है। लोकतंत्र की मजबूती विचारों की दृढ़ता से आती है, अवसरवाद की फिसलन से नहीं। इसलिए अगली बार जब कोई व्यक्ति हर बदलती सत्ता के साथ खुद को भी बदलता दिखाई दे, तो उसे गाली मत दीजिए। बस मुस्कुराइए और मन ही मन कहिए। "अरे, यह इंसान नहीं... लोकतंत्र का चलता-फिरता लोटा है।"

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात
ऐसा कभी सोचा न था

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

शाम के साढ़े सात बज रहे थे। चाय की दुकान पर केतली से उठती भाप ने दुकान के मालिक, मंगत राम के चेहरे को धुंधला कर दिया था। लेकिन नौ साल के छोटू के लिए दुनिया कभी धुंधली नहीं थी। वह इतनी साफ थी कि उसकी नंगी आंखों में सीधे चुभती थी। जहां जिंदगी चाय के कुल्हड़ में तैरती मलाई जैसी होती है, दिखने में तो अच्छी, पर गटक जाओ तो स्वाद गायब, छोटू की कहानी भी कुछ ऐसी ही थी। छोटू का असली नाम क्या था, यह बात सरकारी कागजों के उस ढेर में दफन थी जिसे दीमकें कब का अपना लंच बना चुकी थीं। अनाथालय की दीवारें वैसी ही थीं जैसी हमारे देश की व्यवस्था। ऊपर से पुती हुई, अंदर से सीलन से भरी। वह अक्सर अपने फटे हुए कुर्ते की आस्तीन से नाक पोंछते हुए सोचता कि अनाथ होना भी एक टैलेंट है साहब, कम से कम आपको यह चिंता नहीं होती कि पापा पैरेंट-टीचर मीटिंग में आकर बेइज्जती कराएंगे। दर्द अगर सीधा दिल पर लगता, तो नौ साल का यह ढांचा कब का भरभरा कर ढह गया होता। लोग कहते हैं बच्चे भगवान का रूप होते हैं, लेकिन छोटू को देखकर लगता था कि भगवान ने यह रूप बनाकर उसका एड्रेस लिखना भूल गए हैं। सर्दियों की वह रात कसाई की छुरी जैसी पैनी थी। हवाएं ऐसे चल रही थीं जैसे किसी ने मुहावरों की किताब से 'खून जमा देने वाली ठंड' को हकीकत में बदल दिया हो। छोटू एक बंद दुकान के शटर के नीचे दुबका था। उसका पेट ऐसे सुर लगा रहा था जैसे कोई नौसिखिया उस्ताद टूटी हुई सारंगी बजा रहा हो। तभी शहर के सभ्य बाबूजी वहां से गुजरे। शॉल में लिपटे, मफलर से कान बांधे। छोटू को देखकर थिटके और बोले, "बेटा, तुम्हारे माता-पिता कहां हैं?" मानो कोई क्विज कॉन्टेस्ट चल रहा हो। छोटू ने मुस्कुरा कर देखा। उसकी आंखों में दर्द का एक समंदर था, लेकिन होंठों पर तीखा तंज तैर गया, "बाबूजी, वो जरा भगवान जी के यहां वीआईपी गेस्ट बनकर गए हैं। लौटते में शायद थोड़ा लेट हो जाएंगे। तब तक के लिए क्या आप इस भगवान के रूप को दस रुपये की चाय पिलाएंगे?" बाबूजी ऐसे बिदके जैसे किसी ने उनकी जेब में जलता हुआ कोयला डाल दिया हो। वे तुरंत नौ दो ग्यारह हो गए। छोटू ने ठंडी सांस ली। हमदर्दी मुफ्त मिलती है, लेकिन समोसे के लिए नकद नारायण चाहिए होते हैं। छोटू के पास अपनी मां की कोई तस्वीर नहीं थी। उसके दिमाग में मां का बिम्ब बस एक धुंधली सी खुशबू था। सस्ती सी लाउंड्री साबुन और गीली मिट्टी की जुगलबंदी जैसी खुशबू। जब भी उसे बहुत तेज भूख लगती, वह अपनी आंखें बंद कर लेता और उस खुशबू को सूंघने की कोशिश करता। मगर पेट की भूख कमबख्त बड़ी सगी होती है, वह किसी बिम्ब या उपमा को नहीं मानती।

राष्ट्रीय नवीन मेल
धर्म-अध्यात्म
प्रतिज्ञापन और प्रार्थना की शक्ति

श्री श्री परमहंस योगानंद

जब आपका आनन्द सच्चा होता है तब आप मुस्कराहटों के धनी होते हैं। सच्ची मुस्कराहट ब्रह्माण्डीय शक्ति, प्राण, को शरीर की प्रत्येक कोशिका में भेजती है। प्रसन्न मनुष्य रोग का कम शिकार होता है क्योंकि आनन्द ब्रह्माण्डीय प्राणशक्ति को शरीर में, वास्तव में, अधिक मात्रा में खींच लेता है। मन के द्वार पर बन्धन की सभी जंजीरें और मुक्ति की कुंजियाँ भी रहती हैं। मन की शक्ति में ईश्वर की अचूक शक्ति होती है; और उसी शक्ति को आप अपने शरीर में चाहते हैं। और उस शक्ति को शरीर में लाने का एक तरीका भी है। वह तरीका है, ध्यान में ईश्वर से सम्पर्क करना। जब आपका ईश्वर के साथ सम्पर्क परिपूर्ण होता है तब रोग-निवारण सदा के लिए हो जाता है। अतीत में आपको अपनी प्रार्थनाओं का उत्तर न मिलने से निराशा हुई होगी, परन्तु विश्वास मत खोइए।... ईश्वर कोई मूक, भावनारहित प्राणी नहीं हैं। वे तो साक्षात् प्रेम हैं। यदि आपको पता हो, कि उनके साथ सम्पर्क करने के लिए किस तरह ध्यान किया जाता है, तो वे आपकी प्रेमभरी मांगों की पूर्ति करेंगे। हमारी आवश्यकताओं की प्रकृति के अनुसार प्रार्थना कैसे और कब करनी चाहिए, इसे ठीक-ठीक जान लेने से ही इच्छित परिणाम प्राप्त होते हैं। जब सही विधि का प्रयोग किया जाता है, तो यह ईश्वर के उचित नियमों को चालित करती है; इन नियमों का संचालन वैज्ञानिक रूप से परिणाम लाता है। प्रार्थना का पहला नियम है कि ईश्वर से केवल उचित इच्छाओं के लिए ही प्रार्थना करना। दूसरा नियम यह है कि उनकी पूर्ति की मांग किसी भिखारी की तरह नहीं, बल्कि ईश्वर का पुत्र होने के नाते करें: "मैं आपका बच्चा हूं। आप मेरे पिता हैं। आप और मैं एक हैं।" जब आप गहराई से और निरन्तर प्रार्थना करेंगे तो आपको अपने हृदय में एक महान् आनन्द उमड़ता हुआ अनुभव होगा।

-पुस्तक जहां है प्रकाश से साभार

फेसबुक वॉल से

एक्स से

ठेकुआ की वैश्विक यात्रा : स्वाद बना भारत की सांस्कृतिक कूटनीति का दूत

देश की बात
केदारनाथ दास

यह घटना 15 जून 2026 की है। इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्लोवाकिया दौरे पर थे। इस दौरे के लगभग एक महिने बाद प्रधानमंत्री की यह यात्रा फिर से ट्रेंड कर रहा है। ऐसा इसलिए कि अपने इस यात्रा के दौरान श्री मोदी जब वहां के नेताओं से मुलाकात कर रहे थे तब स्लोवाकिया नेशनल काउंसिल के अध्यक्ष रिचर्ड रसी को उन्होंने बिहार की पारंपरिक मिठाई ठेकुआ भेंट की थी। भेंट का यह संदर्भ 14 जुलाई 2026 को फिर से अचानक चर्चा में आ गया क्योंकि मिस्टर रिचर्ड ने ठेकुआ के पैकेट को खोलकर इसे चखने का एक वीडियो साझा कर दिया। उनके द्वारा पोस्ट किया गया यह वीडियो देखते देखते सोशल मीडिया में तेजी से वायरल होता चला गया। वैसे तो वैश्विक स्तर पर ऐसे कई वीडियो वायरल होते रहते हैं परन्तु यह वीडियो कुछ अलग था। यहां इस वायरल वीडियो के इनसाइड स्टोरी को समझने की जरूरत है। बताते चलें कि अंतरराष्ट्रीय संबंध केवल समझौतों, निवेश और रणनीतिक साझेदारियों से भर गति नहीं पकड़ते बल्कि यह संस्कृति, परंपरा और आत्मीयता के बूते भी मजबूत हुआ करते हैं। भारतीय संदर्भ की बात करें तो इस वीडियो का अपना एक अलग ही महत्व है क्योंकि स्लोवाक नेता ने न केवल ठेकुआ का स्वाद लिया बल्कि उसे भारत की संस्कृति का प्रतीक बताते हुए सार्वजनिक रूप से इसकी सराहना भी की। मिस्टर रिचर्ड का यह वीडियो आज दुनिया भर में जब जनचर्चा का विषय बन गया है तो इसे एक छोटी सी प्रतिक्रिया के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए क्योंकि भारत की एक बड़ी शक्ति इसके सांस्कृतिक विविधता में भी अंतर्निहित रहा है। संदर्भ यह कि जिस तरह से योग, आयुर्वेद और भारतीय वस्त्रों ने विश्व

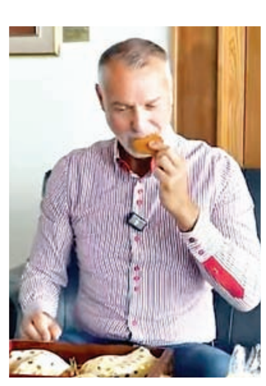

मंच पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है ठीक उसी प्रकार स्लोवाकिया से बाहर निकलते हुए एक साधारण से ठेकुआ ने आज इसे साबित करने का काम किया है कि भारतीय व्यंजन भी अब "सॉफ्ट पावर" का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनने की राह पर चल पड़ी है। उल्लेखनीय है कि विशेषकर बिहार, झारखंड व उत्तर प्रदेश से जुड़ा ठेकुआ केवल एक मिठाई भर नहीं है बल्कि इसे लोक-आस्था, पारिवारिक परंपरा और स्थानीय जीवन-दर्शन का एक सशक्त प्रतीक माना जाता है। ऐसे में भारतीय प्रधानमंत्री के द्वारा इसे राजनयिक उपहार के रूप में चुना जाना इस बात का संकेत है कि अब जाकर भारत अपनी स्थानीय विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में गंभीर होने लगा है। इतना ही नहीं, यह घटना उन लोगों के लिए भी प्रेरणा बन रहा है जो यह मानते हैं कि वैश्वीकरण के दौर में स्थानीय पहचान अंततः पीछे छूटती चली जाती है। वस्तुतः ऐसा कुछ भी नहीं है क्योंकि वैश्वीकरण के इस दौर में भी दुनिया उसी संस्कृति को सम्मान देता है जो अपनी जड़ों से जुड़ा रहना जानता है। ऐसे में, यदि इटली अपने पास्ता, जापान अपने सुशी और फ्रांस अपने चीज पर गर्व कर सकता है तो भारत भी ठेकुआ, लिट्टी-चोखा, ढोकला, इडली, डोसा, रसगुल्ला या अन्य पारंपरिक व्यंजनों के बूते सम्मान का हकदार बन ही सकता है। दूसरी ओर, यह भी सही है कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए केवल प्रतीकात्मक प्रस्तुति को पर्याप्त मान लेना कोई समाधान नहीं है। इसके लिए आवश्यकता इस बात की भी है कि इसका उपयोग स्थानीय कारीगरों, खाद्य उद्योग, पारंपरिक व्यंजनों के मानकीकरण और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भी किया जाए। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यदि ठेकुआ जैसा कोई पारंपरिक मिठाई अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुँच पाता है तो इससे बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लाखों छोटे उद्यमियों के लिए नए आर्थिक अवसर पैदा किए जा सकते हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ने पहले भी विभिन्न देशों के नेताओं को भारत की क्षेत्रीय कलाओं, हस्तशिल्प और पारंपरिक वस्तुओं को उपहार के रूप में देकर भारतीय सांस्कृतिक विविधता को विश्व के सामने प्रस्तुत करते हुए इनके लिए रोजगार की उम्मीद बनाए रखने का काम किया है। हो सकता है, भारतीय रणनीतिकारों की नजर में ठेकुआ उसी परंपरा की एक नई कड़ी बनकर सामने आई हो। इधर मिल रहे संकेतों की मानें तो ठेकुआ की स्लोवाकिया यात्रा हमें यह संदेश जरुर देती है कि किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक क्षमता भर में नहीं बल्कि उसकी सांस्कृतिक संपदा में भी कायम रहा करती है। ऐसे में, जब किसी देश की लोक परंपराएं विश्व मंच पर सम्मान पाती हैं तो वह केवल एक उत्पाद का नहीं होता बल्कि पूरी सभ्यता का सम्मान बनकर सामने होता है। मोदी जी ने शायद यही सबकुछ सोच विचार कर स्लोवाकिया के बहाने एक पहल का संकेत दिया है। इस संकेत को संकल्प में परिवर्तित करने की जरूरत है। अब इस पहल को यदि हम किसी व्यापक सांस्कृतिक व आर्थिक रणनीति से जोड़ने की चुनौती से जोड़ पाते हैं तो यकीनन ठेकुआ केवल झारखंड, बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश या छठ महापर्व से जुड़ा पकवान भर नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान का वैश्विक स्वाद बनकर सामने होगा। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

आज का दोहा

अजब गजब से खेल अब, दीख रहे कलिकाल।
घोड़ों पर दौड़े फिरें, बड़े बड़े घड़ियाल।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/00155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', सह कार्यकारी संपादक : प्रवीण कुमार दूबे*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : समाचार - news.rnmail@gmail.com, लेख - article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

संसद तक पहुंचने से पहले थमा 'कॉकरोच मार्च', दिल्ली बनी रणभूमि

आंसू गैस, बैरिकेड, हिरासत और सियासत... युवाओं के आंदोलन ने पहले ही दिन मानसून सत्र की तस्वीर बदल दी

उदय चंद्र सिंह

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन राजधानी दिल्ली सियासी टकराव का बड़ा मंच बन गई। हजारों युवाओं के 'संसद चलो' मार्च को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर से लेकर संसद मार्ग तक अभूतपूर्व सुरक्षा घेरा खड़ा कर दिया। बैरिकेड, वाटर कैनन, दंगा नियंत्रण वाहन, भारी पुलिस बल और कई स्थानों पर आंसू गैस के गोलों के बीच प्रदर्शनकारियों ने संसद की ओर बढ़ने की कोशिश की। नतीजा यह हुआ कि राजधानी के कई इलाकों में घंटों तक तनाव का माहौल बना रहा और संसद का पहला दिन सड़क पर चल रहे राजनीतिक संघर्ष के नाम रहा।

यह प्रदर्शन केवल एक विरोध मार्च नहीं था। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा पत्र लीक, युवाओं के भविष्य और सोनम वांगचुक के अनशन को लेकर पैदा हुए असंतोष ने 'कॉकरोच जनता पार्टी (CJP)' के बैनर तले एक व्यापक आंदोलन का रूप ले लिया है। आंदोलनकारियों ने संसद की ओर कूच कर केंद्र सरकार पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाई, लेकिन दिल्ली पुलिस ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि संसद मार्च की कोई अनुमति नहीं दी गई है और बिना अनुमति मार्च करने पर कानूनी कार्रवाई होगी। इसी के तहत नई दिल्ली जिले में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।

सोमवार सुबह जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में छात्र, युवा और आंदोलन समर्थक जुटने लगे। हाथों में तख्तियां, नारों और गीतों के साथ प्रदर्शनकारी जैसे ही संसद की ओर बढ़े, पुलिस ने उन्हें कई स्तर की बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। कुछ स्थानों पर प्रदर्शनकारी बैरिकेड पार करने का प्रयास करते दिखे, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें पीछे धकेला। हालात तब और तनावपूर्ण हो गए जब भीड़ और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की शुरू हुई। कई जगहों पर आंसू गैस के गोले छोड़े गए और प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। पुलिस का कहना है कि कार्रवाई केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई, जबकि आंदोलनकारियों ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण मार्च को बलपूर्वक रोका गया।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच आंदोलन को राजनीतिक समर्थन भी मिलने लगा। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता जंतर-मंतर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों के साथ एकजुटता दिखाई। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं के सवालों से बचने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल कर रही है, जबकि सरकार की ओर से यह संदेश दिया गया कि विरोध का अधिकार है, लेकिन कानून और सुरक्षा व्यवस्था से समझौता नहीं किया जा सकता। संसद के पहले ही दिन सड़क पर शुरू हुई यह राजनीतिक लड़ाई सदन के भीतर भी गूंजने के संकेत दे रही है।

दिनभर चले घटनाक्रम के बीच एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब केंद्र सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने आंदोलन के प्रतिनिधियों से बातचीत की। आंदोलन के नेताओं ने दावा किया कि सरकार ने उनकी मांगों पर चर्चा का भरोसा दिया है। हालांकि उन्होंने साफ कहा कि केवल आश्वासन से आंदोलन समाप्त नहीं होगा और ठोस निर्णय होने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

आंदोलन की पृष्ठभूमि भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। हाल के महीनों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक और भर्ती प्रक्रियाओं में देरी को लेकर युवाओं में असंतोष लगातार बढ़ता रहा है। इसी असंतोष ने सोशल मीडिया से निकलकर अब सड़कों का रूप ले लिया है। सोनम वांगचुक के अनशन और उसके बाद हुई घटनाओं ने इस आंदोलन को और अधिक भावनात्मक तथा राजनीतिक आयाम दे दिया। अब यह केवल परीक्षा प्रणाली का मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि युवाओं के भरोसे, जवाबदेही और शासन व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मानसून सत्र के पहले ही दिन जिस तरह संसद के बाहर हजारों युवाओं का प्रदर्शन, पुलिस कार्रवाई और उसके बाद शुरू हुई सियासी बयानबाजी देखने को मिली, उससे साफ है कि आने वाले दिनों में यह आंदोलन संसद के भीतर और बाहर दोनों जगह राजनीतिक विमर्श का प्रमुख विषय बना रहेगा। सरकार के सामने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ युवाओं की नाराजगी दूर करने की चुनौती होगी, जबकि विपक्ष इस मुद्दे को सरकार की जवाबदेही और शिक्षा व्यवस्था की विफलता से जोड़कर लगातार हमलावर रहने की तैयारी में है।

श्रीराम मंदिर कथित चढ़ावा चोरी मामला

स्वतंत्र जांच की मांग पर सुप्रीम कोर्ट गंभीर, राजनीति नहीं करने का निर्देश

एजेंसी। नई दिल्ली

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में स्वतंत्र जांच की मांग को लेकर दायर चार याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने स्पष्ट किया कि वह इस मामले को गंभीरता से देख रही है और इसमें किसी भी प्रकार की राजनीतिक बयानबाजी की आवश्यकता नहीं है। मामले की सुनवाई सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने की। यह याचिकाएं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद सुधाकर सिंह, अधिवक्ता नरेंद्र कुमार गोस्वामी, अधिवक्ता अजय कुमार राय एवं दिनेश कुमार यादव और हिंदू धर्म परिषद की ओर से दायर की गई हैं। याचिकाओं में कथित चोरी की स्वतंत्र एजेंसी, विशेष रूप से सीबीआई से जांच कराने की मांग की गई है। इसके साथ ही श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय लेन-देन का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) या फोरेंसिक ऑडिट कराने, ट्रस्ट के सभी वित्तीय रिकॉर्ड सुरक्षित रखने और जांच पूरी होने तक ट्रस्ट को बड़े वित्तीय निर्णय लेने से रोकने की भी मांग की गई है। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने विशेष जांच दल (एसआईटी) के पुनर्गठन का सुझाव देते हुए कहा कि जांच टीम की अगुआई किसी वरिष्ठ और अनुभवी आईपीएस अधिकारी को सौंपी जानी चाहिए, ताकि जांच निर्णायक स्तर तक पहुंच सके। अदालत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वह इस संबंध में केंद्र सरकार से निर्देश लेकर अदालत को अवगत कराएं।

त्रिपुरा के डीजीपी अनुराग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, विपक्ष ने की जांच की मांग

अगरतला। त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग की सोमवार को राज्य पुलिस मुख्यालय स्थित उनके कार्यालय के बाथरूम में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें तुरंत अगरतला सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. प्रदीप भौमिक ने बताया कि अनुराग को अस्पताल लाए जाने के समय उनके शरीर में जीवन के कोई संकेत नहीं थे। जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉ. भौमिक ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा। फिलहाल त्रिपुरा सरकार और पुलिस मुख्यालय की ओर से उनकी मौत के कारण या घटना की परिस्थितियों को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री माणिक साहा पुलिस मुख्यालय पहुंचे और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। कृषि एवं बिजली मंत्री रतन लाल नाथ के नेतृत्व में पांच वरिष्ठ मंत्री अस्पताल पहुंचे और अनुराग की पत्नी से मुलाकात कर शोक व्यक्त किया। पूर्व मुख्यमंत्री माणिक सरकार, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जितेंद्र चौधरी और पूर्व मंत्री तथा त्रिपुरा वाम मोर्चा के संयोजक माणिक डे भी अस्पताल पहुंचे और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

---

1 सितंबर से सभी सरकारी विभागों में बंगाली भाषा अनिवार्यः सुवेंदु अधिकारी

नवीन मेल संवाददाता

कोलकाता। बजट सत्र के विस्तारित हिस्से के पहले दिन मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने विधानसभा में घोषणा की कि 1 सितंबर से पश्चिम बंगाल के सभी सरकारी विभागों के कामकाज में बंगाली भाषा का इस्तेमाल अनिवार्य होगा।

सदन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले सप्ताह अपने तीन दिवसीय राज्य दौरे के दौरान मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने सरकारी विभागों के कामकाज में बंगाली भाषा के अधिक इस्तेमाल का सुझाव दिया था।

सोमवार को सदन में पत्र पढ़ने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री के सुझाव के आधार पर राज्य सरकार के सभी विभागों के कामकाज में बंगाली भाषा को आधिकारिक भाषा के रूप में अनिवार्य कर दिया गया है। उनके अनुसार, राज्य सरकार को इस व्यवस्था को लागू करने की तैयारी के लिए कुछ समय चाहिए, इसलिए इसे 1 सितंबर से शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी सरकारी पत्रों, अधिसूचनाओं और यहां तक कि पुलिस स्टेशनों के कामकाज में भी बंगाली भाषा का इस्तेमाल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, "काम को सुचारू रूप से चलाने के लिए जरूरी सभी चीजों का सही अनुवाद करने में करीब डेढ़ महीने का समय लगेगा। सरकार इस दिशा में काम करेगी।"

लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होंगे एनएसए अजीत डोभाल

पुणे। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान लोकमान्य तिलक मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक वर्ष उन विशिष्ट हस्तियों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने भारत के विकास और वैश्विक स्तर पर देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो। इस वर्ष ट्रस्ट ने राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में डोभाल की असाधारण सेवाओं को देखते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना है। लोकमान्य तिलक मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. रोहित तिलक ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में बताया कि इस पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 1983 में हुई थी। तब से लेकर अब तक यह सम्मान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित हस्तियों को प्रदान किया जाता रहा है।

यौन उत्पीड़न के आरोपी ट्रेनी आईपीएस अधिकारी ने आत्महत्या की कोशिश की

एजेंसी। हैदराबाद

हैदराबाद में सरदार वल्लभभाई पटेल नेशनल पुलिस एकेडमी में ट्रेनिंग कर रहे यौन उत्पीड़न के आरोपी एक ट्रेनी आईपीएस अफसर ने सोमवार को कथित तौर पर आत्महत्या की कोशिश की। रविवार को उसके खिलाफ एक महिला ट्रेनी अफसर ने यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया था।

हैदराबाद के मोती नगर में अपने रिश्तेदार के घर पर उदय कृष्ण रेड्डी नामक ट्रेनी आईपीएस अधिकारी ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उसे एसआर नगर के एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया और इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में उसका इलाज चल रहा है। आत्महत्या की कोशिश से पहले आरोपी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि उसके खिलाफ शिकायतें और अफवाहें बेबुनियाद और झूठी हैं। उसने कहा कि उसे कानूनी प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है और यकीन है कि न्याय होगा। उसने मीडिया से भी अपील की कि कोई भी खबर चलाने से पहले तथ्यों की पुष्टि की जाए।

पुलिस ने रविवार को एक 30 साल की महिला ट्रेनी आईपीएस अधिकारी की शिकायत पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया। शिकायत करने वाली महिला का आरोप है कि एकेडमी में ट्रेनिंग के दौरान उदय कृष्ण रेड्डी ने 23 जून से 10 जुलाई के बीच उन्हें परेशान किया।

अट्टापुर पुलिस स्टेशन में दर्ज अपनी शिकायत में महिला ट्रेनी आईपीएस अधिकारी ने उदय कृष्ण रेड्डी पर अभद्र मैसेज भेजने और आपराधिक धमकी देने का आरोप लगाया। आरोप है कि उसने महिला का प्राइवेट वीडियो भी रिकॉर्ड किया और उसे उनके पति को भेज दिया।

शिकायत करने वाली महिला के मुताबिक, आरोपी ने 23 जून को वाट्सएप के जरिए अभद्र मैसेज भेजकर उसे परेशान करना शुरू किया। महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि आरोपी ने साथी ट्रेनीज के सामने उसके बारे में अपमानजनक बातें कहीं और उस पर एक दूसरे ट्रेनी के साथ यौन संबंध होने का झूठा आरोप लगाया।

आणंद में चार साल की बच्ची से रेप और हत्या का आरोपी मुठभेड़ में ढेर

आणंद। गुजरात के आणंद जिले के वसद रेलवे स्टेशन से चार साल की बच्ची के अपहरण और हत्या के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी सुरेश परमार की सोमवार सुबह पुलिस कस्टडी में मौत हो गई। बोरसद ग्रामीण पुलिस ने अपराध के कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी सुरेश परमार को पकड़ लिया था और बाद में उसे हत्या के संबंध में आगे की पूछताछ के लिए आणंद लोकल क्राइम ब्रांच को सौंप दिया था। क्राइम ब्रांच ने सुरेश परमार को पुलिस वैन में बिठाया और उसे वसाद ले जाने के लिए रवाना हो गई।पुलिस सूत्रों के मुताबिक, परमार ने उल्टी होने की शिकायत की जिसके बाद अधिकारियों ने पुलिस वैन को सड़क के किनारे रोका। गाड़ी से बाहर निकलते ही आरोपी ने अचानक चाकू निकाला और हिरासत से भागने की कोशिश में साथ मौजूद पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में राजवीर सिंह और महिपाल सिंह नामक दो पुलिसकर्मी घायल हो गए।

राज्यसभा में नए सदस्यों का स्वागत, 9 सांसदों ने ली शपथ

सभापति ने गरिमापूर्ण और सार्थक सत्र का किया आह्वान

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत सोमवार को राज्यसभा में नव निर्वाचित और पुनर्निर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण के साथ हुई। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने सदन में नौ सांसदों—डॉ. मुकेशभाई जे. राठवा, पवन खेड़ा, महेश केवट, जेम्स पंगसांग कोंगकल संगमा, खियांग्ते लालट्लुआंगकिमा, डॉ. सतीश पूनिया, प्रकाश चिक बड़ाईक, सुष्मिता देव और सुखेंदु शेखर रे को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इनमें पांच सदस्यों ने हिंदी, दो ने अंग्रेजी और दो ने बंगाली भाषा में शपथ ली। ये सदस्य गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, राजस्थान और पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व करते हैं। शपथ ग्रहण के बाद सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने 271वें सत्र के उद्घाटन अवसर पर सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि राज्यसभा हमेशा सार्थक और गंभीर विचार-विमर्श की परंपरा के लिए जानी जाती रही है। उन्होंने कहा कि इस सत्र में कुल 19 बैठकें प्रस्तावित हैं और राष्ट्रीय महत्व के अनेक विधायी तथा नीतिगत विषयों पर चर्चा होनी है। ऐसे में प्रत्येक सदस्य की जिम्मेदारी है कि सदन के बहुमूल्य समय का सदुपयोग हो तथा कार्यवाही बिना अनावश्यक व्यवधान के आगे बढ़े।

सभापति ने इस सत्र की एक महत्वपूर्ण तकनीकी पहल का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि राज्यसभा सचिवालय ने पहली बार सदस्यों की सीटों पर उपलब्ध मल्टीमीडिया उपकरणों के माध्यम से नौ भाषाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित समवर्ती अनुवाद की सुविधा शुरू की है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस सुविधा का विस्तार संविधान की सभी 22 अनुसूचित भाषाओं तक किया जाएगा, ताकि विभिन्न भाषाई पृष्ठभूमि से आने वाले सांसद अधिक सहजता से सदन की कार्यवाही में भाग ले सकें।

सत्र की शुरुआत शोक प्रस्ताव के साथ भी हुई। सभापति ने राज्यसभा के पूर्व सदस्यों बलबीर के. पुंज, स्वपन साधन बोस, रंगासायी रामकृष्ण और एच. हनुमंथप्पा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। साथ ही कतर के पूर्व अमीर शेख अहमद बिन खलीफा अल-थानी के निधन पर भी सदन की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभापति ने दिवंगत नेताओं के सार्वजनिक जीवन और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुए सभी सदस्यों से दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि देने का आग्रह किया।

आज कल

सदन में गतिरोध, बाहर आंदोलन... पहले ही दिन घिर गई सरकार

मानसून सत्र की शुरुआत हंगामे के नाम, संसद के भीतर विपक्ष का हमला और बाहर सीजेपी का दबाव

उदय चंद्र सिंह

नई दिल्ली। मानसून सत्र का पहला दिन सरकार की विधायी प्राथमिकताओं से अधिक राजनीतिक टकराव के नाम रहा। संसद के भीतर विपक्ष ने परीक्षा घोटालों, राम मंदिर चंदा विवाद, ई-20 ईंधन, परिसीमन और अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश की, वहीं संसद परिसर के बाहर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के 'चलो संसद' अभियान ने पूरे घटनाक्रम को और अधिक राजनीतिक बना दिया। नतीजा यह हुआ कि लोकसभा और राज्यसभा दोनों में बार-बार हंगामा हुआ, कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी और सरकार तथा विपक्ष के बीच टकराव पहले ही दिन खुलकर सामने आ गया।

सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी दलों से रचनात्मक सहयोग की अपील करते हुए कहा कि संसद लोकतांत्रिक संवाद का सर्वोच्च मंच है और राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर सार्थक चर्चा होनी चाहिए। सरकार ने इस सत्र में कई महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने की तैयारी कर रखी है। लेकिन विपक्ष ने पहले ही संकेत दे दिए थे कि वह प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े विवाद, महिलाओं के आरक्षण के क्रियान्वयन और अन्य मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेगा। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों के विरोध के कारण दोनों सदनों में कई बार व्यवधान उत्पन्न हुआ।

संसद के बाहर भी माहौल कम गर्म नहीं था। जंतर-मंतर से शुरू हुए CJP के आंदोलन ने संसद सत्र के पहले दिन को राजनीतिक रूप से और संवेदनशील बना दिया। प्रदर्शनकारियों की मांगों और विपक्षी दलों के समर्थन ने इस आंदोलन को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया।

विपक्ष ने सरकार पर युवाओं की आवाज़ दबाने का आरोप लगाया, जबकि सरकार की ओर से कानून-व्यवस्था बनाए रखने और संवाद के जरिए समाधान निकालने की बात कही गई। संसद के भीतर की बहस और संसद के बाहर का आंदोलन पूरे दिन एक-दूसरे को प्रभावित करते रहे।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मानसून सत्र का पहला दिन इस बात का संकेत दे गया है कि आने वाले सप्ताह सरकार के लिए आसान नहीं होंगे। एक ओर सरकार अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाना चाहती है, वहीं विपक्ष जनसरोकार से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार आक्रामक रुख अपनाने की तैयारी में है। यदि पहले दिन जैसा गतिरोध जारी रहता है तो सदन में महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा और पारित कराने की सरकार की रणनीति भी प्रभावित हो सकती है। ऐसे में यह सत्र केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक शक्ति परीक्षण का अखाड़ा भी बनता दिखाई दे रहा है।

लोकतांत्रिक

सीजेपी आंदोलन पर सियासी संग्राम: विपक्ष ने सरकार को घेरा, भाजपा ने संवाद पर दिया जोर

युवाओं के प्रदर्शन पर संसद से सड़क तक बयानबाज़ी तेज, सत्ता और विपक्ष आमने-सामने

उदय चंद्र सिंह

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 'चलो संसद' आंदोलन ने सोमवार को केवल राजधानी की सड़कों पर ही नहीं, बल्कि देश की राजनीति में भी तीखी बहस छेड़ दी। प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार पर लोकतांत्रिक अधिकारों के दमन का आरोप लगाया, जबकि भाजपा नेताओं ने कहा कि विरोध का अधिकार सबको है, लेकिन समाधान का रास्ता संवाद से ही निकलेगा। पूरे दिन सत्ता और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहा।

विपक्ष की ओर से सबसे पहले आम आदमी पार्टी ने मोर्चा संभाला। पार्टी के वरिष्ठ नेता आतिशी, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह पुलिस की बैरिकेडिंग पार कर जंतर-मंतर स्थित धरना स्थल पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों के बीच जाकर उनका समर्थन किया। मनीष सिसोदिया ने कहा कि छात्रों और युवाओं की आवाज को बैरिकेड और पुलिस बल के सहारे नहीं दबाया जा सकता। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार संवाद से बच रही है और विरोध को बलपूर्वक रोकने की कोशिश कर रही है। आतिशी ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के भविष्य से जुड़े सवालों पर सरकार को जवाब देना ही होगा।

कांग्रेस की ओर से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पूरा विपक्ष शिक्षा व्यवस्था में सुधार और छात्रों के मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहा है, लेकिन सरकार चर्चा से बच रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि छात्र अपनी बात रखने आए हैं तो उन पर आंसू गैस और बल प्रयोग की जरूरत क्यों पड़ी। प्रियंका ने कहा कि ये देश के बच्चे हैं और उनकी आवाज सुनी जानी चाहिए।

समाजवादी पार्टी भी आंदोलन के समर्थन में खुलकर सामने आई। पार्टी सांसद डिंपल यादव ने इसे लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण दिन बताते हुए कहा कि छात्र केवल अपने अधिकारों और भविष्य की सुरक्षा की मांग लेकर दिल्ली पहुंचे थे, लेकिन उनके साथ जिस तरह का व्यवहार हुआ, उसने पूरे देश को शर्मसार किया है। सपा सांसद इकरा हसन ने भी पुलिस कार्रवाई की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान छात्रों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया और कई छात्र घायल हुए।

तृणमूल कांग्रेस ने भी सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए। राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने आरोप लगाया कि संसद के भीतर विपक्षी सांसदों की आवाज भी दबाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि विपक्षी सांसदों को सदन से बाहर जाने तक की अनुमति नहीं दी जा रही थी, जबकि दूसरी ओर प्रदर्शनकारियों को संसद तक पहुंचने से रोका गया। उनके मुताबिक सरकार लोकतांत्रिक विरोध से असहज दिखाई दे रही है।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी इस मुद्दे को शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के भविष्य से जोड़ते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लाखों छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विवादों से परेशान हैं और सरकार उनकी समस्याओं का समाधान करने के बजाय आलोचना में व्यस्त है। खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं से ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है।

उधर, भाजपा ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए संयम और संवाद पर जोर दिया। भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि यदि किसी को कोई शिकायत या समस्या है तो उसका समाधान बातचीत से निकाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल प्रदर्शन करने से समस्या का हल नहीं निकलेगा। उनके अनुसार मोदी सरकार ने शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के हित में अनेक सुधार किए हैं और किसी भी विषय पर बातचीत के लिए सरकार तैयार है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कानून के अनुसार दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि CJP आंदोलन अब केवल छात्रों का विरोध प्रदर्शन नहीं रह गया है। जिस तरह विभिन्न विपक्षी दल खुलकर इसके समर्थन में उतर आए हैं और भाजपा इसे संवाद तथा कानून-व्यवस्था के नजरिये से देख रही है, उससे यह स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में यह मुद्दा संसद के भीतर और बाहर दोनों जगह राजनीतिक टकराव का प्रमुख केंद्र बना रहेगा।

स्पेन ने 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप जीता फाइनल में अर्जेंटीना को 1-0 से पराजित किया

एजेंसी । न्यूयॉर्क

स्पेन ने 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। उसने न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में 2022 की चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। स्पेन के लिए फेरन टोरेस ने एक्स्ट्रा टाइम में गोल किया। स्पेन दूसरी बार फीफा वर्ल्ड चैंपियन बना है। उसने पहली बार 2010 में नीदरलैंड को हराकर यह ट्रॉफी जीती थी।

मार्टिनेज ने 105 मिनट तक अकेले लड़ाई लड़ी : अगर यह मुकाबला 105 मिनट तक बराबरी पर रहा तो इसकी सबसे बड़ी वजह अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज थे। स्पेन पूरे मैच में लगातार अटैक करता रहा। कभी लामिन यमाल ने बॉक्स के बाहर से शॉट लगाया, कभी ओयारजबाल ने मौका बनाया तो कभी पेड्री और निको विलियम्स गोल के करीब पहुंचे।

हर बार मार्टिनेज ने खुद को गेंद और गोलपोस्ट के बीच खड़ा कर दिया। लगभग अकेले लड़ रहे मार्टिनेज की दीवार आखिरकार 106ठे मिनट में ढह गई। निको विलियम्स का हेडर फेरन टोरेस तक पहुंचा, जिन्होंने बॉल गोलपोस्ट में डाल दिया। इस तरह स्पेन 1-0 से आगे हो गया।

एंजो का रेड कार्ड... और यहीं पलट गया फाइनल : अर्जेंटीना 90 मिनट तक किसी तरह मुकाबले में बनी रही। ऐसा लगा कि टीम मैच को पेनल्टी शूटआउट तक ले जाना चाहती थी, लेकिन इंजरी टाइम में एंजो फर्नांडिज ने ऐसी गलती कर दी, जिसने पूरी बाजी पलट दी। पाउ क्यूबार्सी पर टैकल के बाद रेफरी ने एंजो को दूसरा यलो कार्ड दिखाया। यह उनका मैच का दूसरा यलो कार्ड था। इस तरह उनके दो यलो कार्ड, रेड कार्ड में कन्वर्ट हो गए। उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा और अर्जेंटीना 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई। इसके बाद स्पेन ने गेंद पर और ज्यादा कब्जा जमा लिया।

स्पेन की पहचान फिर बनी बॉल पजेशन : स्पेन की पहचान हमेशा से गेंद पर नियंत्रण रखने वाली टीम की रही है। इस फाइनल में भी वही अंदाज दिखा। रोड्री ने मिडफील्ड में पूरे मैच की रफ्तार तय की। अर्जेंटीना को काउंटर अटैक का मौका ही नहीं मिला। स्पेन ने करीब 65% समय गेंद अपने पास रखी।

यमाल ने मेसी की चमक फीकी कर दी

यह फाइनल एक तरह से दो पीढ़ियों का मुकाबला भी था। एक तरफ 39 साल के लियोनेल मेसी थे, दूसरी ओर 20 साल के लामिन यमाल। मेसी से उम्मीद थी कि वे एक बार फिर बड़े मैच में कमाल कर दिखाएंगे, लेकिन स्पेन की मिडफील्ड और डिफेंस ने उन्हें कभी खुलकर खेलने का मौका ही नहीं दिया। दूसरी ओर यमाल लगातार अर्जेंटीना के डिफेंस पर हमला करते रहे।

एम्बाप्पे ने जीता गोल्डन बूट मेसी दूसरे नंबर पर रहे

फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 में सबसे ज्यादा गोल फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे ने किए। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 10 गोल और 4 असिस्ट के साथ गोल्डन बूट अपने नाम किया। अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी 8 गोल और 4 असिस्ट के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

खेलगांव में सजेगा खिताबी मुकाबला 4 प्रमंडलों के बीच होगी निर्णायक टक्कर

● सेमीफाइनल में कोल्हान दक्षिणी छोटानागपुर, उत्तरी छोटानागपुर और संथाल प्रमंडल की टीमों का शानदार प्रदर्शन

एजेंसी । रांची

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से आयोजित 65वीं राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता में तीनों वर्गों के खिताबी मुकाबले के लिए टीमें तय हो गई हैं। प्रतियोगिता के चौथे दिन खेलगांव स्थित अभ्यास मैदान, जैप-1 मैदान तथा बीआईटी मेसरा के दोनों मैदानों में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाने के लिए जोरदार संघर्ष किया। पूरे दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जिसमें दर्शकों को बेहतरीन फुटबॉल का आनंद मिला। अंडर-15 बालक वर्ग के पहले सेमीफाइनल में कोल्हान प्रमंडल ने उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में संथाल प्रमंडल ने दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल को 3-0 से पराजित कर खिताबी मुकाबले का टिकट हासिल किया। अंडर-17 बालिका वर्ग में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल ने कोल्हान प्रमंडल को एकतरफा मुकाबले में 11-0 से हराया, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल ने संथाल प्रमंडल को 2-0 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई। अंडर-17 बालक वर्ग के पहले सेमीफाइनल में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल ने पलामू प्रमंडल को 12-0 से हराकर अपनी ताकत का परिचय दिया। दूसरे मुकाबले में कोल्हान प्रमंडल ने संथाल प्रमंडल को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

प्रतियोगिता के तीनों फाइनल मुकाबले 21 जुलाई को खेलगांव, रांची के अभ्यास मैदान में खेले जाएंगे। अंडर-15 बालक वर्ग में कोल्हान और संथाल प्रमंडल आमने-सामने होंगे। अंडर-17 बालिका वर्ग में दक्षिणी छोटानागपुर और उत्तरी छोटानागपुर के बीच खिताबी मुकाबला होगा, जबकि अंडर-17 बालक वर्ग में दक्षिणी छोटानागपुर और कोल्हान प्रमंडल की टीमें विजेता बनने के लिए भिड़ेंगी। समापन समारोह में तीनों वर्गों की विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी, पदक और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी विशेष पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

रोहित शर्मा लॉर्ड्स पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय

लॉर्ड्स । इंग्लैंड ने तीसरे वनडे में भारत को 27 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। लॉर्ड्स में रोहित शर्मा ने 138 रन की पारी खेली। वे लॉर्ड्स के मैदान पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने।रोहित का यह इंग्लैंड की धरती पर आठवां वनडे शतक रहा। इसके साथ ही वे किसी एक विदेशी देश में सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने अपने नाम एक और उपलब्धि जोड़ते हुए सबसे ज्यादा उम्र में वनडे शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी का रिकॉर्ड भी बनाया।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप के लिए भारतीय शूटिंग टीम का ऐलान

नई दिल्ली। भारत ने आईएसएसएफ वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) के लिए 36 सदस्यीय टीम चुनी है। चीन के हांगझोऊ में 20 से 29 जुलाई तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे। आईएसएसएफ वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) प्रतियोगिता 22 जुलाई से शुरू होगी, जिसमें सबसे पहले 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम और पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल इवेंट्स में मेडल का फैसला होगा।

व्यापार/लाइफ व साइंस

भारत विदेशी हब पर निर्भरता कम करने के लिए डीप वाटर पोर्ट प्रोजेक्ट्स को तेजी से आगे बढ़ाएगा

एजेंसी । नई दिल्ली

विझिंजम बंदरगाह ने रचा नया कीर्तिमान

● दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जहाज एमएससी इरिना का आगमन।

● भारत के ट्रांसशिपमेंट हब बनने की दिशा में अहम उपलब्धि।

भारत प्रमुख बंदरगाहों के अपग्रेड और नए गहरे समुद्री टर्मिनलों के निर्माण में तेजी ला रहा है, ताकि वर्तमान में कोलंबो और सिंगापुर के जरिए होने वाले ट्रांसशिपमेंट यातायात को अपने यहां आकर्षित किया जा सके। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में सामने आई। इंडिया नैरेटिव की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार चेन्नई के निकट एन्नोर स्थित कामराजर बंदरगाह, ओडिशा के पारादीप बंदरगाह और कच्छ के दीनदयाल बंदरगाह सहित कई प्रमुख बंदरगाहों की ड्राफ्ट (जल की गहराई) को 14 मीटर से बढ़ाकर 18 मीटर कर रही है, ताकि वे बड़े "मदर वेसल" (मुख्य मालवाहक जहाज) को संभाल सकें। दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जहाज (मदर वेसल) एमएससी इरिना के केरल के विझिंजम बंदरगाह पहुंचने को इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछली सरकारों ने भारत के प्रमुख बंदरगाहों को अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट हब के रूप में विकसित करने की अनदेखी की। ऐसे हब इसलिए जरूरी हैं क्योंकि यहां 14,000 से 24,000 टीईयू (ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट) क्षमता वाले मदर वेसल ठहर सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया, "दशकों तक भारत के समुद्री व्यापार में एक विडंबना रही। 7,500 किलोमीटर से अधिक लंबी समुद्री तटरेखा और दक्षिणी छोर से गुजरने वाले दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों के बावजूद भारत के पास ऐसे बंदरगाह नहीं थे, जहां मदर वेसल आ सकें। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा इस कमी को दूर करने का संकल्प जताने के एक वर्ष के भीतर ही 7 जुलाई को दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जहाज एमएससी इरिना के विझिंजम बंदरगाह पहुंची। वर्षों की इस अनदेखी को अब समस्या के आकार के अनुरूप बड़े पैमाने और तात्कालिकता के साथ दूर किया जा रहा है। सरकार की मौजूदा योजना के तहत कई प्रमुख बंदरगाहों की ड्राफ्ट गहराई बढ़ाई जा रही है, ताकि वे लगभग 2 लाख टन डेडवेट कार्गो ले जाने वाले केप-साइज ड्राई बल्क जहाजों को संभाल सकें।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि महाराष्ट्र में विकसित किया जा रहा वधावन बंदरगाह लगभग 20 मीटर की प्राकृतिक गहराई और उच्च क्षमता के लक्ष्य के साथ तैयार किया जा रहा है।

उत्तराखंड से फ्रोजन फ्रेंच फ्राइज का निर्यात शुरू

एजेंसी । नई दिल्ली

कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के माध्यम से उत्तराखंड से फ्रोजन फ्रेंच फ्राइज का निर्यात शुरू हो गया है और पहली खेप को मध्य पूर्व के देश इराक भेजा गया है। इससे देश के खाद्य उत्पादों के निर्यात पोर्टफोलियो को मजबूती मिलेगी। यह जानकारी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से सोमवार को दी गई। मंत्रालय की ओर से जारी बयान में बताया गया कि एपीडा ने उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के काशीपुर से इराक को 24 मीट्रिक टन (एमटी) फ्रोजन फ्रेंच फ्राइज के पहले निर्यात में सहायता प्रदान की है। वीरुन ग्लोबल ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्यात की गई यह खेप उत्तराखंड से मूल्यवर्धित कृषि निर्यात को बढ़ावा देने और भारत के प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। बयान में आगे कहा गया कि निर्यातक ने विश्वास व्यक्त किया कि गुणवत्तापूर्ण उत्पाद से बार-बार ऑर्डर मिलेंगे और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में दीर्घकालिक व्यापारिक संबंध स्थापित होंगे, जिससे कंपनी और क्षेत्र के लिए निर्यात के निरंतर अवसर पैदा होंगे।

मध्य पूर्व में तनाव से भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद

सेंसेक्स 78,000 के नीचे फिसला

एजेंसी । मुंबई

मध्यपूर्व में तनाव के चलते भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 442.93 अंक या 0.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 77,708.52 और निफ्टी 95.80 अंक या 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,238.50 पर था। बाजार में गिरावट का नेतृत्व वित्तीय शेयरों ने किया। निफ्टी प्राइवेट बैंक 2.27 प्रतिशत और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप लूजर थे। इसके अलावा निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी ऑटो, निफ्टी आईटी और निफ्टी रियल्टी लाल निशान में बंद हुए। दूसरी तरफ निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी मीडिया, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी पीएसई, निफ्टी मेटल, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी इन्फ्रा हरे निशान में बंद हुए। एसबीआई सिक्योरिटीज के मुताबिक, निफ्टी के लिए तत्काल रुकावट का स्तर 24370-24400 जोन है।

भारत-स्पेन डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म यूपीआई-बिजुम को आपस में जोड़ने को लेकर बातचीत में लाएंगे तेजी

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और स्पेन अपने डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म यूपीआई-बिजुम को आपस में जोड़ने को लेकर बातचीत में तेजी लाने के लिए सहमत हो गए हैं। यह जानकारी वाणिज्य मंत्रालय की ओर से दी गई। दोनों देशों के बीच यह सहमति 13 से 18 जुलाई तक यूरोप के चार देशों के दौरे के तहत स्पेन पहुंचे केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की यात्रा के दौरान बनी है। गोयल ने स्पेन के प्रथम उप-प्रधानमंत्री एवं अर्थव्यवस्था, व्यापार और व्यवसाय मंत्री कार्लोस कुएर्पो काबायेरो तथा उद्योग एवं पर्यटन मंत्री जोर्डी हेरेउ बोहेर के साथ बातचीत की। उन्होंने व्यापारिक समुदाय की भागीदारी के साथ भारत-स्पेन जॉइंट कमीशन की वार्षिक बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। वहीं, स्पेन ने द्विपक्षीय सहयोग को सुगम बनाने के लिए एक समर्पित "इंडिया टीम" गठित करने का प्रस्ताव दिया। दोनों देशों ने ऑटोमोबाइल, फार्मास्युटिकल्स, रसायन, वस्त्र, नवीकरणीय ऊर्जा, पर्यटन और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में सहयोग की व्यापक संभावनाओं की पहचान की। चर्चा में निवेश को बढ़ावा देने, पेशेवरों की आवाजाही तथा लैटिन अमेरिका में संयुक्त निवेश पर भी विचार किया गया। इसमें यूरोप और लैटिन अमेरिका के प्रवेश द्वार के रूप में स्पेन की रणनीतिक स्थिति का लाभ उठाने पर जोर दिया गया।

केंद्रीय मंत्री ने 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत प्रमुख सी-295 विमान कार्यक्रम का स्वागत किया और प्रवासन एवं गतिशीलता साझेदारी और सामाजिक सुरक्षा समझौते में हुई।

यूपीआई से अब तक 55.5 करोड़ से अधिक यूजर जुड़े वित्त वर्ष 26 में 24,161 करोड़ से ज्यादा लेनदेन हुए : केंद्र

एजेंसी । नई दिल्ली

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) प्लेटफॉर्म से 55.49 करोड़ से अधिक यूजर जुड़ चुके हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में यूपीआई के जरिए 24,161.69 करोड़ लेनदेन हुए, जिनकी कुल राशि 314.23 लाख करोड़ रुपए रही। यह जानकारी केंद्र सरकार ने सोमवार को संसद में दी। लोकसभा में लिखित जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि पिछले पांच वित्त वर्षों में यूपीआई के लेनदेन की संख्या और मूल्य में लगातार तेज वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2021-22 में 4,595.61 करोड़ लेनदेन हुए और इनका कुल मूल्य 84.16 लाख करोड़ रुपए; वित्त वर्ष 2022-23 में 8,371.44 करोड़ लेनदेन हुए और इनका कुल मूल्य 139.15 लाख करोड़ रुपए; वित्त वर्ष 2023-24 में 13,112.95 करोड़ लेनदेन हुए और इनका कुल मूल्य 199.95 लाख करोड़ रुपए; वित्त वर्ष 2024-25 में 18,586.60 करोड़ लेनदेन हुए और इनका कुल मूल्य 260.56 लाख करोड़ रुपए था। वहीं, वित्त वर्ष 2025-26 में 24,161.69 करोड़ लेनदेन हुए और इनका कुल मूल्य 314.23 लाख करोड़ रुपए था। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल), जिसे अप्रैल 2020 में एनपीसीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में स्थापित किया गया था, विदेशी संस्थाओं के साथ साझेदारी कर भारत के डिजिटल भुगतान नेटवर्क का वैश्विक विस्तार कर रही है। इसके तहत विभिन्न देशों में यूपीआई और रुपे कार्ड जैसी भुगतान प्रणालियां लागू की जा रही हैं।

नीट की परीक्षा में सफल छात्र सुभम सिंह को किया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। प्रताप रेसिडेंशियल मॉडर्न पब्लिक स्कूल, बहेरा में सोमवार की दोपहर एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नीट (NEET) जैसी कठिन परीक्षा में 627 अंक एवं ऑल इंडिया रैंक 3951 प्राप्त करने वाले विद्यालय के पूर्व छात्र सुभम सिंह को सम्मानित किया गया। सुभम ने अपनी प्राथमिक शिक्षा इसी विद्यालय से प्राप्त की थी और वे बचपन से ही अत्यंत मेधावी छात्र रहे हैं, छात्र शुभम सिंह की मां पूर्व मुखिया रह चुकी हैं एवं उनके पिता रणधीर सिंह क्षेत्र के प्रसिद्ध समाजसेवी हैं। समारोह के दौरान विद्यालय परिवार की ओर से सुभम सिंह को अंग वस्त्र और बुके देकर सम्मानित किया गया। अपनी इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए सुभम ने अपनी सफलता का पूरा श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में मिले मार्गदर्शन और अभिभावकों के आशीर्वाद से ही वे आज इस मुकाम तक पहुँच सके हैं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुखिया मुकेश सिंह, समाजसेवी अशोक सिंह, सहायक आचार्य अध्यक्ष सतीश सिंह, मुखिया मिट्ठू सिंह और समाजसेवी रणधीर सिंह ने सुभम के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विद्यालय के प्रबंधक नारायण सिंह ने छात्र की उपलब्धि को विद्यालय के लिए गौरव का क्षण बताया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने सुभम की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

श्रावणी मेले में पलामू प्रमंडल के लिए स्पेशल ट्रेन की मांग तेज

देवघर जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर सोशल मीडिया अभियान

- सांसद का पत्र और रेल बैठकों में भी उठ चुका है मुद्दा

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। श्रावणी मेले के दौरान बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर-जसीडीह के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से स्पेशल ट्रेनों की घोषणा के बीच पलामू प्रमंडल के श्रद्धालुओं के लिए अब तक एक भी विशेष ट्रेन नहीं मिलने पर असंतोष बढ़ गया है। झारखंड रेल यूजर्स एसोसिएशन ने इस मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया अभियान शुरू करते हुए रेल मंत्रालय और पूर्व मध्य रेलवे से तत्काल श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन चलाने की मांग की है। संगठन का कहना है कि पलामू, गढ़वा, लातेहार सहित आसपास के क्षेत्रों से हर वर्ष लाखों श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक के लिए जाते हैं, लेकिन उन्हें सामान्य ट्रेनों की भारी भीड़ या निजी वाहनों के भरोसे यात्रा करनी पड़ती है। एसोसिएशन ने सवाल उठाया कि जब सीआईसी रेलखंड पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में मालगाड़ियों का संचालन हो सकता है, तो श्रावणी मेले के दौरान श्रद्धालुओं के लिए विशेष यात्री ट्रेन क्यों नहीं चलाई जा सकती। सांसद के निजी सचिव अलख दुबे भी लगातार संबंधित अधिकारियों से संपर्क बनाए हुए हैं। झारखंड रेल यूजर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष कुमार अभिषेक, संरक्षक पूजा रत्नाकर और मीडिया प्रभारी अंकु सिंह राणा ने कहा कि पिछले वर्ष भी यह मांग उठाई गई थी, लेकिन कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई। उन्होंने कहा कि यह केवल एक ट्रेन की मांग नहीं, बल्कि क्षेत्र के लाखों श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था, समान सुविधा और सम्मान का विषय है।

स्पेशल ट्रेन चलाने से पलामू प्रमंडल और आसपास जिलों के हजारों श्रद्धालुओं को सीधी राहत मिलेगी

एसोसिएशन ने गढ़वा रोड-डाल्टनगंज-बरवाडीह-लातेहार-टोरी-धनबाद होते हुए जसीडीह-देवघर तक श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन चलाने की मांग की है। संगठन का कहना है कि इससे पलामू प्रमंडल और आसपास के जिलों के हजारों श्रद्धालुओं को सीधी राहत मिलेगी। संगठन ने बताया कि पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम इस संबंध में पहले ही रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिख चुके हैं। इसके अलावा पूर्व मध्य रेलवे की रेल मंडल और जेडआरयूसीसी की धनबाद तथा डीडीयू मंडल की बैठकों में भी यह मुद्दा उठाया गया है।

बाबा विश्वनाथ भास्कर मंदिर में 25 जुलाई को होगी भव्य भजन संध्या

हुसैनाबाद। जपला स्थित बाबा विश्वनाथ भास्कर मंदिर में 25 जुलाई को भव्य भजन संध्या एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। कार्यक्रम शाम सात बजे से शुरू होगा, जिसमें स्थानीय ख्यातिप्राप्त कलाकार भक्ति गीतों की प्रस्तुति देंगे।

इस अवसर पर शनि महाराज की महाआरती एवं महाप्रसाद वितरण का आयोजन भी किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर मंदिर प्रबंधन की ओर से व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन के निवेदक हरिओम शास्त्री, राजेश कर्ण, प्रेमतोश सिंह, वीरेंद्र व्यास एवं अन्य सदस्य हैं। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर भजन संध्या, महाआरती और महाप्रसाद का लाभ उठाने की अपील की है।

जेपीएससी पीटी परिणाम पर भाजपा ने उठाए सवाल, आंदोलन की चेतावनी

राज्य की एजेंसियों की निष्पक्षता पर उठ रहे हैं सवाल, सड़क से सदन तक होगा विरोध : विधायक

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) के परिणाम और कटऑफ को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने सवाल उठाते हुए आंदोलन की घोषणा की है। सोमवार को भाजपा युवा मोर्चा की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में विधायक आलोक चौरसिया, भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी और युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष डॉ. विपुल गुप्ता ने आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए।

विधायक आलोक चौरसिया ने आरोप लगाया कि राज्य की विभिन्न एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है और जेपीएससी का परिणाम उसी स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी और सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेगी। पलामू से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और युवा रांची में प्रस्तावित आंदोलन में शामिल होंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने आरोप लगाया कि जेपीएससी की परीक्षा प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों की शिकायतों पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष डॉ. विपुल गुप्ता ने कहा कि संगठन ने आंदोलन की तैयारी पूरी कर ली है।

उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठ रहे हैं और छात्रों की शिकायतों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की।

'नन्हा सा दिल' योजना के तहत 18 बच्चों का सफल हृदय ऑपरेशन

- 24 अन्य बच्चों के इलाज की प्रक्रिया जारी, क्लेफ्ट लिप और क्लेफ्ट पैलेट के नि:शुल्क ऑपरेशन भी होंगे

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले में संचालित 'नन्हा सा दिल' कार्यक्रम के तहत प्रथम चरण में 18 बच्चों के हृदय का सफल ऑपरेशन हैदराबाद स्थित सत्य साईं संजीवनी हृदय संस्थान में कराया गया है। शेष 24 चिन्हित बच्चों के ऑपरेशन की प्रक्रिया भी जारी है। असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि योजना के तहत बच्चों के ऑपरेशन के साथ अभिभावक के घर से हैदराबाद तक आने-जाने, भोजन और ठहरने की पूरी व्यवस्था निःशुल्क की जा रही है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत मिल रही है। उन्होंने बताया कि जिले में क्लेफ्ट लिप और क्लेफ्ट पैलेट से पीड़ित बच्चों की स्क्रीनिंग कर उन्हें भी निःशुल्क ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया संचालित की जा रही है। इसके लिए पात्र बच्चों की पहचान कर उन्हें इलाज से जोड़ा जा रहा है।

नीट पेपर लीक और छात्रों पर कार्रवाई को लेकर केंद्र पर बरसे झामुमो जिलाध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के पलामू जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने सोमवार को नीट यूजी पेपर लीक मामले और विरोध-प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार को छात्रों की आवाज दबाने के बजाय उनकी चिंताओं को गंभीरता से सुनते हुए निष्पक्ष कार्रवाई करनी चाहिए।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में सिन्हा ने कहा कि पेपर लीक जैसे गंभीर मामलों से देश के लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित होता है। ऐसे में न्याय की मांग कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज और कथित दुर्व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है।

उन्होंने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए कथित अनियमितताओं की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कर दोषियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली पर युवाओं का विश्वास बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है। झामुमो जिलाध्यक्ष ने कहा कि भारत में छात्र आंदोलनों ने समय-समय पर लोकतांत्रिक व्यवस्था को नई दिशा दी है। इसलिए छात्रों की आवाज को दबाने के बजाय सरकार को संवाद और संवेदनशीलता का रास्ता अपनाना चाहिए।

मुख्यमंत्री साइकिल योजना के तहत विद्यार्थियों को मिली साइकिल

नवीन मेल संवाददाता

बारियातू। कल्याण विभाग की मुख्यमंत्री साइकिल योजना के तहत सोमवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में विभिन्न सरकारी विद्यालयों के चयनित छात्र-छात्राओं के बीच साइकिलों का वितरण किया गया। शिक्षक उत्तम कुमार ने बताया कि उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय टोटी, हेसला, इंदुआ, बठेठ एवं बारा के विद्यार्थियों को योजना का लाभ दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य दूर-दराज के गांवों से आने वाले विद्यार्थियों की विद्यालय आने-जाने की समस्या दूर करना है। साइकिल मिलने से विशेष रूप से छात्राओं को काफी सुविधा होगी और वे नियमित रूप से विद्यालय पहुंच सकेंगी। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने तथा साइकिल का उपयोग शिक्षा और आवश्यक कार्यों के लिए ही करने की अपील की।

नगर पंचायत की कार्रवाई, बिना लाइसेंस दुकान और आरओ प्लांट सील

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। नगर पंचायत ने सोमवार को नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यवसायियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर खुले में मांस-मछली बेचने वालों, बिना ट्रेड लाइसेंस संचालित दुकानों और बिना पंजीकरण वाले आरओ वाटर प्लांटों पर कार्रवाई की।

अभियान के दौरान करकट स्कूल, माको चौक, चेक नाका और चटनाही चौक के आसपास खुले में रखे मांस-मछली को जब्त किया गया। साथ ही पॉलिटेक्निक रोड स्थित बिना ट्रेड लाइसेंस संचालित एक मोटरसाइकिल रिपेयरिंग एवं हार्डवेयर दुकान को सील कर दिया गया।

नगर पंचायत में पंजीकरण के बिना संचालित माको चौक स्थित एक आरओ वाटर प्लांट को भी सील किया गया। नगर प्रबंधक राज कुमार वर्मा ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

अग्निवीरों के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब देशभक्ति के रंग में रंगा ढोढ़ी नदी तट

नवीन मेल संवाददाता

मयूरहंड (चतरा)। मयूरहंड थाना क्षेत्र के ढोढ़ी नदी तट पर भारतीय सेना के लिए चयनित अग्निवीरों के सम्मान में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में क्षेत्रवासियों ने देशसेवा के लिए चयनित युवाओं का फूल-मालाओं, तिलक और जयघोष के साथ अभिनंदन किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति का माहौल बना रहा।

अग्निवीरों के स्वागत में ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों और देशभक्ति गीतों के साथ उनका अभिनंदन किया। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने पुष्पवर्षा कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से यशवंत दांगी और बाल्मीकि कुमार सुमन उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि अग्निवीर योजना युवाओं के लिए राष्ट्रसेवा का सुनहरा अवसर है।

पेज एक के शेष

झारखंड में इको...

कि वन क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर के माध्यम से बीज गिराकर वन क्षेत्रों के विकास के लिए एक बेहतर कार्य योजना तैयार करने, जंगली हाथियों के हमलों से मृत व्यक्तियों के आश्रितों तथा क्षतिग्रस्त फसल एवं घरों के मुआवजा भुगतान में तत्परता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि झारखंड में इको टूरिज्म की असीम संभावनाएं हैं अतएव इस निमित्त एक बेहतर प्लान के साथ आगे बढ़ें। वन विभाग तथा पर्यटन विभाग समन्वय स्थापित कर इको टूरिज्म के विकास को गति प्रदान करें।

पौधारोपण कार्य उपयोगिता आधारित और स्थानीय इको सिस्टम के अनुरूप हो : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने वन विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि पौधरोपण केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित न रहे, बल्कि उपयोगिता आधारित और स्थानीय इको सिस्टम के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि ऐसे वृक्षों का चयन किया जाए, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीणों की आजीविका, पशुओं की जरूरतों और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने वन एवं गैर-वन क्षेत्रों में महुआ, जामुन, करंज, पलाश, कुसुम, बैर तथा तसर उत्पादन के लिए उपयोगी अर्जुन जैसे वृक्षों का बड़े पैमाने पर रोपण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ये वृक्ष न केवल जैव विविधता को समृद्ध करेंगे, बल्कि ग्रामीण और वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आय बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। महुआ, जामुन, कटहल, आवला, चिरौंजी और बैर जैसे फलदार वृक्ष स्थानीय लोगों को पोषण एवं अतिरिक्त आय देंगे, जबकि पलाश, कुसुम और अर्जुन जैसे वृक्ष लाह एवं तसर उद्योग को नई गति प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड की बड़ी आबादी ग्रामीण एवं वन क्षेत्रों में निवास करती है, इसलिए पौधरोपण की योजना ऐसी होनी चाहिए, जिससे आम लोगों को वन उपज का प्रत्यक्ष लाभ मिले। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अनुपयोगी वृक्ष लगाने का कोई औचित्य नहीं है, क्योंकि ऐसे वृक्ष न तो पशुओं के लिए उपयोगी होते हैं और न ही स्थानीय समुदाय की आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाते हैं। इसलिए पौधरोपण की पूरी रणनीति स्थानीय जरूरतों और आर्थिक उपयोगिता को ध्यान में रखकर तैयार की जाए।

काजू, बैम्बू सहित विभिन्न व्यावसायिक खेती पर करें फोकस : बैठक में मुख्यमंत्री ने काजू, बैम्बू सहित विभिन्न व्यावसायिक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को बड़े भू-भागों की पहचान कर, वहां व्यापक स्तर पर काजू एवं बैम्बू के पौधे लगाने और राज्य में काजू उत्पादन की संभावनाओं को विकसित करने का निर्देश दिया, ताकि किसानों के लिए आय के नए स्रोत सृजित हो सकें। उन्होंने बांस (बैम्बू) के व्यापक रोपण और उसके सुनियोजित विकास पर भी बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांस आधारित उद्योगों और बैम्बू क्राफ्ट को बढ़ावा देकर राज्य में बड़े पैमाने पर स्वरोजगार के अवसर विकसित किए जा सकते हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और पारंपरिक हस्तशिल्प को नया बाजार भी मिलेगा। शहरी क्षेत्रों के पर्यावरणीय संतुलन को मजबूत करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने अकाशिया सहित अन्य छायादार पेड़-पौधों का बड़े पैमाने पर रोपण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शहरों में हरित आवरण बढ़ाने, प्रदूषण कम करने और लोगों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्थित शहरी पौधरोपण अभियान चलाया जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य में अधिकाधिक पौधरोपण कर हरीयाली लाने, पर्यावरणीय संतुलन बनाने के साथ-साथ प्रकृति संरक्षण, ग्रामीण समृद्धि, रोजगार सृजन और सतत विकास के बीच संतुलन स्थापित करना है। इसी सोच के अनुरूप उपयोगी, स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल और आर्थिक दृष्टि से लाभकारी पौधों को प्राथमिकता देकर झारखंड को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएं।

प्राकृतिक संपदा, घने जंगल, वन्यप्राणी एवं समृद्ध जैव विविधता झारखंड की पहचान : मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि झारखंड की पहचान उसकी प्राकृतिक संपदा, घने जंगलों, वन्यप्राणियों एवं समृद्ध जैव विविधता से है। इन प्राकृतिक धरोहरों का संरक्षण तथा संवर्द्धन राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने वनों के संरक्षण, मानव एवं वन्यजीवों के संघर्ष की रोकथाम, विकास कार्यों को गति प्रदान करने एवं पौधारोपण तथा वनों की कटाई रोकने के लिए सख्त कदम उठाये जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने संयुक्त वन प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन से जुड़े योजनाओं एवं कार्यक्रमों तथा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न विकास योजनाओं के प्रगति की विस्तृत जानकारी अधिकारियों से ली तथा उन्हें कई अहम दिशा-निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने वन संरक्षण के साथ-साथ वन क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों की आजीविका एवं पर्यावरणीय संतुलन को दृष्टिगत रखते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किए जाने के निर्देश को दिए।

डिजिटल रूप से जुड़े रहे सभी जिलों के वन प्रमंडल पदाधिकारी : झारखंड मंत्रालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के सभी जिलों के वन प्रमंडल पदाधिकारियों से ऑनलाइन माध्यम से सीधा संवाद स्थापित कर वन विभाग की योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने दुमका, जामताड़ा और कोडरमा के वन प्रमंडल पदाधिकारियों से सीधे बातचीत कर उनके जिलों में वनपट्टा वितरण की वर्तमान कार्य प्रगति, काजू, बैम्बू सहित अन्य पौधरोपण कार्य, इको-टूरिज्म विकास, तथा अन्य प्रमुख योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही कठिनाइयों पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि प्रत्येक योजना का परिणाम जनहित और वन संरक्षण के लक्ष्यों के अनुरूप दिखाई देना चाहिए। बैठक के दौरान पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण के उपायों, इन्वायरनमेंटल कंपनसेशन की प्रगति पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने वाले मामलों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही, प्रदूषण नियंत्रण संबंधी मामलों के त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण के लिए जनविश्वास एप की उपयोगिता और उसके प्रभावी संचालन पर भी विमर्श किया गया। बैठक में राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव अबू बकर सिद्दीकी पी०, अनु०जनजाति, अनु०जाति कल्याण विभाग के सचिव कृपानंद झा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-वन बल प्रमुख संजीव कुमार, पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ रवि रंजन, पीसीसीएफ (इडी) एटी मिश्रा, झारखंड जैव विविधता पर्षद के चेयरमैन विश्वनाथ शाह, पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ एसआर नटेश, एमडी फॉरेस्ट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन जब्बर सिंह, एपीसीसीएफ डी वेंकटेश वर्लू, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के सदस्य सचिव राजीव लोचन बक्शी, आरसीसीएफ दुमका आर थंगा पांडियन, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर सचिव भोर सिंह यादव, अपर सचिव दिलीप तिर्की सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बिजली तार की...

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विद्यालय में दोपहर का लंच ब्रेक चल रहा था। इसी दौरान कुछ छात्र स्कूल परिसर से निकलकर मौसीबाड़ी के समीप पहुंचे, जहां एक रथ खड़ा था। छात्र रथ को घुमाने अथवा आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे थे। तभी उसका ऊपरी हिस्सा ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन से छू गया। इसके बाद रथ में तेज करंट प्रवाहित हो गया और उसके संपर्क में आए सभी छात्र उसकी चपेट में आ गए। घटना के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे की सूचना मिलते ही तोरपा रेफरल अस्पताल में परिजनों और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। मृत छात्रों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था, जबकि अस्पताल परिसर में शोक और गम का माहौल छा गया। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि छात्र लंच ब्रेक के दौरान स्वयं मौसीबाड़ी पहुंचे थे या उन्हें रथ खींचने अथवा धक्का देने के लिए किसी ने बुलाया था। इसके साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि रथ हाईटेंशन बिजली लाइन के नीचे कैसे पहुंचा और इस हादसे में किसी प्रकार की लापरवाही तो नहीं बरती गई। पुलिस ने बताया कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं जिला प्रशासन ने घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ पूरे घटनाक्रम की निगरानी करने की बात कही है।

बच्चों की मौत...

मुख्यमंत्री ने कहा कि हादसे में घायल बच्चों का समुचित इलाज कराया जा रहा है। उन्होंने मरांग बुरु से सभी घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। तोरपा में रथ यात्रा के दौरान हुए इस हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। प्रशासन द्वारा घायलों के इलाज और घटना से जुड़ी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

रांची के डीजे...

घटना की सूचना मिलते ही रांची के एसएसपी और सिटी डीएसपी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और वैज्ञानिक जांच शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और पुख्ता साक्ष्यों के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी अभिषेक, उसके पिता और दोस्तों समेत कुल 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

गोड्डा में ओवरलोड...

इस हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। दुर्घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मुफासिल थाना के एसआई विकास गुप्ता ने बताया कि घटना को वजह ओवरलोड प्रतीत होता है। जिसमें चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया इस वजह से ये हादसा हुआ।। इस दुर्घटना में चालक समेत दो लोगों की मौत हुई है।

छात्रा से गैंगरेप...

पीड़िता डालटनगंज जाने के लिए बस का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान बोलेरो पिकअप पर सवार हुई। सुनसान स्थान पर ले जाकर हाथ-पैर और मुंह बांधकर पिकअप के अंदर घटना का अंजाम दिया और सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद पीड़िता की मदद पीसीआर वाहन के माध्यम से हुई और प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन...

नियमों का उल्लंघन करने वालों को प्रवेश से वंचित किया जा सकता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में छवि रंजन ने कहा कि वर्ष 1888 में शुरू हुआ डूरंड कप एशिया का सबसे पुराना और दुनिया का तीसरा सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट है। रांची में आयोजित इसके 135वें संस्करण में 24 टीमें पांच मेजबान शहरों में खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। प्रतियोगिता में इंडियन सुपर लीग (ISL), आई-लीग के क्लबों के साथ भारतीय सशस्त्र बलों और विदेशी सैन्य टीमों की भागीदारी होगी।

भारत में पहली डेंगू वैक्सीन क्यूडेंगा को मंजूरी

बिना किसी जांच के 4 से 60 साल तक के लोग ले सकेंगे देश में बनी दवा का डोज

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत में पहली बार डेंगू की वैक्सीन को मंजूरी मिल गई है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने ताकेदा बायोफार्मास्यूटिकल्स इंडिया की वैक्सीन क्यूडेंगा बाजार में इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। कंपनी के मुताबिक, यह वैक्सीन चार से 60 साल तक के लोगों को लगाई जा सकेगी। इसे लगवाने से पहले यह जांच कराने की जरूरत नहीं होगी कि व्यक्ति पहले कभी डेंगू से संक्रमित हुआ था या नहीं। भारत में मिली मंजूरी ताकेदा के वैश्विक क्लीनिकल डेवलपमेंट प्रोग्राम के आधार पर दी गई है। इसके तहत फेज-I, फेज-II और फेज-III के कुल 19 क्लीनिकल ट्रायल किए गए, जिनमें 28 हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। क्यूडेंगा की दो डोज दी जाती हैं। प्रत्येक डोज 0.5 मिलीलीटर की होती है और त्वचा के नीचे इंजेक्शन के जरिए लगाई जाती है। दोनों डोज के बीच तीन महीने का अंतर रखा जाता है।

देश में ही होगा वैक्सीन का उत्पादन : 'क्यूडेंगा' (टीएके-003) असल में जापानी कंपनी 'टाकेडा' की खोज है, लेकिन हमारे लिए सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि 'मेक इन इंडिया' के तहत इसका बड़े पैमाने पर उत्पादन देश में ही होगा। इसके लिए टाकेडा ने हैदराबाद की जानी-मानी फार्मा कंपनी 'बायोलॉजिकल ई' के साथ करार किया है। भारत में ही बनने की वजह से इसकी सप्लाई तेज और बिना किसी रुकावट के होगी। अभी इसकी पक्की कीमत का ऐलान होना बाकी है, लेकिन क्योंकि यह हमारे अपने देश में ही बनेगी, इसलिए उम्मीद जताई जा रही है कि यह आम लोगों की जेब पर ज्यादा भारी नहीं पड़ेगी। बाजार में लॉन्च होने के बाद, एहतियात के तौर पर शुरुआती 6 महीनों तक लोगों पर इसके असर की पूरी निगरानी भी की जाएगी।

भारत दुनिया में डेंगू से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में शामिल

ताकेदा के मुताबिक, भारत दुनिया में डेंगू से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में शामिल है। देश के कई हिस्सों में डेंगू वायरस के चारों सीरोटाइप एक साथ फैल रहे हैं। कंपनी के मेडिकल अफेयर्स प्रमुख गोह चू बेंग ने कहा कि क्यूडेंगा को चारों सीरोटाइप से सुरक्षा देने के लिए तैयार किया गया है। यह मंजूरी भारत में डेंगू रोकथाम की रणनीति को मजबूत करेगी। इसके साथ मच्छर नियंत्रण, निगरानी, जनजागरूकता और अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय भी जरूरी रहेंगे। कंपनी ने यह भी कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में क्यूडेंगा के इस्तेमाल की सिफारिश करता है। डब्लूएचओ का समर्थन है कि ज्यादा संक्रमण वाले इलाकों में इसे सार्वजनिक टीकाकरण कार्यक्रम में बिना प्री-वैक्सीनेशन स्क्रीनिंग के शामिल किया जा सकता है।

मोल्दोवा में राष्ट्रपति मुर्मु ने स्टीफन सेल मारे को श्रद्धांजलि दी

एजेंसी । चिसीनाउ

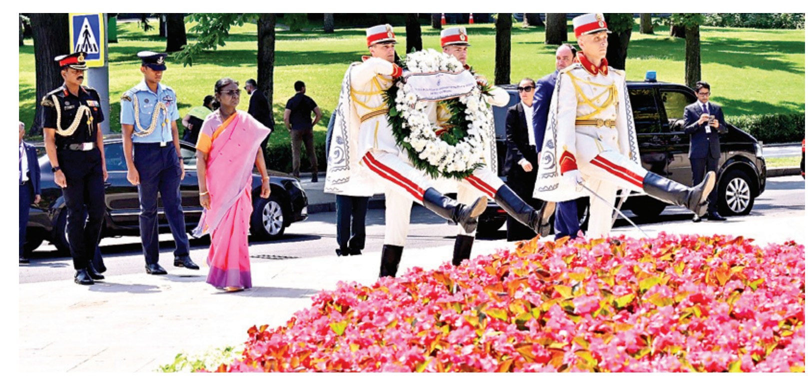

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को मोल्दोवा की राजधानी चिसीनाउ में अपने राजकीय दौरे के दौरान 'स्टीफन सेल मारे सी स्फांट' स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। स्थानीय सरकार के अनुसार, यह कांस्य प्रतिमा स्टीफन सेल मारे (द ग्रेट) की याद में बनाई गई है। उन्हें मोल्दोवा का सबसे महान शासक माना जाता है, जिन्होंने 15वीं शताब्दी में तुर्की के आक्रमण से देश की सफलतापूर्वक रक्षा की थी। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने 'एक्स' पर लिखा, "राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने चिसीनाउ में स्टीफन सेल मारे सी स्फांट स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। यह स्मारक देश के इतिहास में उनके अमूल्य योगदान की याद दिलाता है। राष्ट्रपति मुर्मू सोमवार को मोल्दोवा पहुंचीं। यह उनकी मोल्दोवा, नॉर्थ मैसेडोनिया और रोमानिया की राजकीय यात्रा का पहला पड़ाव है। किसी भारतीय राष्ट्रपति का यह मोल्दोवा का पहला दौरा है। चिसीनाउ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मोल्दोवा के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मिहाई पोपशोई ने उनका स्वागत किया। इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मु ने मोल्दोवा की राष्ट्रपति मैया सैंडू से चिसीनाउ राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-मोल्दोवा के आपसी संबंधों की समीक्षा की और सहयोग को मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की। बैठक में विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक से पहले राष्ट्रपति मुर्मु का राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। चिसीनाउ में भारत-मोल्दोवा बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि भारत साझा समृद्धि और टिकाऊ आर्थिक विकास के लिए भरोसेमंद अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को बहुत महत्वपूर्ण मानता है।

400 किमी दूर तक रूस के अहम ठिकाने पर साधा निशाना, ऑयल डिपो पर भी हमला : जेलेंस्की

नई दिल्ली । यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया कि यूक्रेनी सेना ने रूस के भीतर कई अहम सैन्य और लॉजिस्टिक्स ठिकानों को निशाना बनाया है। उन्होंने साफ किया कि रूस के हर हमले का लगातार जवाब दिया जाएगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, ''मॉस्को क्षेत्र में हमारी लंबी दूरी की कार्रवाई और प्रतिबंधों का असर दिखा है। दुश्मन के लॉजिस्टिक्स केंद्रों और एक तेल भंडार (ऑयल डिपो) को निशाना बनाया गया। इसके लिए मैं हमारी अनमैन्ड सिस्टम्स फोर्सेज, खुफिया एजेंसियों, मिसाइल और आर्टिलरी बलों, और स्पेशल ऑपरेशंस फोर्सेज के जवानों का धन्यवाद करता हूं।'' जेलेंस्की ने बताया कि जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया, वे हमारी सीमा से 400 किलोमीटर से भी जयादा दूर थे। इसके अलावा, काला सागर में रूस के तथाकथित 'शैडो फ्लीट' के दो टैंकरों और चार मालवाहक जहाजों को भी निशाना बनाया गया।

जम्मू-कश्मीर : पुंछ में ताजा भूस्खलन में सात लोगों की मौत, बचाव अभियान जारी

एजेंसी । जम्मू

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सोमवार को भारी बारिश के कारण हुए ताजा भूस्खलन में सात लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन सोमवार को पुंछ के लोरान-दुमिलन इलाके में हुआ। अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण भूस्खलन हुआ, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई। सात शव बरामद कर लिए गए हैं और लापता लोगों की तलाश के लिए खोज और बचाव अभियान जारी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि अचानक बाढ़ और भूस्खलन के गंभीर खतरे को देखते हुए मस्जिदों से लोगों को सतर्क करने के लिए घोषणाएं की गईं। पुलिस, नागरिक प्रशासन, एसडीआरएफ और स्थानीय स्वयंसेवक मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारियों द्वारा नुकसान का आकलन किया जा रहा है और बचाव अभियान जारी है। रविवार को भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से जम्मू मंडल के पुंछ और राजौरी समेत कई इलाकों में भारी तबाही मची, जिसमें कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लापता बताए जा रहे हैं।

नॉर्वे में 100 साल की सबसे भीषण आग सैकड़ों घर जलकर खाक, 400 लोग बेघर

ओस्लो । नॉर्वे के ड्रामेन शहर के पास एक कस्बे में लगी भीषण आग ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। अधिकारियों ने इसे "100 वर्षों में लगी सबसे बड़ी आग" बताया है। सोमवार को भी आग पूरी तरह बुझ नहीं पाई थी और धुआं उठ रहा था। क्रोकस्टाडेल्वा इलाके में सप्ताहांत के दौरान करीब 100 घर पूरी तरह नष्ट हो गए, जबकि लगभग 400 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। इस आग में स्थानीय फायर चीफ टोरगेर एंडरसन का घर भी जलकर खाक हो गया। रविवार को स्थानीय अखबार ड्रामेंस टिडेंडे से बातचीत में पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में आग लगने की वजह या तो कोई दुर्घटना हो सकती है या फिर किसी स्थान पर अपने आप आग लगना (स्पॉन्टेनियस कम्बशन) हो सकता है।

सेहत व पाचन का आयुर्वेदिक टॉनिक : द्राक्षासव के फायदे और सेवन का वैज्ञानिक तरीका

आरपी सिंह

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी, असंतुलित खानपान और मानसिक तनाव का सीधा असर हमारी पाचन क्रिया पर पड़ता है। ऐसे में आयुर्वेद की सदियों पुरानी 'संधान कल्पना' (फर्मेंटेशन) तकनीक से तैयार द्राक्षासव एक बेहतरीन प्राकृतिक उपचार के रूप में उभरता है। मुख्य रूप से काली दाख (सूखे अंगूर/किशमिश) से बनने वाली यह लिक्विड दवा न सिर्फ शारीरिक कमजोरी को दूर करती है, बल्कि मंद पड़ चुकी जठराग्नि (भूख) को भी प्रदीप्त करती है।

द्राक्षासव की खुराक और सटीक वर्गीकरण

आयुर्वेद में किसी भी औषधि की प्रभावशीलता उसके सही वर्गीकरण और उम्र के अनुसार तय खुराक पर निर्भर करती है। द्राक्षासव में 4% से 10% तक प्राकृतिक रूप से उत्पन्न अल्कोहल होता है, जो इसे शरीर में तेजी से अवशोषित होने में मदद करता है। एक सामान्य घरेलू चम्मच लगभग 5 मिली का होता है। इस आधार पर खुराक का निर्धारण नीचे दिए गए चार्ट के अनुसार किया जाना चाहिए:

लक्षित वर्ग	मानक खुराक	सेवन का माध्यम
वयस्क (18 वर्ष से ऊपर)	15 से 30 ml (3 से 6 चम्मच)	बराबर मात्रा में गुनगुना/सामान्य पानी
किशोर (12 से 18 वर्ष)	7.5 से 15 ml (1.5 से 3 चम्मच)	चिकित्सक की देखरेख में, पानी के साथ
बच्चे (12 वर्ष से कम)	बिना डॉक्टर की सलाह के न दें	लागू नहीं

सेवन का सटीक समय व वैज्ञानिक कारण

- **भोजन के 15-20 मिनट बाद:** खाना खाने के तुरंत बाद हमारे शरीर में पाचक रस सक्रिय होते हैं। इस समय द्राक्षासव का सेवन करने से इसके एक्टिव कंपाउंड्स भोजन के पोषक तत्वों के साथ मिलकर शरीर में आसानी से घुल जाते हैं।
- **खाली पेट क्यों न लें?** चूंकि यह एक फर्मेंटेड (किण्वित) पेय है, इसलिए खाली पेट इसका सेवन करने से पेट में जलन, एसिडिटी या गैस्ट्रिक इरिटेशन हो सकती है।
- **अनुपान (लेने का माध्यम) का महत्व:** इसे कभी भी सीधे बोतल से न पीएं। हमेशा जितनी दवा, उतना ही गुनगुना या सामान्य पानी मिलाकर लें। यह इसकी तीक्ष्णता को कम करता है और पेट की परत को सुरक्षित रखता है।

अन्य दवाओं के साथ तालमेल

यदि आपकी पहले से कोई दवा चल रही है, तो द्राक्षासव और उन दवाओं के बीच एक सुरक्षित अंतर रखना बेहद जरूरी है:

- **एलोपैथिक (अंग्रेजी) दवाएं:** यदि आप कोई नियमित एलोपैथिक दवा ले रहे हैं, तो पहले उसे खाएं। उसके कम से कम 30 मिनट बाद ही द्राक्षासव का सेवन करें।
- **होम्योपैथिक दवाएं:** हालांकि द्राक्षासव का होम्योपैथी पर कोई सीधा असर नहीं पड़ता, फिर भी दोनों के बीच 15 से 20 मिनट का अंतर रखना आदर्श माना जाता है।

महत्वपूर्ण सावधानियां: किनके लिए है वर्जित?

1. **मधुमेह के रोगी:** द्राक्षासव को बनाने में मुख्य रूप से अंगूर, चीनी या शहद का उपयोग होता है। इसमें प्राकृतिक शर्करा की मात्रा बहुत अधिक होती है, जिससे ब्लड शुगर लेवल अचानक बढ़ सकता है। अत: डायबिटीज के मरीज बिना डॉक्टर की सलाह के इसका सेवन बिल्कुल न करें।
2. **गर्भावस्था व स्तनपान:** गर्भवती महिलाओं और शिशुओं को दूध पिलाने वाली माताओं को इसका सेवन पूरी तरह टालना चाहिए या केवल योग्य आयुर्वेदिक चिकित्सक की सख्त निगरानी में ही करना चाहिए।
3. **अधिक खुराक के नुकसान:** निर्धारित मात्रा से ज़्यादा लेने पर पेट खराब होना, दस्त या सीने में जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

द्राक्षासव एनीमिया (खून की कमी), पुरानी कब्ज और कमजोरी के लिए एक वरदान है, बशर्ते इसे सही नियम और अनुशासन के साथ लिया जाए । नोटः यह जानकारी केवल सामान्य ज्ञान के लिए है। इसे डॉक्टरी सलाह न माना जाए। किसी भी उपचार को शुरू करने से पहले एक योग्य चिकित्सक से परामर्श अवश्य करें।